राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण बुधवार 25 मार्च 2026 वर्ष-9,अंक-59 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

सेना में महिला अधिकारियों को दिया गया परमानेंट कमीशन बरकरार रहेगा

महिलाओं के स्थायी सेवा के अधिकार में अब कोई दखल नहीं

नई दिल्ली । भारतीय सशस्त्र बलों में लैंगिक समानता की दिशा में एक बड़ा फैसला हुआ है। सुप्रीम कोर्ट ने महिला अधिकारियों को परमानेंट कमीशन (पीसी) देने के अपने पिछले निर्णयों को सही माना है। शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया कि भारतीय सेना में महिलाओं के स्थायी सेवा के अधिकार में अब कोई दखल नहीं दिया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया कि महिला अधिकारियों को पहले से दिया गया परमानेंट कमीशन बरकरार रहेगा, और यह साफ कर दिया कि मौजूदा व्यवस्था में कोई दखल नहीं होगा। सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाया कि महिला अधिकारी खास तौर पर शॉर्ट सर्विस कमीशन अधिकारी (एसएससीओएस) और वे लोग जिन्होंने मामले में दखल दिया था जिन्हें कानूनी कार्रवाई के दौरान किसी भी चरण में सेवा से मुक्त किया गया था, उन्हें 20 साल की सेवा पूरी कर चुका माना जाएगा। इसके परिणामस्वरूप, वे पेंशन से जुड़े फायदों की हकदार होंगी। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पेंशन के फायदे तब दिए जाएंगे, लेकिन ये अधिकारी वेतन के किसी भी बकाया के हकदार नहीं रहने वाले है। इस फैसले को सशस्त्र बलों में लैंगिक समानता सुनिश्चित करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम के तौर पर देखा जा रहा है, जो भारतीय सेना में महिला अधिकारियों के अधिकारों और सेवा शर्तों को और मज़बूत करता है।

आज किसान साल में तीन फसलें ले रहा.....इसलिए उनकी आय में कई गुना बढ़ोत्तरी हुई

केंद्रीय मंत्री चौहान ने बताया पिछली सरकारों में किसानों को बिजली नहीं मिलती थी

नई दिल्ली। लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान किसानों की आय दोगुनी करने के मुद्दे पर केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मोदी सरकार का पक्ष रखकर कई अहम बातें कही। उन्होंने दावा किया कि देश में कई किसानों की आय दोगुनी ही नहीं, बल्कि यह कई गुना बढ़ी है। केंद्रीय मंत्री चौहान ने कहा कि किसानों की आय सिर्फ दोगुनी ही नहीं हुई है बल्कि इसमें दो-तीन गुना तक इजाफा हुआ है और कुछ मामलों में यह आंकड़ा आठ गुना तक बढ़ गया है। इस मौके पर विपक्ष पर निशाना साधकर कहा कि पिछली सरकारों के समय गांवों में बुनियादी सुविधाओं की भारी कमी थी। उन्होंने कहा, उस समय न बिजली थी, न पानी और न ही सड़कें थीं। मध्य प्रदेश का उदाहरण देकर बताया कि पहले वहां किसानों को सिर्फ एक ही फसल मिल पाती थी, क्योंकि बिजली की स्थिति बेहद खराब थी। उन्होंने कहा, बिजली आती कम थी, जाती ज्यादा थी। कई बार सिर्फ बिजली के बिल ही आते थे। उन्होंने बताया कि लेकिन हमारी सरकार ने सिंचाई सुविधाओं का विस्तार किया और 24 घंटे बिजली उपलब्ध कराई। इसका परिणाम यह हुआ कि आज मध्य प्रदेश में किसान साल में तीन-तीन फसलें ले रहे हैं, जिससे उनकी आय में बढ़ोतरी हुई है। केंद्रीय मंत्री चौहान ने कृषि बजट में बढ़ोतरी का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि पहले कृषि बजट 19,306 करोड़ रुपए था, जो कि बढ़ाकर अब 1 लाख 30 हजार करोड़ रुपए से अधिक हुआ है। अगर कृषि और इससे जुड़े क्षेत्रों को मिलाकर देखा जाए, तब कुल बजट 5 लाख करोड़ रुपए से भी ज्यादा हो गया है।

ईरान जंग पर पीएम मोदी की चेतावनी,

जारी रही लड़ाई तो होंगे गंभीर दुष्परिणाम

राज्यसभा में बोले- आने वाला समय देश की बड़ी परीक्षा, 'टीम इंडिया' की तरह मिलकर करना होगा मुकाबला

-बुधवार को सर्वदलीय बैठक बुलाई

नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम एशिया में जारी तनाव को लेकर राज्यसभा में मंगलवार को 21 मिनट का महत्वपूर्ण बयान दिया। उन्होंने कहा कि यदि ईरान से जुड़ा संघर्ष, जिसमें अमेरिका और इजरायल शामिल हैं, लंबे समय तक जारी रहा तो इसके गंभीर वैश्विक दुष्परिणाम होंगे। पीएम मोदी ने चेताते हुए कहा कि आने वाला समय भारत के लिए भी एक बड़ी परीक्षा की घड़ी साबित होगा, जिससे निपटने के लिए मिलकर काम करना होगा। उच्चसदन को संबोधित कर रहे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को चेताते हुए कहा, कि आने वाला समय भारत के लिए एक बड़ी परीक्षा साबित हो सकता है। उन्होंने राज्यों से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि केंद्र और राज्य सरकारों को 'टीम इंडिया' की भावना के साथ मिलकर काम करना होगा, जैसा कि कोविड-19 के दौरान किया गया था। पीएम मोदी ने कहा कि मौजूदा हालात का असर भारत के व्यापार और आपूर्ति श्रृंखला पर पड़ रहा है। विशेष रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों के फंसने से स्थिति चिंताजनक हो गई है। उन्होंने बताया कि कई भारतीय क्रू सदस्य भी इन जहाजों पर मौजूद हैं और उनकी सुरक्षा सरकार की प्राथमिकता है। ऊर्जा और आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति पर भी असर पड़ा है। उन्होंने कहा कि हमारे व्यापार के रास्ते प्रभावित होने से गैस-तेल, फर्टिलाइजर्स जैसे जरूरी सामान की सप्लाई पर असर पड़ा है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पेट्रोल-डीजल, गैस और उर्वरकों की सप्लाई प्रभावित हो रही है। इससे निपटने के लिए सरकार ने सात एम्पॉवर्ड ग्रुप बनाए हैं, जो सप्लाई चेन, महंगाई और जरूरी संसाधनों की उपलब्धता पर निगरानी रखेंगे। कालाबाजारी और जमाखोरी पर करें कार्रवाई गरीबों और श्रमिकों के हितों को ध्यान में रखते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने राज्य सरकारों से प्रधानमंत्री गरीब अन्न कल्याण योजना का लाभ सुनिश्चित करने की अपील की। साथ ही उन्होंने कालाबाजारी और जमाखोरी पर सख्त कार्रवाई करने को कहा। किसानों को आश्वस्त करते हुए

उन्होंने कहा कि आगामी बुआई सीजन के लिए खाद की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के प्रयास किए जा रहे हैं। सरकार इस दिशा में जरूरी कदम उठा रही है ताकि कृषि क्षेत्र प्रभावित न हो।

रक्षामंत्री ने ली बैठक, अंतरराष्ट्रीय हालात के बीच भारत की रक्षा तैयारियों को परखा

नई दिल्ली।

इजराइल और अमेरिका ने संयुक्त रूप से ईरान पर हमला किया और उसके बाद ईरान ने भी इसका जोरदार दवाब दिया। यह युद्ध अब तक शांत नहीं हुआ। इस युद्ध के टेंशन को देखते हुए दिल्ली में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एक उच्चस्तरीय बैठक की। इस बैठक में तीनों सेनाओं के प्रमुख, रक्षा मंत्रालय के शीर्ष अधिकारी और सुरक्षा से जुड़े प्रमुख विभागों के प्रतिनिधि मौजूद थे।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बैठक में मौजूदा सुरक्षा परिस्थितियों पर विस्तार से चर्चा की और इसके साथ ही भारत की सैन्य तैयारियों का भी व्यापक आकलन किया।

बता दें इस बैठक का मुख्य उद्देश्य युद्ध की वजह से बदलते अंतरराष्ट्रीय हालात के बीच भारत की रक्षा तैयारियों को परखना और किसी भी संभावित चुनौती के लिए रणनीति तय करना था।

बता दें इस हाई लेवल बैठक में सीमा सुरक्षा, समुद्री सुरक्षा, एयर डिफेंस और ऑपरेशनल रेडीनेस जैसे अहम मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई।

इस बैठक में रक्षा मंत्री ने साफ कहा कि भारत अपनी संप्रभुता और राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए पूरी तरह तैयार है और किसी भी

स्थिति से निपटने की क्षमता रखता है।

बैठक में सेनाओं को सतर्क रहने और जरूरत पड़ने पर तुरंत कार्रवाई के लिए तैयार रहने के निर्देश दिए।

यह बैठक ऐसे समय पर हुई है जब वैश्विक स्तर पर सुरक्षा हालात तेजी से बदल रहे हैं और भारत हर स्थिति पर नजर रख रहा है।

ईरान ने साफ कहा- बगैर किसी शुल्क के दो भारतीय जहाजों ने पार किया स्ट्रेट ऑफ होर्मुज

नई दिल्ली।

पश्चिम एशिया में जारी तनाव और युद्ध जैसी स्थितियों के बीच फंसे भारतीय जहाजों की घर वापसी का रास्ता साफ होता दिख रहा है। भारी फीस वसूले जाने की खबरों और अनिश्चितता के माहौल के बीच दो महत्वपूर्ण भारतीय जहाज, पाइन गैस और जग वसंत, रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को सफलतापूर्वक पार कर गए हैं। संभावना जताई जा रही है कि मार्च के अंत तक ये जहाज भारतीय तटों पर दस्तक दे सकते हैं। इन जहाजों की आवाजाही को लेकर हाल ही में यह खबरें उठी थीं कि ईरान इनसे गुजरने के बदले भारी शुल्क की मांग कर रहा है। हालांकि, भारत में स्थित ईरानी दूतावास ने इन दावों को पूरी तरह निराधार बताया है। दूतावास ने स्पष्ट किया कि जहाजों से 20 लाख (2 मिलियन) डॉलर की राशि वसूलने की खबरें केवल व्यक्तिगत विचार हो सकते हैं, यह ईरान का आधिकारिक रुख नहीं है। ईरान के अनुसार, इस मार्ग से जहाजों को निकालने के लिए अधिकारियों के साथ पहले से की गई बातचीत और समन्वय ही एकमात्र आधिकारिक रास्ता है। आंकड़ों के अनुसार, एलपीजी टैंकर पाइन गैस और जग वसंत सोमवार सुबह फारस की खाड़ी से रवाना हुए। इन दोनों जहाजों पर लगभग 92,000 टन एलपीजी लदी है, जो भारत में लगभग एक दिन की रसोई गैस की खपत के बराबर है। बंदरगाह, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय के अनुसार, इन जहाजों की यात्रा शुरू हो चुकी है और आमतौर पर खाड़ी से भारत पहुंचने में इन्हें दो से ढाई दिन का समय लगता है।

महिलाओं को 2500 प्रतिमाह, बेटियों को 1 लाख

बुजुर्गों को वयोआनंद बजट में महिला-युवा-बुजुर्ग पर फोकस

नई दिल्ली ।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने 2026 का बजट पेश किया, जिसमें महिला, युवा और बुजुर्गों पर विशेष ध्यान दिया गया। कुल 1,03,700 करोड़ रुपये के बजट में महिलाओं को 2500 रुपये प्रतिमाह, लखपति बिटिया योजना के तहत 1 लाख रुपये और बुजुर्गों के लिए वयोआनंद योजना की घोषणा की गई। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को विधानसभा में अपने कार्यकाल का दूसरा बजट पेश करते हुए महिला, युवा और बुजुर्ग तीनों ही वर्ग पर विशेष फोकस किया। युवा और महिलाओं के लिए एक ओर जहां 1,03,700 करोड़ रुपये के रिकॉर्ड बजट में कई लाभकारी योजनाओं की घोषणा की गई है। वहीं, राजधानी में बुजुर्गों का विशेष ख्याल रखते हुए वयोआनंद योजना की घोषणा की गई है। इसके लिए 25 करोड़ का बजट निर्धारित किया गया है। वहीं, महिलाओं से राज्य सरकार ने यह वादा किया है कि इस साल से उन्हें 2500 रुपये प्रतिमाह मिलने लगेंगे। दिल्ली सरकार ने लखपति बिटिया योजना की शुरुआत की है। इस योजना के तहत दिल्ली की हर बेटी के जन्म से लेकर

ग्रेजुएशन पूरा करने तक सरकार साथ देगी। ग्रेजुएशन पूरा करने पर बेटी को एक लाख रुपये की राशि दी जाएगी। इस योजना के लिए 128 करोड़ रुपये का बजट रखा गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा के साथ युवाओं के विकास पर सरकार की प्राथमिकता है। इन घोषणाओं से दिल्ली के छात्रों को आधुनिक शिक्षा, बेहतर खेल सुविधाएं और करियर के नए अवसर मिलेंगे।

जम्मू कश्मीर में स्वास्थ्य कर्मचारी हड़ताल, स्वास्थ्य सेवाएं ठप, इमरजेंसी चालू

बिलावर। जम्मू कश्मीर में स्वास्थ्य कर्मचारियों ने सरकार द्वारा ढाई दिन का वेतन रोकने के फैसले के खिलाफ मंगलवार और बुधवार को हड़ताल पर जाने का ऐलान किया है। जम्मू कश्मीर मेडिकल इंप्लाइज फेडरेशन के बिलावर ब्लाक अध्यक्ष करतार सिंह ने बताया कि 24 और 25 मार्च को इमरजेंसी सेवाओं को छोड़कर सभी स्वास्थ्य सेवाएं बंद रहेंगी।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक स्वास्थ्य कर्मचारियों ने सरकार को चेतावनी दी है कि यदि उनका रोका गया वेतन बहाल नहीं किया गया तो वे रोस्टर ड्यूटी नहीं करेंगे। करतार सिंह ने कहा कि स्वास्थ्य कर्मचारियों को ढाई दिन का अतिरिक्त वेतन दिया जाता था, लेकिन अब इसे रोक दिया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि एमटीएस ड्राइवर और स्वास्थ्य कर्मियों का वेतन रोकना किसी भी स्थिति में सहन नहीं किया जाएगा।

महिला आरक्षण के लिए सरकार ने उठाया बड़ा कदम, अब लोकसभा में 33 प्रतिशत होंगी महिलाएं

नई दिल्ली ।

लोकसभा में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण का समुचित तरीके से लाभ मिले इसके लिए केंद्र की मोदी सरकार ने महत्वपूर्ण कदम उठाया है।

संसद के मौजूदा सत्र में महिला आरक्षण को लागू करने के लिए महत्वपूर्ण संवैधानिक संशोधन विधेयक पेश करने की तैयारी कर रही है।

इस ऐतिहासिक कदम के तहत आगामी लोकसभा और उसके बाद होने वाले विधानसभा चुनावों में महिलाओं के लिए एक-तिहाई यानी 33 प्रतिशत सीटें आरक्षित की जाएंगी। सरकार की इस योजना का सबसे महत्वपूर्ण पहलू लोकसभा की कुल सदस्य संख्या में भारी वृद्धि करना है।

वर्तमान में लोकसभा की 543 सीटों को बढ़ाकर 816 किए जाने का प्रस्ताव है, जिसका अर्थ है कि सदन में 273 नई सीटें जोड़ी जाएंगी।

इन नई सीटों में से अधिकांश महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी, जिससे मौजूदा पुरुष सांसदों की स्थिति पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा। यह पिछले पांच दशकों में पहली बार होगा जब सीटों की संख्या में इस स्तर का इजाफा किया जाएगा।

इसके साथ ही संसद में बहुमत का आंकड़ा भी बढ़कर 409 हो जाएगा। महिला आरक्षण की राह में सबसे बड़ी बाधा परिसीमन और नई जनगणना को माना जा रहा था। नारी शक्ति वंदन अधिनियम में पहले इसे नई जनगणना के बाद होने वाले परिसीमन से जोड़ा गया था, लेकिन अब सरकार इस प्रावधान को अलग करने पर विचार कर रही है।

नई जनगणना में होने वाली देरी को देखते हुए सरकार 2011 की जनगणना के आधार पर ही नया परिसीमन कराने की योजना बना रही है, ताकि 31 मार्च 2029 के बाद होने वाले चुनावों में महिला कोटा प्रभावी रूप से लागू किया जा सके। इस बदलाव से दक्षिण भारतीय राज्यों की उन चिंताओं का भी समाधान होगा, जिन्हें डर था कि जनसंख्या नियंत्रण के सफल प्रयासों के कारण संसद में उनका प्रतिनिधित्व कम हो सकता है।

सरकार ने सुनिश्चित किया है कि प्रत्येक राज्य की सीटों में 50 प्रतिशत की वृद्धि होगी, जिससे उनका आनुपातिक प्रतिनिधित्व बना रहेगा।

उदाहरण के तौर पर, उत्तर प्रदेश की सीटें 80 से बढ़कर 120, बिहार की 40 से 60 और केरल की सीटें 20 से बढ़कर 30 होने का अनुमान है। इसी अनुपात में अनुसूचित जाति और जनजाति की सीटों में भी वृद्धि की जाएगी।

इस विधायी प्रक्रिया को पूरा करने के लिए राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है।

सरकार की मंशा 4 अप्रैल को समाप्त हो रहे बजट सत्र में ही इन विधेयकों को पारित कराने की है, जिसके लिए सत्र को बढ़ाया भी जा सकता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

तकनीक का लोकतंत्रीकरण और सृजन का नया युग

इंडियन इंस्चूयूट क्रियेटेवी ट्रेकनालॉजी के माध्यम से संचालित राष्ट्रीय एआई स्किलिंग पहल इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कड़ी है। गूगल और यूट्यूब के सहयोग से तैयार यह कार्यक्रम न केवल तकनीकी ज्ञान प्रदान करेगा, बल्कि रचनात्मक उद्योगों के लिए आवश्यक व्यावहारिक कौशल भी विकसित करेगा। इससे भारत के युवा वैश्विक डिजिटल कंटेंट बाजार में अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज करा सकेंगे। दूसरी ओर, एमवाईडब्लुएवीईएस प्लेटफॉर्म उस बदलते भारत का प्रतीक है,जहाँ हर व्यक्ति अपनी आवाज़ को पहचान दिलाना चाहता है।

(लेखक - विनोद कुमार सिंह)

- एआई कौशल,नागरिक भागीदारी और सुलभ प्रसारण से बदलता भारत का डिजिटल भविष्य

वैश्विक क्षितिज पर भारत का डिजिटल परिदृश्य आज जिस तीव्र गति से बदल रहा है,वह केवल तकनीकी प्रगति का शुभ संकेत दी नहीं,बल्कि एक व्यापक सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन का परिचायक भी है। इस क्रान्तिकारी परिवर्तन के केंद्र में वह सोच है,जो तकनीक को कुछ विशेष वर्गों तक सीमित न रखकर उसे आम जन तक पहुँचाने की वकालत करती है। इसी दृष्टि को साकार करते हुए केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव द्वारा आरंभ की गई तीन नई पहलें एक नए भारत की डिजिटल आकांक्षाओं को आकार देती दिखाई देती हैं। आज के कार्यक्रम में उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि सरकार का उद्देश्य तकनीक को सुलभ,सस्ता और सर्वसुलभ बनाना है,ताकि देश का हर नागरिक डिजिटल क्रांति का भागीदार बन सके। उन्होंने प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की उस सोच को दोहराया,जिसमें तकनीक को लोकतांत्रिक बनाने पर विशेष बल दिया गया है। उनके अनुसार,इन पहलों के माध्यम से न केवल तकनीक की पहुँच बढ़ेगी,बल्कि यह आम लोगों के जीवन को सरल और सशक्त भी बनाएगी। मंत्री ने एमवाईडब्लूएवीईएस प्लेटफॉर्म को एक ऐसे सशक्त मंच के रूप में रेखांकित किया,जहाँ देश का हर नागरिक अपनी रचनात्मकता को अभिव्यक्त कर सकता है। उन्होंने अपने उदगार में उल्लेख किया कि आज का भारत केवल कंटेंट का उपभोक्ता नहीं रहना चाहता,बल्कि वह कंटेंट निर्माण में भी वैश्विक नेतृत्व की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने रचनाकारों से आह्वान किया कि वे अपने क्षेत्र, संस्कृति और परंपराओं की कहानियों को इन मँचों के माध्यम से दुनिया तक पहुँचाएँ,जिससे भारत की विविधता और समृद्धि को एक नई पहचान मिल सके। राष्ट्रीय ए आई स्किलिंग पहल पर बोलते हुए अश्विनी वैष्णव ने कहा कि यह कार्यक्रम आनेवाले समय की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। आज लगभग 15 हजार युवाओं को निःशुल्क प्रशिक्षण देकर उन्हें भविष्य की तकनीकों के लिए तैयार किया जाएगा। उनके शब्दों में, 'यह पहल युवाओं को केवल कौशल ही नहीं देगी,बल्कि उन्हें वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने के योग्य बनाएगी। ' यह कथन इस बात का संकेत है कि सरकार एआई को केवल एक तकनीक नहीं,बल्कि एक अवसर के रूप में देख रही है। आज के इस कार्यक्रम में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के सचिव संजय जाजू ने भी इन पहलों की व्यापकता और प्रभाव को रेखांकित करते हुए कहा कि यह तीनों पहलें एक साझा नीति दिशा को प्रतिबिंबित करती हैं। उन्होंने अपने उद्गार में स्पष्ट किया कि पहली पहल लोगों को सक्षम बनाएगी,दूसरी उन्हें नए अवसर प्रदान करेगी और तीसरी यह सुनिश्चित करेगी कि कंटेंट की पहुँच समाज के अंतिम व्यक्ति तक हो। उनके अनुसार,यह केवल योजनाएँ नहीं हैं,बल्कि एक मजबूत और समावेशी डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण की दिशा में ठोस कदम हैं। यदि इन उद्गारों को व्यापक संदर्भ में देखा जाए,तो यह स्पष्ट होता है कि सरकार की सोच बहुस्तरीय है। एक ओर जहाँ कौशल विकास के माध्यम से युवाओं को तैयार किया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर उन्हें अभिव्यक्ति और अवसर के मंच भी प्रदान किए जा रहे हैं। साथ ही,तकनीकी अवरोधों को कम करके यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि इन अवसरों का लाभ समाज के हर वर्ग तक पहुँचे। इंडियन इंस्चूयूट क्रियेटेवी ट्रेकनालॉजी के माध्यम से संचालित राष्ट्रीय एआई स्किलिंग पहल इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कड़ी है। गूगल और यूट्यूब के सहयोग से तैयार यह कार्यक्रम न केवल तकनीकी ज्ञान प्रदान करेगा, बल्कि रचनात्मक उद्योगों के लिए आवश्यक व्यावहारिक कौशल भी विकसित करेगा। इससे भारत के युवा वैश्विक डिजिटल कंटेंट बाजार में अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज करा सकेंगे। दूसरी ओर, एमवाईडब्लुएवीईएस प्लेटफॉर्म उस बदलते भारत का

प्रतीक है,जहाँ हर व्यक्ति अपनी आवाज़ को पहचान दिलाना चाहता है। यह मंच केवल कंटेंट निर्माण का माध्यम नहीं,बल्कि एक सामाजिक- सांस्कृतिक संवाद का सेतु भी है। इसके माध्यम से देश के कोने-कोने से उभरती कहानियाँ, विचार और रचनात्मक अभि व्यक्तियाँ एक साझा मंच पर आ सकेंगी। तीसरी पहल,डीडी फ्री डिश के लिए इन-बिल्ट सैटेलाइट ट्यूनर और उन्नत प्रोग्राम गाइड की सुविधा, सीधे तौर पर आम नागरिक के जीवन को सरल बनाने का प्रयास है। अब बिना सेट-टॉप बॉक्स के टेलीविजन देख पाना न केवल लागत को कम करेगा,बल्कि तकनीक के उपयोग को भी सहज बनाएगा। यह पहल विशेष रूप से उन क्षेत्रों के लिए महत्वपूर्ण है, जहाँ संसाधनों की कमी के कारण लोग अब तक बेहतर प्रसारण सुविधाओं से वंचित थे। इन सभी प्रयासों के केंद्र में प्रसार भारती की भूमिका भी उल्लेखनीय है,जो सार्वजनिक प्रसारण को आधुनिक और सुलभ बनाने में निरंतर प्रयासरत है। यह स्पष्ट है कि सरकार केवल नई योजनाएँ लागू करने तक सीमित नहीं है,बल्कि वह एक ऐसे डिजिटल भविष्य का निर्माण कर रही है,जहाँ अवसर, अभिव्यक्ति और सूचना - तीनों का संतुलित विकास संभव हो। अंततः यह कहा जा सकता है कि आज व्यक्त किए गए केन्द्रीय सुचना प्रसारण मंत्री और सचिव के उद्गार केवल औपचारिक वक्तव्य नहीं हैं,बल्कि वे उस दिशा का संकेत हैं,जिसमें भारत आगे बढ़ रहा है।

यह दिशा है-सशक्त नागरिक,सुलभ तकनीक और समावेशी विकास की। यदि इन पहलों को प्रभावी रूप से लागू किया गया,तो वह दिन दूर नहीं जब भारत न केवल डिजिटल दुनिया का उपभोक्ता होगा,बल्कि उसका नेतृत्व भी करेगा।

(स्वतंत्र पत्रकार व स्तम्भकार)

संपादकीय

जानलेवा पेयजल

यह शर्मनाक है कि जिस शहर को पिछले सात सालों से देश के सबसे स्वच्छ शहर का तमगा दिया जा रहा था, वहां पेयजल में सीवर का पानी मिल जाने से एक दर्जन से अधिक लोगों की मौत हो जाए। बताया जाता है कि इंदौर के भागीरथपुरा क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति करने वाली पाइपलाइन में सीवर के पानी के रिसाव से हजारों लोगों का जीवन खतरे में पड़ गया। घटनाक्रम के बाद सौ के करीब लोग अस्पताल में भर्ती हुए और सैकड़ों लोग दूषित पेयजल के उपयोग से बीमार हैं। वैसे भी किसी सभ्य समाज में व्यक्ति आत्मग्लानि से यह सुनकर बीमार हो जाएगा कि जिस पानी को उसने उपयोग किया, उसमें सीवर का गंदा पानी मिला था। निस्संदेह, यह गंभीर प्रशासनिक लापरवाही ही है, जिसके चलते हजारों लोगों का जीवन संकट में पड़ गया। नगर निगम ही नहीं, इस महकमे से जुड़े सभी अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। दरअसल, इंदौर लगातार भारत के सबसे स्वच्छ शहर का दर्जा हासिल करता रहा है तो इस दुर्घटना ने पूरे प्रकरण को राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय मीडिया की सुर्खी बना दिया। इस दुखद स्थिति के चलते मानवाधिकार आयोग और मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय को हस्तक्षेप करने के लिये बाध्य होना पड़ा। विडंबना यह है कि नागरिकों ने पहले ही दूषित पेयजल आपूर्ति की शिकायत की थी, लेकिन नागरिकों के स्वास्थ्य की रक्षा के लिये जवाबदेह अधिकारी तब हरकत में आए, जब कई लोगों की जान जा चुकी थी। यहां तक कि इस निर्वाचन क्षेत्र के प्रतिनिधि और राज्य के नगरीय विकास मंत्री, जिनके अधीन पेयजल आपूर्ति का महकमा आता है, उनकी संवेदनहीन बयानबाजी ने लोगों का आक्रोश बढ़ाया है। हालांकि, तल्ख आलोचना के बाद मंत्री ने खेद जताया है। यहां तक कि इस घटना के बाद मध्यप्रदेश की मुख्यमंत्री रह चुकी वरिष्ठ भाजपा नेत्री उमा भारती ने भी दोषियों से प्रायश्चित करने व दंड देने की मांग की है। लेकिन सवाल यह है कि क्या कुछ छोटे स्तर के अधिकारियों के निलंबन और स्थानांतरण से इन मौतों के लिये जिम्मेदार लोगों का प्रायश्चित हो पाएगा? लेकिन विडंबना है कि यह समस्या केवल इंदौर तक ही सीमित नहीं है, बल्कि देश के छोटे-बड़े शहरों में गाहे-बगाहे दूषित जल आपूर्ति के मामले प्रकाश में आते रहे हैं। दुर्घटना के बाद जांच समितियों का गठन, मुआवजे की घोषणा और कनिष्ठ अधिकारियों का निलंबन मामले में लीपापोती का उपक्रम बन चुका है। नववर्ष की पूर्व संध्या पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'सुधार, क्रियान्वयन और रूपांतरण' के मंत्र पर जोर दिया था। तब उन्होंने प्रक्रियाओं को सरल बनाने और जीवनयापन को सुगम बनाने के लिये प्रणालियों को अधिक अनुकूल बनाने की आवश्यकता पर भी बल दिया था। सवाल है कि जब नागरिकों को स्वच्छ हवा और जल जैसी बुनियादी आवश्यकताओं से वंचित रखा जाएगा तो जीवनयापन को सुगम कैसे बनाया जा सकता है? मध्य प्रदेश की दोहरे इंजन वाली सरकार इस मोर्चे पर पूरी तरह से विफल रही है। कोई भी बड़ी योजना व नारा तब तक अर्थहीन है जब तक उन्हें जमीनी स्तर पर ठोस कार्रवाई का समर्थन प्राप्त न हो। सर्वोच्च न्यायालय ने बार-बार इस बात पर जोर दिया है कि स्वच्छ पर्यावरण का अधिकार अनुच्छेद-21 के तरह जीवन के मौलिक अधिकार का हिस्सा है। इंदौर की त्रासदी दर्शाती है कि शहरी बुनियादी ढांचे के खराब रखरखाव के कारण इस अधिकार का उल्लंघन कितनी आसानी से हो सकता है। निष्कर्ष यह भी है कि स्वच्छता रैंकिंग, स्मार्ट सिटी के दावे और शासन संबंधी नारे व्यवस्थागत नाकामी को छिपा नहीं सकते।

गैस की किल्लत या सिस्टम की सुस्ती? वैश्विक संकट में पिसती जनता

(लेखक - दिलीप कुमार पाठक)

दुनिया के मानचित्र पर जब भी किसी देश की सीमाएं सुलगती हैं, तो उसकी लपटें हजारों मील दूर बैठे एक भारतीय परिवार की रसोई तक पहुँचने में देर नहीं लगातीं। आज की वैश्वीकृत दुनिया में सरहदों पर गिरा हर बम हमारी जेब में एक अदृश्य छेद कर देता है। एक अजीब सा विरोधाभास देखने को मिल रहा है। एक तरफ सरकारी प्रेस रिलीज और दावे सब कुछ सामान्य होने की बात कह रहे हैं, तो दूसरी तरफ हकीकत यह है कि मोहल्लों की दुकानों और गैस एजेंसियों के बाहर स्टॉक खत्म होने की तख्तियां लटक रही हैं। सत्ता के गलियारों से जब यह बयान आता है कि देश में गैस की कोई कमी नहीं है, तो यह सुनकर उस कतार में खड़े आम आदमी को सुकून कम और खीझ ज्यादा होती है, जो पिछले कई दिनों से अपने गैस कनेक्शन के रिफिल होने का इंतजार कर रहा है। सवाल यह है कि अगर गैस की कमी नहीं है, तो फिर वह आम आदमी के चूल्हे तक पहुँच क्यों नहीं रही?

राजनीति और कूटनीति की वह बारीक परत है जिसे समझना जरूरी है। सरकार का यह तर्क तकनीकी रूप से सही हो सकता है कि हमारे पास पर्याप्त भंडारण है, लेकिन उपलब्धता और पहुँच के बीच की कड़ी बुरी तरह चरमरा गई है। वैश्विक स्तर पर बढ़ते तनाव ने रसद और परिवहन की कमर तोड़ दी है। जो जहाज पंद्रह दिन में भारत पहुँचते थे, वे अब रास्ता बदलकर आ रहे हैं, जिससे न केवल समय बढ़ गया है बल्कि माल ढुलाई का खर्च भी चालीस प्रतिशत तक ऊपर चला गया है। लेकिन क्या सारा दोष केवल भूगोल और युद्ध पर मढ़ा जा सकता है? हकीकत यह है कि जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतें अस्थिर होती हैं, तो सरकारी तेल कंपनियां अपने घाटे को कम करने के लिए आपूर्ति की गति धीमी कर देती हैं। यह एक अलिखित राशनिंग है, जहाँ ऊपर से तो कहा जाता है कि सप्लाई जारी है, लेकिन नीचे वितरकों तक कोटा कम पहुँच रहा है। सरकारी दावों और जमीनी किल्लत के बीच का यही वह धुंधला क्षेत्र है जहाँ आम आदमी पिस रहा है। यहाँ सबसे बड़ा सवाल सिस्टम की पारदर्शिता पर खड़ा होता है। यदि सरकार के पास पर्याप्त स्टॉक मौजूद है, तो वितरण के स्तर पर यह अचानक गायब कैसे हो जाता है? क्या यह आपूर्ति की बाधा है या फिर संकट की आड़ में छिपी हुई कालाबाजारी का पुराना खेल? जब आपूर्ति श्रृंखला में अनिश्चितता आती है, तो बिचौलियों और मुनाफाखोरों की चांदी हो जाती है, जो कृत्रिम कमी पैदा करके आम आदमी की लाचारी का फायदा उठाते हैं। सरकार को केवल पोर्टल्स पर डेटा अपडेट करने के बजाय उन जमीनी लीकेज को बंद करना होगा, जहाँ से जनता का राशन और हक रिसकर अवैध गोदामों तक पहुँच जाता है। किसी भी आपदा की पहली मार गरीब और मध्यम वर्ग पर ही क्यों पड़ती है, जबकि बड़े कारोबारी इसी संकट को अवसर में तब्दील कर लेते हैं? सरकारी तंत्र की सुस्ती और निगरानी की कमी ने ही आज एक साधारण गैस सिलेंडर को दुर्लभ वस्तु बना दिया है।

सरकार आज बड़े आर्थिक सुधारों के जरिए अर्थव्यवस्था को आधुनिक बनाने की बात कर रही है। लेकिन क्या कोई देश तब तक विकसित कहला सकता है जब उसकी आधी आबादी को आज भी इस बात की चिंता सताए कि कल सुबह चाय बनाने के लिए सिलेंडर में गैस बचेगी या नहीं? यह केवल आंकड़ों का खेल नहीं है; यह उस माँ की जद्दोजहद है जिसे गैस के दाम बढ़ने पर बच्चों के स्कूल की फीस या फल-सब्जियों के बीच चुनाव करना पड़ता है। सरकार अक्सर वैश्विक हालात हाथ में न होने का तर्क देकर पल्ला झाड़ लेती है, लेकिन आपदा प्रबंधन और भविष्य की योजनाएं केवल कागजों पर क्यों मजबूत दिखती हैं? अगर हम जानते थे कि वैश्विक तनाव बढ़ रहा है, तो देश के भीतर आपूर्ति

तंत्र को इतना लचीला क्यों नहीं बनाया गया कि वह इन झटकों को सह सके? आज देश को स्वस्थ और आत्मनिर्भर बनाने के कई लक्ष्यों की चर्चा हो रही है, लेकिन पोषण और स्वास्थ्य का सीधा संबंध रसोई से है। अगर ईंधन महंगा होगा या मिलेगा ही नहीं, तो बाकी सारी बातें बेमानी हो जाएंगी। मध्यम वर्ग आज खुद को एक ऐसे चक्रवर्ष में फंसा हुआ महसूस कर रहा है जहाँ एक तरफ उसे सुनहरे भविष्य के सपने दिखाए जा रहे हैं, और दूसरी तरफ उसे बुनियादी सुविधाओं के लिए भी जद्दोजहद करनी पड़ रही है। निष्कर्षतः, सरकार को केवल आंकड़ों की बाजीगरी से काम नहीं चलाना चाहिए। अगर स्टॉक है, तो वह कालाबाजारी में जाने के बजाय सीधे उपभोक्ता तक क्यों नहीं पहुँच रहा? सप्लाई चेन की इस लीकेज को ठीक करना सरकार की जिम्मेदारी है, न कि वैश्विक तनाव का बहाना बनाकर पल्ला झाड़ लेना। लोकतंत्र में जनता को संसाधनों पर पूरा अधिकार है। जब तक हर घर का चूल्हा बिना किसी डर और देरी के नहीं जलता, तब तक विकास का हर दावा अधूरा है।

(लेखक पत्रकार हैं)

अंतर्दृष्टि से अनुबंधित है ज्ञान

बुद्धि अच्छी चीज है, पर कोरी बौद्धिकता ही सब कुछ नहीं है। इससे व्यक्ति के जीवन में नीरसता और शुष्कता आती है। ज्ञान अंतर्दृष्टि से अनुबंधित है, इसलिए यह अपने साथ सरसता लाता है। ज्ञानी व्यक्तियों के लिए पुस्तकीय अध्ययन की विशेष अपेक्षा नहीं रहती। भगवान महावीर ने कब पढ़ी थीं पुस्तकेंट आचार्य भिक्षु, संत तुलसी, संत कबीर अदि जितने ज्ञानवान पुरुष हुए हैं, उनमें कोई भी पंडित नहीं थे। अंतर्दर्शन उनकी ज्ञानमयी चेतना की स्फुरणा करता था। इसके आधार पर ही उन्होंने गंभीर तत्वों का विश्लेषण किया। वे यदि पुस्तकों के आधार पर प्रतिबोध देते तो संसार को कोई नया दृष्टिकोण नहीं दे सकते थे।

एक बात और ज्ञातव्य है। विद्वान बहुत पढ़े-लिखे होते हैं, पर वे आज तक भी किसी ज्ञानी को पराजित नहीं कर सके। इंद्रभूति महापंडित थे। उनका पांडित्य विश्रुत था। पर वे भगवान महावीर की ज्ञान चेतना का अनुभव करते ही पराभूत हो गए। इतिहास ऐसे उदाहरणों से भरा पड़ा है। ज्ञान और बुद्धि की परस्पर कोई तुलना नहीं है।

बुद्धि कुंड का पानी है और ज्ञान कुएं का पानी है। कुंड का पानी जितना है उतना ही रहता है। वर्षा होती है तो पानी थोड़ा बढ़ जाता है। इसी प्रकार अनुकूल सामग्री और पुरुषार्थ का योग होता है तो बुद्धि बढ़ जाती है। अन्यथा उसके विकास की कोई संभावना नहीं रहती। कुएं से जितना पानी निकाला जाता है, नीचे से और आता रहता है। वह कभी चुकता नहीं है, उसमें नए अनुभव जुड़ते जाते हैं।

बुद्धि आवश्यक है किंतु उसके आधार पर कभी आत्म-दर्शन नहीं हो पाता। आत्म-दर्शन का पथ है ज्ञान। ज्ञान तब तक उपलब्ध नहीं होता जब तक ध्यान का अभ्यास न हो। जिस व्यक्ति को अंतर्दृष्टि का उद्घाटन करना है, ज्ञानी बनना है, उसे प्रेक्षाध्यान साधना का आलंबन स्वीकार करना होगा। ऐसा करके वह ज्ञान की श्रेष्ठता को प्रमाणित कर सकता है।

विचार मंथन

बंगाल में अघोषित राष्ट्रपति शासन? चुनाव आयोग और भाजपा जिम्मेदार ?

(लेखक-सनत जैन)

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार तथा भाजपा के ऊपर तीखा हमला किया है। ममता बनर्जी ने कहा,अघोषित रूप से पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाकर रखा गया है। एसआईआर के माध्यम से 63 लाख लाख मतदाताओं को मतदान से वंचित किया जा रहा है। मतदाता सूची अभी तक प्रकाशित नहीं हुई है। जिन मतदाताओं के नाम मतदाता सूची मे नहीं थे। उन मामलों की सुनवाई अभी चल रही है। सुप्रीम कोर्ट ने जो निर्देश चुनाव आयोग को दिए थे। चुनाव आयोग ने उनका पालन नहीं किया। इसके बाद भी पश्चिम बंगाल में चुनाव कराए जा रहे हैं।यह स्थिति आपातकाल की तरह है। चुनाव आयोग राज्य सरकार से विचार विमर्श किए बिना एक तरफा निर्णय ले रहा है। ममता बनर्जी ने तीखा हमला करते हुए कहा, अब जो भी अच्छा बुरा पश्चिम बंगाल में होगा। उसके लिए चुनाव आयोग और केंद्र सरकार ही जिम्मेदार होगी। जिस तरह से अधिकारियों को हटाया गया है। उसके कारण पश्चिम बंगाल की सारी प्रशासनिक व्यवस्था चरमरा गई है ।चुनाव अधिसूचना जारी होने के बाद सारे निर्णय चुनाव आयोग द्वारा लिए जा रहे हैं। ऐसी स्थिति में कानून व्यवस्था से लेकर हर स्थिति के लिए चुनाव आयोग और केंद्र सरकार ही जिम्मेदार होगी। ममता बनर्जी जिस तरह से आक्रामक हुई हैं। उससे लगता है,उन्होंने दिल्ली में जो कुछ केजरीवाल सरकार के साथ हुआ था। उसको ध्यान में रखकर सबक लिया है। केजरीवाल सरकार भी कोई निर्णय नहीं ले पा रही थी।उप राज्यपाल और चुनाव आयोग के माध्यम से सारे निर्णय लिए जा रहे थे। सारा ठीकरा केजरीवाल के सिर पर फोड़ा गया। जिस तरह से महाभारत में अभिमन्यु को चक्रव्यूह में घेर कर मारा गया था। इसी तरह से केजरीवाल को चक्रव्यूह में फंसाकर, वोट काटकर चुनाव आयोग द्वारा पक्षपात कार्यवाही करके सुंयोजित तरीके से आम आदमी पार्टी को हराया गया था। वर्तमान स्थिति को देखते हुए ममता बनर्जी अपनी बलि नहीं देना चाहती हैं। ऐसा लगता है ममता दीदी काली माई के रोद्र रूप को धारण करके, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह और ज्ञानेश कुमार से लड़ने के लिए चुनाव मैदान में अस्त्र-शास्त्र के साथ आ गई हैं। ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सबसे बड़ा घुसपैठिया कह दिया है। इससे उनके आक्रामक तेवर का पता लगता है। ममता बनर्जी पिछले 6 महीनो से एसआईआर की लड़ाई जमीन से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक लड़ रही है। सुप्रीम कोर्ट से भी उन्हें कोई न्याय नहीं मिला। जिन मतदाताओं के नाम कटे हैं, उनकी सुनवाई पूरी नहीं हुई है। मतदाता सूची फाइनल हुए बिना चुनाव की अधिसूचना जारी कर दी गई है। इसी तरह से चुनाव भी करा दिए जाएंगे। बिहार में भी ऐसा ही किया गया था। मनमाने तरीके से पश्चिम बंगाल के अधिकारियों को भाजपा के इशारे पर बदला जा रहा है। चुनाव कार्य में लगे अधिकारियों और कर्मचारियों को चुनाव आयोग और गृह मंत्रालय द्वारा धमकाया जा रहा है। इस तरह का आरोप लगाते हुए ममता बनर्जी सड़क पर आकर लड़ाई लड़कर चुनाव मैदान में उतर रही हैं।जनता हमेशा आक्रामक तेवर के नेताओं को स्वीकार करती है। यह बात ममता बनर्जी अच्छी तरह से जानती हैं। ममता बनर्जी ने जिस तरह से भाजपा, चुनाव आयोग और केंद्र सरकार के खिलाफ मोर्चा खोला है। उसके बाद केंद्र सरकार, भाजपा और चुनाव आयोग ज्ञानेश कुमार के लिए ममता का मुकाबला करना आसान नहीं होगा। चुनाव में धांधली और मनमानी कर पाना आसान नहीं होगा।इस चुनाव में सत्ता तक पहुंचाने के लिए ममता बनर्जी कोई भी कीमत चुकाने के लिए तैयार दिख रही हैं। केंद्रीय चुनाव आयोग और केंद्र सरकार के लिए चक्रव्यूह ममता बनर्जी ने तैयार किया है। उसके बाद केंद्र सरकार, न्यायपालिका और चुनाव आयोग चक्रब्यूह में रहते हुए साख को बचाए रखने की सबसे बड़ी जिम्मेदारी बन गई है। चुनाव मे क्या होगा, इसको लेकर तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं।बांग्लादेश में चुनाव आयोग ने शेख हसीना के पक्ष में विपक्ष को दबाने और शेख हसीना को जिताने का काम किया था। उसके परिणाम कुछ समय बाद ही बांग्लादेश में देखने को मिले। शेख हसीना को भारत की शरण लेनी पड़ी। बांग्लादेश का असर पश्चिम बंगाल में चुनाव में देखने को मिल रहा है। इस स्थिति में संवेदनशीलता के साथ निष्पक्षता और पारदर्शी तरीके से चुनाव कराना आयोग के लिए बड़ी चुनौती है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 1,372, निफ्टी 399 अंक उछला।

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन ये तेजी मध्यपर्व में संघर्ष सामाप्त होने की संभावओं के कारण आई है। इससे घरेलू बाजार में भी खरीददारी हावी रही। ।

ऑटो और बैंक शेयरों में भी उछाल आया।, जिससे दोनों प्रमुख बेंचमार्क अपने दिन के उच्चतम स्तर के करीब बंद हुए। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1,372.06 अंकों की बढ़त के साथ 74,068.45 पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 399.75 अंक उछलकर 22,912.40 पर था। आज सेंसेक्स एक समय 74,489.39 पर दिन के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया जबकि निफ्टी एक समय 23,057.30 तक पहुंच गया। व्यापक बाजारों ने बेंचमार्क सूचकांकों से बेहतर प्रदर्शन किया। निफ्टी मिडकैप में 2.60 फीसदी की तेजी रही जबकि निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स में 2.63 फीसदी की बढ़त रही।

ऑटो सेक्टर में 2.43 प्रतिशत की बढ़त दर्ज रही जबकि निफ्टी मीडिया में 3.45 प्रतिशत की तेजी आई। निफ्टी बैंक सेक्टर 2.27 फीसदी की तेजी रही।

निफ्टी आईटी में 1.72 फीसदी जबकि निफ्टी एफएमसीजी में 1.25 फीसदी की तेजी आई।आज इंडिगो और एलएंडटी के शेयरों में सबसे ज्यादा 5.49 फीसदी और 5.17 फीसदीकी बढ़त दर्ज की गई। इसके बाद बजाज फाइनेंस, इटरनल, एशियन पेंट्स और अपोलो हॉस्पिटल के शेयरों में भी अच्छी तेजी रही। कोल इंडिया, पावरग्रिड, सन फार्मा और सिप्ला के शेयरों में गिरावट आई।बाजार में आई तेजी से बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों के कुल बाजार पूंजीकरण में 7.74 लाख करोड़ रुपए की बढ़त आई। इससे गत दिवस के 15.11 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 422.85 लाख करोड़ रुपए हो गया। इस प्रकार एक ही दिन में निवेशकों को करीब 8 लाख करोड़ रुपए का लाभ हुआ। इससे पहले आज सुबह बाजार ने मजबूती के साथ कारोबार की शुरुआत की। एशियाई बाजारों में सकारात्मक रुख और अमेरिका तथा ईरान के बीच तनाव कम होने की उम्मीदों ने निवेशकों के मनोबल को बढ़ाया।

सेंसेक्स 500 से अधिक अंकों की बढ़त के साथ 74,212.47 पर खुला।

सुबह शुरुआत के बाद सेंसेक्स 1067.47 अंकों की बढ़त के साथ लगभग 73,763.86 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी-50 भी मजबूत शुरुआत के साथ 22,878 पर खुला।

। बाजार में इस तेजी के पीछे प्रमुख कारण अमेरिका और ईरान

के बीच संभावित बातचीत की खबर है।

अमेरिका के राष्ट्रपति ने सोमवार को कहा था

कि दोनों देशों के बीच सकारात्मक और सार्थक चर्चा हुई है, जिससे लंबे समय से चले आ रहे तनाव का समाधान निकल सकता है।

विशेषज्ञों के अनुसार वैश्विक स्तर पर तनाव कम होने की उम्मीद से निवेशकों में जोखिम लेने की प्रवृत्ति बढ़ती है

, जिसका असर बाजार में तेजी के रूप में दिखता है।

भारतीय रेलवे ने किए बड़े बदलाव, टिकट रिफंड और अपग्रेड नियम हुए सख्त

8 घंटे पहले टिकट रद्द करने पर यात्रियों को कोई रिफंड नहीं मिलेगा

नई दिल्ली ।

भारतीय रेलवे ने यात्रियों के अनुभव को बेहतर बनाने और टिकट नीतियों में सुधार के लिए नए नियम लागू किए हैं। अब टिकट कैंसिलेशन पर सख्ती बढ़ा दी गई है। ये नए नियम 1 अप्रैल से 15 अप्रैल के बीच लागू होंगे। रेलवे ने कहा है कि यात्रियों को इन बदलावों को ध्यान में रखते हुए अपनी योजना बनानी चाहिए।नए नियमों के अनुसार, अगर कोई यात्री यात्रा से 8 घंटे पहले टिकट रद्द करता है तो उसे कोई रिफंड नहीं मिलेगा। वहीं 24 से 8 घंटे पहले रद्द करने पर केवल 50 फीसदी रिफंड मिलेगा। तीन दिन (72 घंटे) पहले रद्द करने पर भी पूरे पैसे नहीं मिलेंगे, बल्कि 25 फीसदी कटौती के साथ सिर्फ 75 फीसदी राशि लौटाई जाएगी। यात्रियों के लिए राहत की बात यह है कि अब ऑफलाइन टिकट रद्द कराने के लिए उसी स्टेशन पर जाने की जरूरत नहीं है जहां टिकट खरीदी गई थी। देश के किसी भी रेलवे स्टेशन पर जाकर रिफंड लिया जा सकेगा। इससे यात्रियों की भागदौड़ कम होगी और सुविधा बढ़ेगी। रेलवे ने यात्रा को और सुविधाजनक बनाने के लिए भी कई कदम उठाए हैं। अब यात्री ट्रेन खुलने के आधे घंटे पहले तक कोच या क्लास बदल सकते हैं, यानी स्लीपर से एसी में अपग्रेड संभव होगा। इसके अलावा, अगर कोई यात्री तय स्टेशन के बजाय आगे के किसी स्टेशन से ट्रेन पकड़ना चाहता है, तो मोबाइल ऐप के जरिए बोर्डिंग पॉइंट बदलना अब आसान होगा। इन बदलावों का मकसद यात्रियों को अधिक लचीलापन देना और सीट आवंटन प्रक्रिया को पारदर्शी बनाना है।

एचडीएफसी बैंक में चेयरमैन के इस्तीफे के बाद बाहरी जांच शुरू

नई दिल्ली ।

देश के दूसरे सबसे बड़े निजी बैंक एचडीएफसी में अचानक बदलाव ने कॉरपोरेट गवर्नेंस को लेकर बहस छेड़ दी है। बैंक के पार्ट-टाइम चेयरमैन अतनु चक्रवर्ती ने 18 मार्च 2026 से अपना पद छोड़ दिया। उन्होंने इस्तीफे में बैंक के भीतर कुछ प्रथाओं और गतिविधियों का हवाला दिया, जो उनके व्यक्तिगत मूल्यों और नैतिकता के अनुरूप नहीं थीं। चक्रवर्ती ने स्पष्ट किया कि उनके इस्तीफे के पीछे कोई अन्य महत्वपूर्ण वजह नहीं है। बैंक ने उनके इस्तीफे में उठाए गए मुद्दों की जांच के लिए बाहरी लॉ फर्म्स नियुक्त की हैं। बैंक प्रवक्ता के अनुसार यह कदम पूरी तरह प्रोएक्टिव है और इसका उद्देश्य स्वतंत्र, निष्पक्ष और तथ्यपरक समीक्षा करना है। बैंक दशकों से अपनाए गए उच्चतम गवर्नेंस मानकों के अनुरूप खुद को परखता रहा है और यह पहल उसी दिशा में उठाया गया कदम है।

राजस्थान में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में उतार-चढ़ाव जारी

जयपुर ।

राजस्थान की राजधानी जयपुर में मंगलवार को पेट्रोल 104.72 रुपये और डीजल 90.21 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर हैं। पिछले 10 दिनों में पेट्रोल का दायरा 104.72 से 105.21 रुपये और डीजल का 90.21 से 90.65 रुपये के बीच रहा। राजधानी में स्थिरता के बावजूद राज्य के अन्य जिलों में कीमतों में हल्की बढ़त और गिरावट देखी गई। अजमेर में पेट्रोल 0.17 रुपये बढ़कर 104.53 रुपये और अलवर में 0.36 रुपये घटकर 104.83 रुपये प्रति लीटर रही। बांसवाड़ा, बाड़मेर, बीकानेर और श्रीगंगानगर में दाम लगभग स्थिर 106.20 से 106.21 रुपये के बीच हैं। नागौर में सबसे अधिक बढ़ोतरी दर्ज की गई, पेट्रोल 1.01 रुपये बढ़कर 106.29 रुपये प्रति लीटर हुआ। दौसा और कोटा में क्रमशः 0.70 और 0.67 रुपये की बढ़त दर्ज की गई। वहीं, डीग में 0.69 रुपये और जोधपुर में 0.34 रुपये की गिरावट हुई। झुंझुनूं, चूरू और सिरोही में भी कीमतें कम हुईं। डीजल की कीमत जयपुर में स्थिर बनी रही, लेकिन अन्य जिलों में बदलाव नजर आया। अजमेर में 0.16 रुपये की बढ़त हुई और अलवर में 0.32 रुपये की गिरावट दर्ज की गई। नागौर में 0.93 रुपये की सबसे बड़ी बढ़ोतरी हुई। दौसा और कोटा में क्रमशः 0.63 और 0.61 रुपये बढ़े, जबकि डीग और जोधपुर में दाम घटकर क्रमशः 89.75 और 90.00 रुपये पर आ गए। विशेषज्ञों का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल की कीमतें, डॉलर-रुपये का विनिमय दर और टैक्स स्ट्रक्चर ईंधन की कीमतों को प्रभावित कर रहे हैं।

उपभोक्ताओं को रोजाना रेट्स चेक करने की सलाह दी जा रही है, क्योंकि राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में मामूली बदलाव हमेशा संभव हैं।

टाटा पावर ने जीयूवीएनएल के साथ अनुपूरक बिजली खरीद समझौते किए

– संयंत्र संचालन अस्थायी रूप से किया गया निलंबित

नई दिल्ली।

टाटा पावर की इकाई कोस्टल गुजरात पावर लिमिटेड (सीजीपीएल) ने गुजरात ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड (जीयूवीएनएल) के साथ मूंदड़ा अल्ट्रा मेगा पावर प्रोजेक्ट (यूएमपीपी) के लिए अनुपूरक बिजली खरीद समझौता (पीपीए) पर हस्ताक्षर किए हैं। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि यह कदम मूंदड़ा स्थित संयंत्र की इकाइयों के अस्थायी निलंबन के कारण हुआ नुकसान कम करने के लिए उठाया गया है। 2 जुलाई 2025 को संयंत्र की सभी पांच इकाइयों (प्रत्येक 800 मेगावाट) का संचालन अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया था। बंद रहने के कारण कंपनी को आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ रहा था। कंपनी ने पहले ही शेयर बाजार को सूचित किया था कि गुजरात मंत्रिमंडल ने इस अनुपूरक पीपीए को मंजूरी दे दी है और इसके लिए सरकारी आदेश भी जारी किया जा चुका है। नियामकीय मंजूरी मिलने के बाद ही समझौते पर हस्ताक्षर किए गए।

इस समझौते से सीजीपीएल को संयंत्र बंद रहने के दौरान भी बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। टाटा पावर की योजना इसी तरह के अनुपूरक समझौते अन्य राज्यों, जैसे महाराष्ट्र, राजस्थान, पंजाब और हरियाणा के साथ करने की भी है। मूंदड़ा यूएमपीपी कच्छ, गुजरात में स्थित एक 4,000 मेगावाट का

कोयला आधारित ताप विद्युत संयंत्र है। इसमें पांच इकाइयां हैं, प्रत्येक की क्षमता 800 मेगावाट। यह संयंत्र गुजरात, महाराष्ट्र, पंजाब, हरियाणा और राजस्थान को बिजली आपूर्ति करता है। कंपनी का कहना है कि अनुपूरक पीपीए से संयंत्र के अस्थायी बंद होने से होने वाले नुकसान को कम करने में मदद मिलेगी और यह बिजली आपूर्ति की स्थिरता सुनिश्चित करेगा।

हिमाचल प्रदेश की वित्तीय स्थिति चुनौतीपूर्ण, कर्ज और ब्याज बोझ बढ़ा

वित्त वर्ष 2025-26 में अब तक 41,173 करोड़ रुपये कर्ज लिया

शिमला ।

हिमाचल प्रदेश सरकार ने वित्त वर्ष 2025-26 में अब तक 41,173 करोड़ रुपये कर्ज लिया और 32,004 करोड़ रुपये चुकाए। इस तरह कुल ऋण देनदारी 2025-26 में 1,03,994 करोड़ रुपये रही, जो 2026-27 में बढ़कर 1,12,319 करोड़ रुपये होने का अनुमान है। पिछले तीन वर्षों में कर्ज लगातार बढ़ता रहा- 2022-23 में 76,681 करोड़, 2023-24 में 85,295 करोड़ और 2024-25 में 93,625 करोड़। ब्याज भुगतान 2024-25 में 6,261 करोड़ था, जो 2025-26 में 6,693 करोड़ और 2026-27 में 7,271 करोड़ तक बढ़ने का अनुमान है। वेतन, पेंशन, कर्ज और ब्याज जैसी प्रतिबद्धताओं पर कुल बजट का लगभग 80 फीसदी खर्च होता है। सब्सिडी घटाकर 2026-27 में 859 करोड़ रुपये, 2027-28 में 911 करोड़ और 2028-29 में 965 करोड़ रुपये करने का अनुमान है। इससे पूंजीगत कार्यों और अन्य विकास परियोजनाओं के लिए केवल 20 फीसदी बजट बचता है।

मिडिल ईस्ट तनाव के बीच सोना-चांदी के भाव में गिरावट

नई दिल्ली ।

मिडिल ईस्ट में बढ़ते कूटनीतिक तनाव और ईरान-अमेरिका के बीच जुबानी टकराव ने सोना और चांदी के निवेशकों को हैरान कर दिया है। मंगलवार सुबह मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने और चांदी की कीमतों में भारी गिरावट देखने को मिली। वैश्विक स्तर पर हॉर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने की आशंकाओं और ईरान के अमेरिकी ठिकानों पर हमले तेज करने की खबरों ने बाजार को हिलाकर रख दिया। अप्रैल वायदा सोना 1,36,945 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया, जो पिछले बंद भाव से 2,315 रुपये कम है। वहीं चांदी का मई अनुबंध 2,15,765 रुपये प्रति किलोग्राम पर फिसल गया, यानी 9,569 रुपये की गिरावट। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 14,050, 22 कैरेट 12,880 और 18 कैरेट 10,541 रुपए प्रति ग्राम पर कारोबार कर रहा है। सोने की अंतरराष्ट्रीय कीमतें लगभग 4,300 डॉलर प्रति औंस पर संघर्ष कर रही हैं। इसका मुख्य कारण ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ती अनिश्चितता और तेल की बढ़ती कीमतें हैं। सोमवार को जब ट्रंप ने बातचीत का संकेत दिया था, तब कीमतें थोड़ी उछली

थीं, लेकिन अब अनिश्चितता और भू-राजनीतिक दबाव ने फिर से कीमतों को नीचे धकेल दिया है। मार्च में सोना अपने शिखर से लगभग 25 प्रतिशत नीचे आ चुका है। ऊर्जा की बढ़ती कीमतें और संभावित ब्याज दरों में वृद्धि निवेशकों के लिए सतर्क रहने का संकेत देती हैं। विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि इस समय बाजार में छोटे उतार-चढ़ाव पर जल्दबाजी में निवेश निर्णय न लें।

एसीएमई सोलर ने राजस्थान में 155 मेगावाट बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली शुरू की

नई दिल्ली ।

एसीएमई सोलर होल्डिंग्स ने अपनी अनुषंगी कंपनियों के माध्यम से राजस्थान में 155 मेगावाट /470.25 मेगावाट-घंटा बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली (बीईएसएस) लॉन्च की है। अब कंपनी की कुल चालू बीईएसएस क्षमता 297.67 मेगावाट/951.74 मेगावाट-घंटा हो गई है। ये बैटरियां मौजूदा अंतर-राज्यीय प्रसारण प्रणाली से जुड़ी हैं और मुक्त बाजार के आधार पर संचालित होंगी। कम मांग के समय चार्ज और उच्च मांग में ऊर्जा निर्वहन से अतिरिक्त राजस्व होगा। विशेष इकाई के तहत कुल बीईएसएस क्षमता 835 मेगावाट/3,114.64 मेगावाट-घंटा है। एसीएमई सोलर का कुल नवीकरणीय ऊर्जा पोर्टफोलियो 8,071 मेगावाट है, जिसमें सौर, पवन, भंडारण और मिश्रित समाधान शामिल हैं। यह कदम न केवल ऊर्जा संतुलन बढ़ाएगा बल्कि ग्रिड की स्थिरता में भी योगदान देगा।

जीएसपी क्रॉप साइंस का शेयर चार प्रतिशत की बढ़त के साथ सूचीबद्ध

नई दिल्ली ।

कृषि रसायन कंपनी जीएसपी क्रॉप साइंस लिमिटेड का शेयर मंगलवार को अपने निर्गम मूल्य 320 रुपए के मुकाबले 3.84 रुपए की बढ़त के साथ बीएसई पर 332.30 रुपए पर सूचीबद्ध हुआ। लिस्टिंग के बाद शेयर में और तेजी आई और यह 362.30 रुपए तक पहुंच गया, जो लगभग 13.21 फीसदी की बढ़त दर्शाता है। कंपनी का 400 करोड़ रुपये का आईपीओ 304-320 रुपये प्रति शेयर के मूल्य दायरे में आया था। अंतिम बोली के दिन आईपीओ को 1.61 गुना अभिदान मिला, जिससे इसकी लोकप्रियता का अंदाजा लगाया जा सकता है। कंपनी ने आईपीओ से जुटाई गई 170 करोड़ रुपए की राशि का एक हिस्सा ऋण भुगतान के लिए और बाकी सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए रखने की योजना बनाई है। जीएसपी क्रॉप साइंस 39 वर्षों से अधिक समय से भारत में कीटनाशक, खरपतवारनाशक, फफूंदनाशक और पादप वृद्धि नियामकों के विकास एवं विनिर्माण में सक्रिय है।

यह एक अनुसंधान-केंद्रित कृषि रसायन कंपनी के रूप में जानी जाती है।

बासमती चावल निर्यातक कंपनी एक्सपोर्ट्स का आईपीओ खुला

नई दिल्ली।

हरियाणा स्थित बासमती चावल निर्यातक कंपनी अमीर चंद जगदीश कुमार ;एक्सपोर्ट्सद्ध लिमिटेड का आईपीओ मंगलवार को खुल गया। यह पेशकश पूरी तरह से नए इक्विटी शेयरों की होगी और इसमें कोई ऑफर फॉर सेल ;ओएफएसद्ध शामिल नहीं है। कंपनी ने अपने शेयरों का प्राइस बैंड 201 से 212 रुपए प्रति शेयर तय किया है। अपर प्राइस बैंड पर कुल इश्यू साइज 400 करोड़ रुपए का है। नॉन.लिस्टेड शेयर मंगलवार को ग्रे मार्केट में 219 रुपए पर कारोबार कर रहे थेए जो आईपीओ के अपर प्राइस बैंड 212 रुपए के मुकाबले 3 फीसदी प्रीमियम दर्शाता है। इसका संकेत है कि निवेशकों में आईपीओ को लेकर सकारात्मक भावना है। ब्रोकरेज हाउस एंजल वन ने इस आईपीओ को सब्सक्राइब फॉर लॉन्ग टर्म रेटिंग दी है। ब्रोकरेज के अनुसार अपर प्राइस बैंड पर कंपनी का इश्यू के बाद प्राइस अर्निंग रेश्यो 22ण्6 गुना है। यह वैल्यूएशन बासमती चावल सेक्टर की अन्य लिस्टेड कंपनियों की तुलना में संतुलित माना जा रहा है। मजबूत निर्यात कारोबार और ब्रांडेड एवं घरेलू खंड में विस्तार के अवसर इसे आकर्षक बनाते हैं। रिटेल निवेशक अधिकतम 70 शेयर प्रति आवेदन खरीद सकते हैंए जिससे 1 लॉट की कीमत 14ए840 रुपए होगी। कुल आईपीओ का 50 फीसदी

योग्य संस्थागत निवेशकों के लिएए 35 फीसदी रिटेल निवेशकों के लिए और 15 फीसदी नॉन.इंस्टीट्यूशनल निवेशकों के लिए रिजर्व है।

केपीआईएल को टीएंडडी कारोबार में 4,439 करोड़ के ठेके मिले

नई दिल्ली ।

कल्पतरु प्रोजेक्ट्स इंटरनेशनल लिमिटेड (केपीआईएल) और उसकी अनुषंगी कंपनियों को पारेषण एवं वितरण (टीएंडडी) क्षेत्र में करीब 4,439 करोड़ रुपये के ठेके मिले हैं। इनमें अफ्रीका में 400 किलोवाट पारेषण लाइन और सबस्टेशन, भारत में पारेषण लाइन परियोजनाएं और स्वीडन में एक सबस्टेशन परियोजना शामिल हैं। कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि टीएंडडी कारोबार कंपनी को अपनी मजबूत बाजार स्थिति और एकीकृत क्षमताओं का लाभ उठाकर विश्वस्तरीय ईपीसी समाधान प्रदान करने में सक्षम बनाता है। उन्होंने यह भी बताया कि नए ठेकों के साथ कंपनी ने 26,000 करोड़ रुपये के वार्षिक ऑर्डर लक्ष्य को पार कर लिया है। केपीआईएल मुख्यतः बिजली पारेषण और वितरण, भवन एवं कारखाने, जल आपूर्ति और सिंचाई, रेलवे, तेल एवं गैस पाइपलाइन, शहरी परिवहन, राजमार्ग और हवाई अड्डों में कार्य करती है। यह कंपनी ईपीसी क्षेत्र में प्रमुख विशेषज्ञ के रूप में जानी जाती है और अपने घरेलू और अंतरराष्ट्रीय प्रोजेक्ट्स के जरिए उद्योग में मजबूत स्थिति बनाए रखती है।

भारत का ऑयल और गैस सेक्टर पश्चिम एशिया तनाव से प्रभावित

देश में गैस सप्लाई में लगभग 45-47 एमएमएससीएमडी की गिरावट

नई दिल्ली।

पश्चिम एशिया में चल रहे तनाव के बीच भारत का ऑयल और गैस सेक्टर भारी दबाव में है। एंटीक स्टॉक ब्रोकरेज की रिपोर्ट के अनुसार इस संकट के कारण देश में गैस सप्लाई में लगभग 45-47 एमएमएससीएमडी की कमी हुई है। सबसे अधिक असर गैल पर पड़ा है, जबकि ओएनजीसी को इसका लाभ मिलने की संभावना है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ओएनजीसी के नए प्रोजेक्ट्स जैसे दमन और केजी बेसिन में उत्पादन बढ़ने वाला है। इसके साथ ही कच्चे तेल की कीमतें ऊंची बनी हुई हैं और विंडफॉल टैक्स की वापसी की संभावना नहीं है, जिससे कंपनी की कमाई बढ़ने की उम्मीद है। ब्रोकरेज ने मौजूदा स्तर पर ओएनजीसी के शेयर को आकर्षक बताया और 'बाय' की सलाह दी। गैल को गैस सप्लाई में कमी के कारण हर महीने 250-300 करोड़ रुपये का नुकसान हो सकता है। हालांकि, सरकार की गैस पूलिंग व्यवस्था से कंपनी को कुछ राहत मिल रही है, जिससे महंगी गैस खरीदने पर होने वाले नुकसान से बचाव हो रहा है। हाल ही में शेयर में गिरावट आई है, जिससे निवेश का मौका बन सकता है। ब्रोकरेज ने इस शेयर पर भी 'बाय' की सलाह दी है। पेट्रोनेट एलएनजी के दाहेज टर्मिनल की उपयोग क्षमता घटकर करीब 50 प्रतिशत हो गई है। इसके बावजूद कंपनी की कमाई पर ज्यादा असर नहीं पड़ा क्योंकि उसका बिजनेस

मॉडल सुरक्षित है। ब्रोकरेज ने कहा कि अब इसमें जोखिम कम है और सुधार की संभावना है। आईजीएल की बिक्री फिलहाल ठीक चल रही है, लेकिन आने वाले समय में मार्जिन पर दबाव बढ़ सकता है। सस्ती गैस की सप्लाई धीरे-धीरे कम हो रही है, जिससे अगले 2-3 साल में मार्जिन प्रभावित हो सकता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आईसीसीस टी20 इंटरनेशनल रैंकिंग में स्मृति मंधाना का जलवा बरकरार, हरमनप्रीत कौर और दीप्ति शर्मा को फायदा

दुबई (एजेंसी)। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल की मंगलवार को ताजा महिला टी20 रैंकिंग जारी की है। इस रैंकिंग में स्मृति मंधाना ने अपना शानदार फॉर्म बरकरार रखते हुए दूसरे स्थान पर कब्जा बनाए हुए है। वहीं कप्तान हरमनप्रीत कौर और ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा को भी रैंकिंग में हल्की बढ़त मिली है। हरमनप्रीत कौर आईसीसी महिला टी20 बल्लेबाज की ताजा रैंकिंग में 14वें स्थान पर पहुंच गईं। पहले वह 13वें स्थान पर थीं।

गेंदबाजी में स्पिन ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा एक स्थान ऊपर चढ़कर तीसरे स्थान पर पहुंच गईं। दीप्ति शर्मा ऑलराउंडर रैंकिंग में भी तीसरे स्थान पर पहुंच गईं। बल्लेबाजी में स्मृति मंधाना के अलावा शैफाली वर्मा टॉप 10 में शामिल दूसरी भारतीय खिलाड़ी हैं। वह छठे नंबर पर काबिज हैं जबकि जेमिमा रोड्रिग्स संयुक्त रूप से 11वें स्थान पर हैं। ऑस्ट्रेलियाई ओपनर जॉर्जिया वोल पहली बार बल्लेबाजी रैंकिंग के शीर्ष 10 में शामिल हो गईं, जबकि न्यूजीलैंड की स्टार सोफी डिवाइन ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ लगातार दो अर्धशतक की मदद से सूची में दो पायदान ऊपर चढ़कर 18वां स्थान हासिल किया।

वहीं रैंकिंग के इस ताजा अपडेट में वेस्टइंडीज में हुई सीरीज के पहले दो मुकाबलों को भी शामिल किया गया है। इसमें रवांडा की 15 साल की फैनी उटागुशिमानिदे भी 66वें स्थान पर रैंकिंग में शामिल हो गईं। वह टी20 इंटरनेशनल डेब्यू पर सेंचुरी बनाने वाली पहली महिला और इस फॉर्मेट में शतक लगाने वाली दोनों में से सबसे कम उम्र की खिलाड़ी बन गई हैं।

मियामी ओपन जैनिक सिनर ने तीसरे राउंड में जीत के साथ तोड़ा जोकोविच का रिकॉर्ड

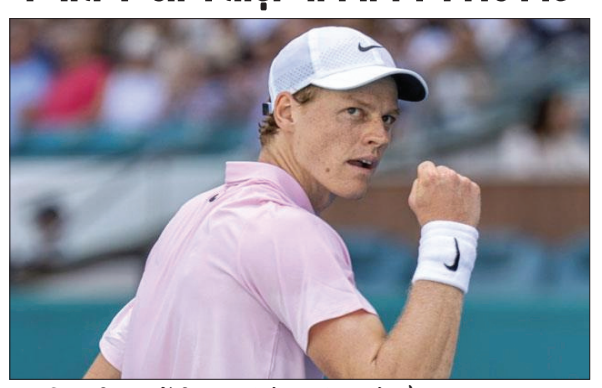

मियामी (एजेंसी)। इटली के टेनिस खिलाड़ी जैनिक सिनर ने मियामी ओपन में इतिहास रच दिया है। उन्होंने एकतरफा मुकाबले में कोरेंटिन मौटेट के खिलाफ 6-1, 6-4 से जीत दर्ज की। इस जीत के साथ सिनर ने एटीपी मास्टर्स 1000 स्तर पर लगातार 26 सेट जीतने का रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने इस मामले में सर्बिया के दिग्गज खिलाड़ी नोवाक जोकोविच को पीछे छोड़ दिया है। नोवाक जोकोविच के नाम एटीपी मास्टर्स 1000 में लगातार 24 सेट जीतने का रिकॉर्ड था। सिनर ने इससे पहले टूर्नामेंट के दूसरे राउंड में जीत दर्ज करते हुए जोकोविच के रिकॉर्ड की बराबरी की थी। मैच के बाद उन्होंने कहा कि वे अपनी फॉर्म से खुश हैं और हर मैच में ध्यान बनाए रखने की कोशिश कर रहे हैं। सिनर का यह सिलसिला पिछले नवंबर में पेरिस मास्टर्स से शुरू हुआ था, जहां उन्होंने बिना कोई सेट गंवाए खिताब जीता था। उन्होंने मार्च में भी शानदार फॉर्म को जारी रखा और पैरिबास ओपन में भी अपने दमदार प्रदर्शन को दोहराया। एटीपी की रिपोर्ट के मुताबिक, मियामी में अपनी दो जीत की वजह से सिनर अब लगातार 13 मास्टर्स 1000 मैच जीत चुके हैं। अब उनका अगला मुकाबला अमेरिका के युवा खिलाड़ी एलेक्स मिशेलसन से होगा, जिन्होंने एलेजांद्रो टैबिलो को हराकर अगले दौर में जगह बनाई है। सिनर का लक्ष्य 2017 में रोजर फेडरर के बाद 'सनशाइन डबल' हासिल करने वाले खिलाड़ी बनने का होगा। रैंकिंग की बात करें तो सिनर इस समय वर्ल्ड नंबर 1 की रेस में कार्लोस अल्काराज (स्पेनिश खिलाड़ी) के करीब पहुंचते जा रहे हैं। कार्लोस को रविवार को तीसरे राउंड में सेबेस्टियन कोर्डा के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था, जिसके बाद वह टूर्नामेंट से बाहर हो चुके हैं। एक अन्य मुकाबले में अमेरिका के फ्रांसेस टियाफो ने डिफेंडिंग चैंपियन जैकब मेंसिक को कड़े मैच में 7-6(4), 4-6, 7-6(11) से हराया। 28 साल के टियाफो मियामी में पांचवीं बार और 2022 के बाद पहली बार चौथे राउंड में पहुंचे हैं। दुनिया के 20वें नंबर के खिलाड़ी का अगला मैच फ्रांसीसी खिलाड़ी टेरेंस एटमेन से होगा, जिन्होंने कनाडाई टेनिस प्लेयर फेलिक्स ऑगर-अलियासिमे को 6-3, 1-6, 6-3 से हराया था।

यौन शोषण के आरोपों में घिरा आरसीबी खिलाड़ी आईपीएल2026 से बाहर

बेंगलुरु (एजेंसी)। डिफेंडिंग चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) को इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) 2026 से पहले एक बड़ा झटका लगा है। फ्रेंचाइजी ने मंगलवार को पुष्टि की कि तेज गेंदबाज यश दयाल निजी कारणों से पूरे टूर्नामेंट से बाहर रहेंगे। दयाल का ट्रेनिंग सेशन से बाहर रहना और टीम बस के पोस्टर पर उनकी तस्वीर का न होना, पहले ही उनके बाहर होने की अफवाहों को हवा दे चुका था। कई लोग सोच रहे थे कि आखिर यह गेंदबाज है कहां। अब RCB के क्रिकेट डायरेक्टर, मो बोबाट ने उनके बाहर होने से जुड़े सभी संदेहों को दूर कर दिया है।

बोबाट ने यह भी कहा कि भले ही दयाल टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं ले रहे हैं, फिर भी वह टीम के कॉन्ट्रैक्ट का हिस्सा बने रहेंगे। टीम मैनेजमेंट इस मुश्किल समय में भी खिलाड़ी का पूरा साथ देता रहेगा। उन्होंने कहा, 'तो, मैं बस यह पुष्टि करना चाहता हूं कि यश टीम के साथ नहीं जुड़ेंगे। जैसा कि आप जानते हैं, वह इस समय एक निजी मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं। मैं यह भी साफ कर देना चाहता हूं कि हमने अब तक यश का पूरा साथ दिया है। इस बात का सबूत यह है कि जब हमारे पास खिलाड़ियों को रिटेन करने या रिलीज़ करने का विकल्प था, तब भी हमने यश को रिटेन किया था।'

उन्होंने आगे कहा, 'हम उन्हें रिटेन करना चाहते थे। वह अभी भी कॉन्ट्रैक्ट के तहत हैं और आने वाले कुछ समय तक कॉन्ट्रैक्ट में ही बने रहेंगे। हम उनसे लगातार संपर्क में हैं। मैंने आज उनसे पहले भी बात की थी, लेकिन यह तय किया गया है कि इस समय उनका हमारे साथ जुड़ना न तो उनके अपने हित में है और न ही फ्रैंचाइजी के हित में। हमारा समर्थन उनके साथ बना रहेगा, और वह अभी भी हमारे साथ कॉन्ट्रैक्ट में हैं; जैसे-जैसे वह अपनी निजी मुश्किलों से गुज़रेंगे, हम उनसे बातचीत जारी रखेंगे।'

दयाल, जिन्होंने हाल ही में एक निजी समारोह में सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर श्वेता पुंडीर से शादी की है, पिछले कुछ समय से कई बड़े विवादों के केंद्र में रहे हैं। कुछ महीने पहले उन्हें अग्रिम जमानत देने से मना कर दिया गया था क्योंकि वह एक ऐसे मामले में शामिल थे जिसमें उन पर कथित तौर पर एक नाबालिग लड़की के साथ बलात्कार करने का आरोप था। यह विवाद जुलाई 2025 में तब शुरू हुआ, जब उन पर शादी का झांसा देकर एक महिला का कथित तौर पर शोषण करने का आरोप लगाते हुए एक मुकदमा दायर किया गया। बाद में जयपुर में उनके खिलाफ POSCO एक्ट के तहत एक और मामला सामने आया। इस बीच, RCB IPL 2026 में अपने अभियान की शुरुआत 28 मार्च को बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम में सनराइजर्स हैदराबाद (SRH) के खिलाफ करेगी।

हम केवल शामिल होने नहीं खिताब जीतने उतरेंगे : शुभमन

-अपने पर भरोसा होने के कारण बने रहते हैं शांत

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मुकाबलों में कठिन हालातों में भी शांत बने रहते है। शुभमन से जब इसका राज पूछा गया तो उन्होंने कहा कि उन्हें अपने पर भरोसा है इसलिए व धैर्य से अपने अनुसार खेलते रहते हैं। इसके अलावा उन्हें अपनी टीम के साथ सुरक्षित महसूस होता है। गुजरात ने एक बार खिताब जीता है जबकि एक बार वह उपविजेता रही है ऐसे में अब शुभमन का लक्ष्य टीम को इस बार जीत दिलाना रहेगा। उनका कहन है कि हम केवल भाग लेने नहीं जीतने के इरादे से उतरेंगे।

गिल ने में कहा, 'मैं स्वयं जैसा हूं

और मेरे खेल और अपने समूह में जो विश्वास और सुरक्षा है, उसी से मेरे खेल में संयम आता है।' गुजरात टाइटंस की टीम अपना पहला मुकाबला 31 मार्च को गत उपविजेता पंजाब किंग्स के खिलाफ खेलेगी। उसके बाद उसे 4 अप्रैल को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ खेलना है।

शुभमन ने कहा, 'किसी भी हालात में शांत रहने से ही खेल आगे बढ़ने पर जीत की संभावना बनी रहती है।।' उन्होंने कहा कि मुख्य कोच आशीष नेहरा से उन्हें ये सीखने को मिला है।

पिछले सत्र में गुजरात को एलिमिनेटर मुकाबले में मुंबई इंडियंस से हार का सामना करना पड़ा था। नेहरा ने कहा कि इस बार उनका ध्यान केवल खिताब जीतने पर रहेगा। उन्होंने कहा, 'इस सत्र में अलग तरह से सोचने की जरूरत नहीं है। वास्तव में, मुझे सोचने की जरूरत नहीं है, खिलाड़ी सोचते हैं। उन्हें खेलना है, मैं बाहर बैठा हूं।'

नेहरा ने कहा, 'पहले दिन से हमारी नीति साफ है। हम केवल शामिल होने नहीं जीतने के लिए यहां हैं। एक नई टीम के लिए यह सोचना आसान होता है कि इसमें समय लगेगा पर हमारा कभी भी ऐसा रवैया नहीं रहा।' गुजरात के लिए सकारात्मक पक्ष आशीष नेहरा जैसा कोच होना है जो टीम को लगातार बेहतर करने प्रेरित करते रहते हैं।

लखनऊ सुपर जायंट्स अपना पहला खिताब जीतने के इरादे से उतरेगी

-मध्यक्रम के कमजोर होने से शीर्ष क्रम पर रहेगा दबाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल के इस सत्र में ऋषभ पंत की कप्तानी में लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम जीत के इरादे से उतरेगी। टीम अपने पिछले सत्र की गलतियों से सीखते हुए अपना पहला खिताब हासिल करना चाहेगी। टीम के लिए जीत दर्ज करना आसान नहीं रहेगा। इसका कारण है कि उसका मध्यक्रम कमजोर है हालांकि शीर्ष क्रम के साथ ही तेज गेंदबाजी अच्छी है। पिछले सत्र में टीम 14 में से केवल 6 ही मैच पायी थी और प्लेऑफ में भी नहीं पहुंच थी। इस बार प्रशंसकों को टीम से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। निकोलसन पूरन और एडेन मार्करम के होने से लखनऊ का शीर्ष क्रम अच्छा है। मार्श और मार्करम ने पिछले सत्र में भी काफी बेहतर प्रदर्शन किया था पर टीम के मध्य क्रम में कमजोरी नजर आती है। ऐसे में कप्तान ऋषभ के ऊपर जिम्मेदार बढ़ जाती है। उन्हें देखना होगा कि किस प्रकार टीम अधिक से अधिक रन बनाये। उनका साथ आयुष बदोनी, अब्दुल समद और शाहबाज अहमद जैसे बल्लेबाज देंगे। होगा। वहीं दक्षिण अफ्रीका के उभरते हुए बल्लेबाज मैथ्यू ब्रीत्जके से भी लखनऊ टीम को आईपीएल 2026 में अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी।

लखनऊ का मजबूत पक्ष उनकी अच्छी तेज गेंदबाजी है। उसके पास आवेश खान, मोहम्मद शमी, मयंक यादव और एनरिक नॉर्टजे जैसे बल्लेबाज हैं। युवा मोहसन खान और प्रिंस यादव पर भी लोगों की नजरें रहेंगी। स्पिन बॉलिंग की जिम्मेदारी दिग्वेश राठी के पास होगी। दिग्वेश ने पिछले सीजन अपनी गेंदबाजी से काफी प्रभावित किया था। लखनऊ को उम्मीद करनी होगी की श्रीलंकाई स्पिनर वानिंदु हसरंगा फिट हो जायें।। हसरंगा अगर पूरी तरह से फिट हो जाते हैं, तो टीम को काफी लाभ होगा।

वैभव सफल रहे तो रॉयल्स की जीत तय : अश्विन

मुम्बई । दिग्गज स्पिनर आर अश्विन ने उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि अगर वह बड़ी पारी खेलता है तो राजस्थान रायल्स को जीत मिलनी तय है। वैभव ने गत वर्ष अपने पहले ही सत्र में आक्रामक बल्लेबाजी से सबको हैरान कर दिया था। अब उम्मीद है कि इस नये सत्र में वह और भी बेहतर बल्लेबाजी करेगा। वैभव ने अंडर-19 विश्वप में भी कई अच्छी पारियां खेली थीं जिससे भी उसका मनोबल बढ़ा हुआ है। ऐसे में अश्विन कहा कहना है कि वैभव रॉयल्स के लिए किसी एक्स फैक्टर की तरह रहेगा। ऐसे में अगर वह क्रीज पर टिक गया तो रॉयल्स को बढ़े स्कारे स रोकना कठिन हो जाएगा। वैभव ने आईपीएल के अपने पहले सत्र में सात मैचों में 252 रन बनाते हुए 200 से अधिक के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाज़ी की थी। इससे उनकी आक्रामक शैली का अंदाज होता है। सबसे खास बात यह रही कि उन्होंने गुजरात टाइटंस के खिलाफ सिर्फ 35 गेंदों में शतक लगाया था। वह IPL इतिहास में सबसे तेज़ शतक लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज़ हैं। अश्विन के अनुसार वह इस सीज़न में रॉयल्स के लिए मैच में अंतर ला सकते हैं। साथ ही कहा कि वह अभी अपने करियर के शुरुआती दौर में है, इसलिए उस पर ज़रूरत से ज़्यादा दबाव डालना सही नहीं होगा।

अभी टीम के लिए काफी कुछ करना चाहता हूं : स्टोक्स

जून में क्रिकेट सत्र शुरु होने के बाद बेहतर प्रदर्शन रहेगा लक्ष्य

लंदन। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एशेज सीरीज में टीम की करारी हार के बाद भी कप्तान बेन स्टोक्स और ब्रेंडन मैकलम को उनके पद पर बनाये रखा है। इससे पहले माना जा रहा था कि एशेज सीरीज में मिली 4-1 की हार के बाद कोच और कप्तान को को हटा दिया जाएगा। वहीं बोर्ड से मिले समर्थन

से उत्साहित स्टोक्स ने कहा है कि वह वह अभी टीम के लिए काफी कुछ करना चाहते हैं। जून में क्रिकेट सत्र शुरु होने के बाद उनका लक्ष्य और भी बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। स्टोक्स ने सोशल मीडिया में जारी एक बयान में, ' इंग्लैंड के क्रिकेट प्रशंसकों देश का कप्तान होना किसी भी खिलाड़ी के लिए सबसे बड़ा सम्मान होता है जिसे वह हल्के में इसे हल्के में नहीं लेते। साथ ही कहा कि कप्तानी करते हुए अच्छे और खराब दोनों ही प्रकार के अवसर आते हैं। इसमें कभी खुशी और कमी गम भी मिलता है। खेल आपको पूरी तरह से अपने अंदर समा लेता है और कभी-कभी ऐसा लगता है कि आपकी ज़िंदगी में बस यही एक चीज़ है।' उन्होंने माना, पिछले 3 महीने मेरी कप्तानी के सफर का सबसे कठिन समय रहा है, इसने मुझे कई अलग-अलग तरीकों से परखा है और मुझे भरोसा है कि हर दूसरा कप्तान भी इससे गुजरा होगा। इसके बाद भी मैकलम, रॉब की और मुझमें इस टीम को आगे ले जाने का जुनून और इच्छा है, हम आपको वह सब कुछ देंगे जो हमारे पास है, हम जानते हैं कि हमने रास्ते में गलतियां कीं और हमने उन गलतियों से काफी कुछ सीखा है, आप सफलता से ज्यादा असफलताओं से सीखते हैं। उन्होंने आगे कहा, मैंने अपने बारे में बहुत कुछ सीखा है पर सबसे जरूरी बात जो मैं प्रशंसकोंको बताना चाहता हूँ वह यह है कि मुझे क्रिकेट बहुत पसंद है, मुझे यह टीम बहुत पसंद है, मुझे इंग्लैंड का कप्तान बनना बहुत पसंद है और मुझे इस भूमिका में देने के लिए बहुत कुछ है और मैं बहुत खुश हूं कि मुझे कप्तानी का अवसर मिला।

बीसीसीआई ने आईपीएल के लिए जारी किये दिशा निर्देश

-सभी खिलाड़ियों को करना होगा पालन

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने आईपीएल 2026 के लिए नये दिशा निर्देश जारी किये है। बोर्ड ने ये कदम इसलिए उठाया है जिससे खिलाड़ियों की मनमानी पर रोक लगायी जा सके। बीसीसीआई ने अपने नए आदेश में कहा है नये नियमों का पालन सभी को करना होगा। इसके तहत अब हर टीम के खिलाड़ी केवल टीम बस में ही यात्रा कर सकेंगे। इसके अलावा मैच के दिन किसी भी अभ्यास सत्र की अनुमति नहीं दी जाएगी। एक रिपोर्ट के अनुसार, बोर्ड ने मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में भी अलग इंतजाम किया है, जहां टीमों को मेन चौक के दोनों तरफ अभ्यास के लिए दो-दो विकेट दिए जाएंगे। इस दौरान कोई भी टीम विरोधी टीम को दिए गए अभ्यास विकेट का इस्तेमाल नहीं कर सकेगी। टीम मैनेजर्स को नये दिशा निर्देशों की प्रति भेज दी हैं।

इसमें कहा गया है कि टीमों को प्रैक्टिस

एरिया में 2 नेट और मेन स्क्वायर पर 1 साइड विकेट मिलेगा, जहां वे रेंज हिटिंग कर सकें। मुंबई वेन्यू के लिए, अगर दोनों टीमें एक ही समय पर अभ्यास कर रही हैं, तो हर टीम को 2 पिचें मिलेंगी। वहीं कोई भी ओपन नेट अलाउड नहीं होगा। अगर कोई टीम अपना अभ्यास जल्दी खत्म भी कर लेती है तब भी दूसरी टीम को उस पिच का इस्तेमाल करने की इजाजत नहीं होगी। मैच के दिनों में किसी अभ्यास की अनुमति नहीं होगी।मैच वाले दिन मेन चौक पर कोई फिटनेस टेस्ट नहीं होगा। अभ्यास के दौरान केवल मान्यता प्राप्त स्टाफ को ड्रेसिंग रूम और फील्ड ऑफ प्ले में आने की अनुमति रहेगी। खिलाड़ी के परिवार के सदस्य और दोस्त अलग गाड़ी में सफर कर सकते हैं और हॉस्पिटैलिटी एरिया से टीम का अभ्यास देख सकते हैं। एक्सटेंडेड सपोर्ट स्टाफ (थ्रो डाउन स्पेशलिस्ट/नेट बॉलर) के लिए सूची बोर्ड को मंजूरी के लिए भेजनी होगी। मंजूरी मिलने के बाद, नॉन-मैच डे एक्रेडिटेशन जारी किए जाएंगे। खिलाड़ी अभ्यास के लिए आते समय टीम बस का इस्तेमाल करेंगे। टीमें दो बैच में सफर कर सकती हैं।

इसके अलावा मैच के दिन के लिए भी दिशा निर्देश जारी किये गये हैं।

प्लेयर एंड मैच ऑफिशियल्स एरिया से मान्यता प्राप्त स्टाफ के लिए मैच वाले दिन अपना एक्रेडिटेशन लाना जरूरी है। पहली बार एक्रेडिटेशन न लाने पर चेतावनी दी जाएगी। दूसरी बार, टीम पर पैसे का जुर्माना लगाया जाएगा। हिटिंग नेट देने के बाद भी, खिलाड़ी एईडी बोर्ड पर हिट करते रहते हैं जिसकी अनुमति नहीं रहेंगी। खिलाड़ी और सहयोगी स्टाफ एलईडी बोर्ड के सामने न बैठें। लाड़ी ऑरेंज और पर्पल कैप पहनेंगे। प्रेजेंटेशन में फ्लॉपी और स्लीवलेस जर्सी पहनने की इजाजत नहीं है। ऐसा न करने पर पहली बार में चेतावनी दी जाएगी। दूसरी बार, पैसे का जुर्माना लगेगा। मैच के दिनों में केवल 12 एक्रेडिटेड सपोर्ट स्टाफ को ही इजाज़त होगी, जिसमें टीम डॉक्टर भी शामिल हैं। जर्सी नंबर में बदलाव की जानकारी एकदिन पहले देनी होगी।

अलेक्जेंडर ओवेचकिन ने आईस हॉकी में अपना एक 1000वां गोल दागा

वॉशिंगटन। वॉशिंगटन कैपिटल्स के अलेक्जेंडर ओवेचकिन रविवार को एनएचएल के रेगुलर सीजन और प्लेऑफ, दोनों को मिलाकर एक हजार गोल करने वाले दूसरे पुरुष आइस हॉकी खिलाड़ी बन गए। 40 साल के इस खिलाड़ी ने लीग में सबसे आगे चल रही टीम, कोलोराडो एवलांच के खिलाफ मैच के तय समय में 5-43 मिनट बाकी रहते हुए, एक पावर प्ले के दौरान यह ऐतिहासिक गोल किया। लेकिन इसके बावजूद वॉशिंगटन अतिरिक्त समय में 3-2 से हार गया। यह इस सीजन में ओवेचकिन का 26वां रेगुलर-सीजन गोल था और उनके करियर का कुल 923वां गोल था, जिससे उनका रिकॉर्ड और भी मजबूत हो गया। यह उपलब्धि उस समय के लगभग एक साल बाद हासिल हुई है, जब इस महान आइस हॉकी खिलाड़ी ने एनएचएल के इतिहास में सबसे ज्यादा गोल करने के मामले में वेन ग्रेट्स्की को पीछे छोड़ दिया था। तीन बार के ओलंपियन ओवेचकिन अब ग्रेट्स्की के कुल एनएचएल गोलों के रिकॉर्ड के और भी करीब पहुंच गए हैं। इस महान कनाडाई खिलाड़ी ने अपने करियर का समापन कुल 1,016 एनएचएल गोलों के साथ किया था- जिनमें से 894 गोल रेगुलर सीजन में और 122 गोल प्लेऑफ में किए गए थे। प्लेऑफ में किए गए गोलों का यह रिकॉर्ड आज भी ग्रेट्स्की के नाम पर ही दर्ज है। वॉशिंगटन कैपिटल्स को अभी रेगुलर सीजन के 11 मैच और खेलने हैं, और फिलहाल उनका रिकॉर्ड 35-27-9 का है। एलेक्स ओवेचकिन ने वेन ग्रेट्स्की के 31 साल पुराने एनएचएल करियर गोलों के रिकॉर्ड को तोड़ दिया।

पाकिस्तान के फरहान को आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ अवार्ड मिला

दुबई। हाल में हुए टी20 विश्वकप में शानदार प्रदर्शन करने वाले पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने फरवरी माह का आईसीसी मेन्स प्लेयर ऑफ द मंथ अवार्ड दिया है। इसी के साथ ही फरहान नवंबर 2024 में हारिस रऊफ के बाद यह अवॉर्ड जीतने वाले दूसरे खिलाड़ी हैं। फरहान ने दो शतक के साथ ही आईसीसी टी20 विश्व कप में सबसे ज्यादा रन बनाए हैं। वह टूर्नामेंट के इतिहास में एक ही सत्र में दो शतक लगाने वाले एकमात्र खिलाड़ी हैं। फरहान इस पूरे टूर्नामेंट में पाक की ओर से रन बनाने वाले अकेले खिलाड़ी रहे। उन्होंने नामीबिया के खिलाफ ग्रुप स्तर के मुकाबले के अलावा श्रीलंका के खिलाफ शतक लगाया था। फरहान ने टूर्नामेंट में सबसे अधिक कुल 383 रन बनाये। उन्होंने कहा, 'आईसीसी टी20 विश्व कप में अवॉर्ड जीतना एक सुखद अहसास है। दुनियाभर के प्रशंसकों ने इससे देखा था जिससे इसमें अवार्ड जीतना खास रहा है।'

थॉमस कप में भारतीय अभियान की अगुवाई करेंगे ऑल-इंग्लैंड के उपविजेता लक्ष्य सेन

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑल इंग्लैंड टूर्नामेंट में उपविजेता रहे लक्ष्य सेन अगले महीने होने वाले थॉमस कप बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारतीय पुरुष टीम की अगुवाई करेंगे जबकि पूर्व विश्व चैंपियन पीवी सिंधु और उभरती हुई स्टार उन्नति हुड्डा उबर कप में भारतीय चुनौती पेश करेंगे।

भारतीय बैडमिंटन संघ ने 2022 में थॉमस कप में ऐतिहासिक जीत दर्ज करने वाली टीम के खिलाड़ियों को काफी हद तक बरकरार रखा है। उसने 24 अप्रैल से तीन मई तक डेनमार्क के होर्सेंस में होने वाली प्रतियोगिता के लिए सेन, किदांबी श्रीकांत, एचएस प्रणय तथा सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी को टीम में बनाए रखा है। युवा शटलर आयुष शेट्टी को सीनियर स्तर पर लगातार अच्छे प्रदर्शन के बाद पहली बार टीम में जगह मिली है।

पुरुष टीम में 2022 की खिताब विजेता टीम के सदस्य एमआर अर्जुन की भी वापसी हुई है, जिन्होंने चोट से उबरकर नए खिलाड़ी हरिहरन अमसाकरुनन के साथ युगल टीम में जगह बनाई है। 2022 की युगल टीम के सदस्य ध्रुव कपिला भी टीम का हिस्सा हैं जबकि किरण जॉर्ज एकल में अतिरिक्त मजबूती प्रदान करेंगे। उबर कप में 2019 की विश्व चैंपियन सिंधु, शीर्ष युगल जोड़ी गायत्री गोपीचंद और ट्रीसा जॉली के साथ मिलकर भारत की चुनौती का नेतृत्व करेंगी।

भारतीय टीम पिछली बार सेमीफाइनल तक पहुंची थी और उसका लक्ष्य इस बार अपने इस प्रदर्शन में सुधार करना होगा। उन्नति हुडा के साथ देविका सिहाग, इशारानी बरुआ और किशोरी तन्वी शर्मा जैसी युवा प्रतिभाशाली खिलाड़ी भी टीम में शामिल है। भारतीय बैडमिंटन संघ ने एक विज्ञप्ति में कहा, 'टीम का चयन 10 मार्च तक की बीडब्ल्यूएफ रैंकिंग के आधार पर किया गया है, जिसमें शीर्ष पांच एकल खिलाड़ी और शीर्ष दो युगल जोड़ियां शामिल हैं। टीम संयोजन को ध्यान में रखते हुए अतिरिक्त खिलाड़ियों को भी शामिल किया गया है, जिनमें ध्रुव कपिला और तनीशा क्रास्टो जैसे खिलाड़ियों को युगल में उनके अनुभव के कारण टीम में जगह मिली है।'

भारतीय बैडमिंटन संघ के महासचिव संजय मिश्रा ने कहा, 'हमारी

दोनों टीमों में युवा और अनुभवी खिलाड़ियों का अच्छा मिश्रण है। सीनियर खिलाड़ी स्थिरता लाते हैं और युवा खिलाड़ी शानदार फॉर्म में हैं। उन्होंने दिखाया है कि वे इस स्तर पर अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं, जिससे हमें टूर्नामेंट में उतरने से पहले आत्मविश्वास मिलता है।' उन्होंने कहा, 'महिला टीम में देविका सिहाग का चयन इस साल की शुरुआत में थाईलैंड मास्टर्स में खिताब जीतने के बाद हुआ है, जबकि इशारानी बरुआ ऑरलियन्स मास्टर्स में सेमीफाइनल तक पहुंचने के बाद टीम में शामिल हुई हैं। तन्वी शर्मा और उन्नति हुड्डा का खेल लगातार बेहतर होता जा रहा है।'

भारतीय टीम इस प्रकार है

पुरुष : लक्ष्य सेन, आयुष शेट्टी, किदांबी श्रीकांत, एच.एस. प्रणय, किरण जॉर्ज, सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी, चिराग शेट्टी, हरिहरन अम्सकरुनन, एम. आर. अर्जुन, ध्रुव कपिला।

महिला: पीवी सिंधु, उन्नति हुडा, तन्वी शर्मा, देविका सिहाग, इशारानी बरुआ, ट्रीसा जॉली, गायत्री गोपीचंद पुलेला, कविप्रिया सेल्वम, सिमरन सिंघी, तनीषा क्रास्टो।

सैफ अंडर20 चैम्पियनशिप के लिए भारतीय टीम मालदीव पहुंची, पाकिस्तान से होगा पहला मैच

माल। भारत की अंडर 20 पुरुष फुटबॉल टीम सैफ चैम्पियनशिप में भाग लेने यहां पहुंच गई है और पहले मैच में बृहस्पतिवार को पाकिस्तान से खेलेगी। इस मैच के बाद ग्रुप बी में भारतीय टीम का सामना 28 मार्च को बांग्लादेश से होगा । दोनों मैच नेशनल स्टेडियम में खेले जाएंगे। ग्रुप ए में मालदीव, श्रीलंका, नेपाल और भूटान की टीमें हैं। दोनों ग्रुप से शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल खेलेंगी जो एक अप्रैल को होगा। फाइनल तीन अप्रैल को खेला जाएगा। भारत के अंडर 20 मुख्य कोच महेश गवली ने कहा, 'यह काफी अहम और प्रतिष्ठित टूर्नामेंट है। सभी टीमें काफी प्रतिस्पर्धी है और हमें सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।'

भारतीय टीम - गोलकीपर : अल्साबित एसटी, प्रणव सुंदरमन, सूरज सिंह

डिफेंडर : बूंगसोन सिंह टी, जोडरिक अब्रांचेस, करीश सोराम, मालेमंगांबा सिंह थोकचोम, मोहम्मद कैफ, रोशन सिंह थांगजाम, उशाम सिंह , याइफारेम्बा चिंगाखाम

मिडफील्डर : अनिकेत यादव, डैनी मेतेइ लैशराम, गुरनाज सिंह ग्रेवाल, मोहम्मद अरबाश, रिषिकांता मेतेइ लैशराम, रिषि सिंह एन

फॉरवर्ड - उमंग दोडुम, प्रशान जाजो, रोहेन सिंह , विशाल यादव, सैमसन ए, तनबीर डे

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

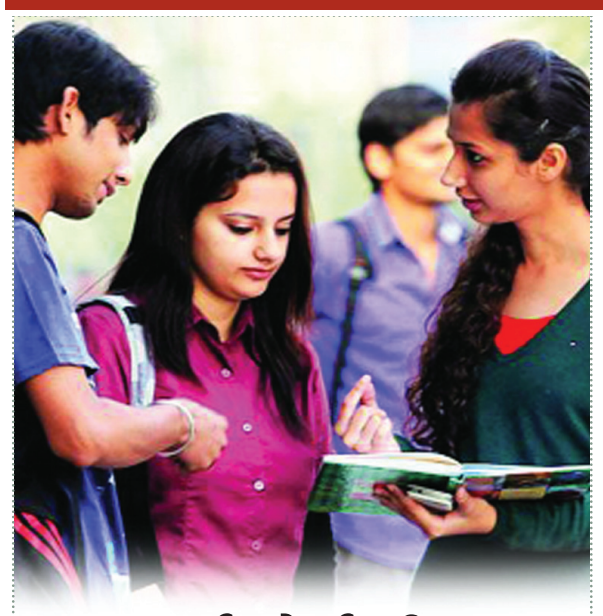

लॉग टर्म कोर्स की बजाय रोजगार पर ज्यादा ध्यान दे रहे हैं आज के युवा

नौकरी तलाश करने वालों के लिए ये जो अनिष्ट ठहराव आया है, संभवत: उनके लिए एक नया रास्ता खोल दिया है, जब वे कुछ नया सीख सकते हैं और अपनी प्रक्षेत्र विशेषज्ञता को बढ़ा सकते हैं।

एक ऑनलाइन शैक्षिक कंपनी, टलेंटेज और मार्किट रिसर्च एजेंसी के एक ताजा सर्वे के अनुसार भविष्य में लंबी अवधि के कॅरियर की योजना बनाना संभव नहीं होगा, क्योंकि विकास की गति जॉब मार्केट में बढ़ रही है और युवाओं को लगातार समय की मांग के मुताबिक खुद को ऐसे परिवेश में ढालना बेहद जरूरी होगा। वहीं इससे पहले किये गए एक सर्वेक्षण के मुताबिक आधा से ज्यादा नौकरी तलाश करने वालों ने लंबी अवधि के कॅरियर के उचित अवसर और विकास के लिए अपने कौशल को बढ़ाने के लिए लॉकडाउन अवधि का उपयोग किया। नौकरी तलाश करने वालों के लिए ये जो अनिष्ट ठहराव आया है, संभवत : उनके लिए एक नया रास्ता खोल दिया है, जब वे कुछ नया सीख सकते हैं और अपनी प्रक्षेत्र विशेषज्ञता को बढ़ा सकते हैं। डेटा साइंस और एनालिटिक्स कोर्स (22 प्रतिशत), इसके बाद डिजिटल मार्केटिंग (20 प्रतिशत), और वित्त और जोखिम प्रबंधन (16 प्रतिशत) शीर्ष पाठ्यक्रमों में से थे जो नौकरी ढूढ़ने वालों द्वारा चुने गए थे।

गेजिंग इन टू द फ्यूचर

यंग इंडिया, देयर एस्पिरेशंस एंड कॅरियर चॉइस के एक सर्वेक्षण के अनुसार, अल्पकालिक पेशेवर योजना ही एक सही रास्ता है। उत्तरदाताओं ने कहा कि वे तेजी से एक 'नौकरी' के बारे में सोचेंगे और 'कॅरियर' नहीं, क्योंकि उनके आसपास की चीजें तेजी से बदल रही हैं और वे अगले पांच वर्षों में भी ऐसे जीवन कॅरियर की कल्पना नहीं कर सकते हैं जब बहुत सारे वैकल्पिक पाठ्यक्रमों के होते हुए भी शायद ही कुछ ऐसे होंगे जो एक उचित परिपेक्ष्य में, अनुकूल और लाभप्रद रोजगार दे सकेंगे। टलेंटेज ने 20,000 छात्रों में से ऐसे उत्तरदाताओं की पहचान की है जिन्होंने इस संस्था में पिछले वर्ष नामांकन किया था, उनमें से 60 उत्तरदाताओं ने इस सर्वे में भाग लेने के लिए फाइनल कट दिया है। सर्वेक्षण पर आधारित यह अध्ययन लगभग पांच वर्षों तक किया गया, जिसमें से मानव संसाधन प्रमुखों, सीएक्सओ, कॅरियर काउंसलर और समाजशास्त्रियों के उत्कृष्ट विचारों को संज्ञान में लिया गया, ताकि इस उभरते हुए झुकाव की विस्तृत तस्वीर सामने आ सके और उम्मीदवारों को सही मार्गदर्शन मिल सके। टलेंटेज के आदित्य मालिक ने एक बिजनेस समाचार पत्र में दिए गए एक वक्तव्य में बताया कि 29 साल की औसत आयु के साथ भारत 2026 तक दुनिया का सबसे युवा देश होगा। उन्होंने बताया की वो युवा भारतीयों के विचारों को, उनके कॅरियर के विकल्पों की संभावनाओं को और उनकी महत्वाकांक्षाओं के बारे में समझना चाहते थे। अध्ययन में पाया गया कि डिग्रियों का कम्पित अधिग्रहण कॅरियर का एक नया मापदंड होगा, जैसा कि उत्तरदाताओं ने कहा कि उन्हें क्रियाशील व व्यावहारिक तजुर्बों से सीखना होगा और जरूरत पड़ने पर और अधिक डिग्री हासिल करनी होगी। विशेषज्ञों ने इस सर्वेक्षण पर विचार विमर्श किया और पाया की शिक्षा सिर्फ एक बार का मामला नहीं होगा बल्कि एक सतत प्रक्रिया होगी जिसमें युवा जैसे जैसे आगे बढ़ते जायेंगे, डिग्रियां हासिल करते रहेंगे। आदित्य मालिक ने आगे बताया कि कॉर्पोरेट दुनिया के साथ बढ़ती निराशा युवाओं के जूनून को काम में परिवर्तित करने में उन्हें आगे ले जाएगी। लीक से हटकर बढ़ते हुए पाठ्यक्रमों ने नए कॅरियर को पंख दे दिए हैं। और आज के युवा भी शायद इसे ही ज्यादा महत्त्व दे रहे हैं और अपना रुझान भी इसी पर केंद्रित कर रहे हैं। विशेषज्ञों ने कहा कि उद्यमिता, रचनात्मकता और नवाचार के लिए आज एक बहुत बड़ा स्कोप खुल गया है, यह स्वीकार करते हुए कि वे इस बात को लेकर निश्चित नहीं थे कि यह कितना आकर्षक होगा, क्योंकि इसके लिए बहुत अधिक प्रयास और परिश्रम की आवश्यकता होती है। तो अगर आप एक युवा हैं और अपने कॅरियर को लेकर गंभीर हैं तो शायद आप अच्छी तरह से समझ गए होंगे कि शार्टटर्म का कोई मनचाहा कोर्स आपको सही दिशा में ले जायेगा या फिर कोई लॉन्गटर्म वाला कोर्स।

एक जीवाश्म विज्ञानी जीवाश्मों अर्थात प्राचीन जीवों के अवशेषों का अध्ययन करते हैं ताकि पृथ्वी या प्रागैतिहासिक जीवन पर पिछले जीवन की पड़ताल की जा सके। यह छोटे बैक्टीरिया से लेकर विशालकाय डायनासोर तक हैं, ये जीवाश्म एक अरब वर्ष पुराने भी हो सकते हैं।

जीवाश्म विज्ञानी के रूप में तलाशें रोजगार की संभावनाएं

पृथ्वी पर जीवन की शुरूआत लाखों-करोड़ों साल पहले ही हो गई है। ऐसे कई जीव व जानवर हैं, जो सालों पूर्व धरती पर मौजूद थे, लेकिन अब वह विलुप्त हो चुके हैं। लेकिन उनके जीवाश्म की मदद से पृथ्वी पर जीवन के इतिहास के अध्ययन को ही पेलियोन्टोलॉजी कहा जाता है। यह जीवाश्मों के अध्ययन के माध्यम से पृथ्वी पर पिछले जीवन की जांच है। जीवाश्म पौधों, जानवरों, कवक, बैक्टीरिया और अन्य एकल-कोशिका वाले जीवित जीवों के अवशेष या निशान हैं जो भूवैज्ञानिक अतीत में रहते थे और पृथ्वी की क्रस्ट में संरक्षित हैं। आमतौर पर यह माना जाता है कि पेलियोन्टोलॉजिस्ट सिर्फ डायनासोर का अध्ययन करते हैं, जबकि यह सच नहीं है। बल्कि यह जीवाश्मों की मदद से पृथ्वी पर जीवित चीजों की पूरी प्रजातियों का अध्ययन है। तो चलिए जानते हैं कि इस क्षेत्र में कैसे बनाएं करियर

क्या होता है काम

एक जीवाश्म विज्ञानी जीवाश्मों अर्थात प्राचीन जीवों के अवशेषों का अध्ययन करते हैं ताकि पृथ्वी या प्रागैतिहासिक जीवन पर पिछले जीवन की पड़ताल की जा सके। यह छोटे बैक्टीरिया से लेकर विशालकाय डायनासोर तक हैं, ये जीवाश्म एक अरब वर्ष पुराने भी हो सकते हैं। वे प्रागैतिहासिक जीवन रूपों और जीवाश्मों की परीक्षा के माध्यम से पौधे और पशु जीवन के विकास पर शोध करते हैं। वे विलुप्त प्रजातियों के बारे में जानने के लिए जानवरों की हड्डियों, गोले और कास्ट का उपयोग करते हैं। साथ ही वह जीवाश्मों का पता लगाने और जीवाश्मों के बारे में प्रासंगिक तथ्यों की पहचान करने के लिए विभिन्न वैज्ञानिक तकनीकों का उपयोग करते हैं। उनके कार्यक्षेत्र में जीवाश्मों का पता लगाना और उनकी खुदाई करना, निष्कर्षों की पहचान, अनुसंधान और उन्हें साझाकरण करना शामिल है।

पर्सनल स्किल्स

पेलियोन्टोलॉजिस्ट को कंप्यूटर की अच्छी जानकारी होनी चाहिए और सांख्यिकीय विश्लेषण में सक्षम होना चाहिए। इसके अलावा उसमें मौखिक और लिखित संचार कौशल भी होने चाहिए, क्योंकि उन्हें पेशेवरों की एक टीम के साथ काम करना होता है।
पैलियोन्टोलॉजिस्ट के पास उच्च जिज्ञासा स्तर और इमेजिनेशन पावर होनी चाहिए। उन्हें तार्किक और गंभीर रूप से सोचने में सक्षम होना चाहिए, जिज्ञासु और अत्यंत विश्लेषणात्मक होना चाहिए, और एकत्रित डेटा या जानकारी से निष्कर्ष निकालने की क्षमता भी इस क्षेत्र के लिए बेहद जरूरी है। चूंकि जीवाश्म विज्ञान एक कठिन काम है, जिसमें जीवाश्मों को खोजने और खुदाई करने के लिए बहुत से बाहरी काम करने की आवश्यकता होती है, एक इच्छुक व्यक्ति को धैर्यपूर्ण होना चाहिए।

योग्यता

पैलियोन्टोलॉजी एक विज्ञान से संबंधित लेकिन व्यापक क्षेत्र है। इसलिए एक जीवाश्म विज्ञानी को भौतिकी, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान और भूविज्ञान को जानना आवश्यक है। जीवाश्म विज्ञान में अधिकांश प्रवेश स्तर के पदों के लिए भूविज्ञान या पृथ्वी विज्ञान में मास्टर डिग्री की आवश्यकता होती है। वहीं रिसर्च और कॉलेज टीचिंग के लिए पीएचडी होना आवश्यक है। कई भाषाओं का ज्ञान इस क्षेत्र के लिए एक अतिरिक्त लाभ है।

रोजगार की संभावनाएं

एक पेलियोन्टोलॉजिस्ट के रूप में आप कॉलेजों और विश्वविद्यालयों, अनुसंधान संस्थान, संग्रहालयों, या राज्य और संघीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षणों, प्रयोगशालाओं आदि में काम कर सकते हैं। जीवाश्म विज्ञानी सार्वजनिक व निजी दोनों ही क्षेत्रों में रोजगार की संभावनाएं तलाश सकते हैं।

आमदनी

एक जीवाश्म विज्ञानी की आमदनी उनके शिक्षा के स्तर, अनुभव व जहां पर वे काम करते हैं, उस पर निर्भर करती है। निजी क्षेत्र में आपकी योग्यता व अनुभव के आधार पर अच्छा वेतन मिलता है। शुरूआती रूप में एक जीवाश्म विज्ञानी 15000 से 25000 रूपए प्रतिमाह आसानी से कमा सकता है। इसके बाद आपके अनुभव के आधार पर आमदनी बढ़ती जाती है।

प्रमुख संस्थान

भारत में केवल एक संस्थान जीवाश्म विज्ञान में एक पाठ्यक्रम प्रदान करता है और यह हैदराबाद के बंडलागुडा में स्थित जिओलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया है।

एक लेक्सोग्राफर को संबंधित भाषा का गहरा ज्ञान होना चाहिए। अंग्रेजी पर उनकी पकड़ काफी अच्छी होनी चाहिए। साथ ही विभिन्न भाषाओं को जानने की जिज्ञासा, पढ़ने की आदत, अनुसंधान और विश्लेषणात्मक कौशल, टीम वर्क और लिखित संचार कौशल, प्रभावी समय प्रबंधन और संगठनात्मक कौशल हैं।

अलग-अलग भाषाओं के साथ लैक्सोग्राफी में बना सकते हैं कॅरियर

वर्तमान समय में, छात्रों के लिए संभावनाओं का एक खुला आसमान है, जहां पर वह विचरण करके एक सुखद व सफल भविष्य बना सकते हैं। ऐसा ही एक क्षेत्र है लेक्सोग्राफी। हो सकता है कि आपके लिए यह शब्द नया हो, लेकिन हम आपको बता दें कि शब्दकोश प्रारूप में 'शब्द' लिखने की कला को लेक्सोग्राफी कहते हैं। लैंग्वेंज स्टडी के इतिहास में इसका एक अहम स्थान है। जिसमें शब्दकोश निर्माण के दौरान इतिहास, थ्योरी, मैथडोलॉजी और टाइपोलॉजी शामिल है। अगर आप भी अलग-अलग भाषाओं के साथ अपना भविष्य देखते हैं तो आप लैक्सोग्राफी के क्षेत्र में अपना कॅरियर बना सकते हैं। तो चलिए जानते हैं कि इस क्षेत्र में कैसे बनाएं अपना कॅरियर-

क्या होता है काम

लेक्सोग्राफर एक प्रोफेशनल भाषाविद् होते हैं, जो डिक्शनरी, एनसाइक्लोपीडिया व अन्य रेफरेंस टेक्स्ट जैसे लॉ और मेडिकल डिक्शनरी बनाने के लिए रिसर्च, लेखन, संकलन व संपादन करते हैं। आमतौर पर, लेक्सोग्राफी को दो शाखाओं में विभाजित किया गया है, पहला प्रैक्टिकल लेक्सोग्राफी और दूसरा सैद्धांतिक लेक्सोग्राफी। प्रैक्टिकल लेक्सोग्राफी में शब्दकोशों का संकलन, लेखन और संपादन की प्रक्रिया शामिल है। वहीं सैद्धांतिक लेक्सोग्राफी में लैंग्वेंज की स्टडी और इसकी शब्दावली के अध्ययन पर ध्यान केन्द्रित किया जाता है। इस प्रकार अगर देखा जाए तो एक लेक्सोग्राफर का काम सिर्फ परिभाषाएं लिखना ही नहीं होता, बल्कि सही लोगों के लिए सही परिभाषा लिखना होता है।

पर्सनल स्किल्स - एक लेक्सोग्राफर को संबंधित भाषा का गहरा ज्ञान होना चाहिए। अंग्रेजी पर उनकी पकड़ काफी अच्छी होनी चाहिए। साथ ही विभिन्न भाषाओं को जानने की जिज्ञासा, पढ़ने की आदत, अनुसंधान और विश्लेषणात्मक कौशल, टीम वर्क और लिखित संचार कौशल, प्रभावी समय प्रबंधन और संगठनात्मक कौशल हैं। इसके अलावा आपको ग्रामाटिकल और कम्प्यूटेशनल भाषा का भी अच्छा ज्ञान होना चाहिए। एक बेहतरीन क्रिटिकल थिंकिंग, ओपन-मांइडेड, व हर छोटी बातों पर गहरी नजर होनी चाहिए। लेक्सोग्राफी एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें आपको कड़ी मेहनत और पूर्ण रूप से जिम्मेदारी निभाना आना चाहिए।

शैक्षणिक योग्यता - इस क्षेत्र में कॅरियर देख रहे छात्रों को अंग्रेजी या किसी अन्य संबंधित भाषा में मास्टर या डॉक्टरेट की डिग्री होना आवश्यक है। वर्तमान में देश में ऐसे कई विश्वविद्यालय हैं, जो विभिन्न भाषाओं जैसे अंग्रेजी, हिन्दी, संस्कृत, तमिल, पंजाबी आदि में लेक्सोग्राफी पाठ्यक्रम संचालित करते हैं।

संभावनाएं - लेक्सोग्राफर कई पब्लिशिंग हाउस के लिए काम करते हैं। वह अपना कॅरियर असिसटेंट एडिटर या फिर जूनियर एडिटोरियल असिसटेंट के तौर पर शुरू कर सकते हैं। कुछ अनुभव प्राप्त करने के बाद आप बतौर लेक्सोग्राफर काम कर सकते हैं।

आमदनी - यह एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें लोग सैलरी के लिए नहीं, बल्कि अपनी खुशी के लिए काम करते हैं। एक पब्लिशिंग हाउस में काम करने वाले लेक्सोग्राफर 15000 से 20000 रूपए प्रतिमाह कमा सकते हैं। वैसे कई लेक्सोग्राफर एक फ्रीलांसर के तौर पर काम करते हैं और इस तरह वह हर प्रोजेक्ट के लिए चार्ज करते हैं।

प्रमुख संस्थान

- डेक्कन संस्थान, पुणे
- पंजाबी यूनिवर्सिटी, पटियाला
- मद्रास विश्वविद्यालय केरल विश्वविद्यालय, केरल
- भारथिअर यूनिवर्सिटी, कोयंबटूर

डॉक्टर बनने के लिए जरूरी है नीट परीक्षा ऐसे करें तैयारी

नीट परीक्षा की योग्यता की बात करें तो 12वीं में फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायोलॉजी सब्जेक्ट के साथ मिनिमम 50 परसेंट मार्क होना अनिवार्य है। इसके अलावा आवेदक की कम से कम 17 वर्ष की उम्र होना चाहिए।

नीट मतलब नेशनल एलिजिबिलिटी एंट्रेंस टेस्ट! यह परीक्षा देशभर में मेडिकल कॉलेजेज में एडमिशन लेने के लिए आयोजित की जाती है। 12वीं के बाद अगर आप भी डॉक्टर बनना चाहते हैं और इससे संबंधित एमबीबीएस अथवा बीडीएस की पढ़ाई करना चाहते हैं तो आप को इस नीट का एग्जाम देना ही पड़ेगा। बता दें कि नेशनल टेस्टिंग एजेंसी यानी एनटीए द्वारा इसके लिए एंट्रेंस एग्जामिनेशन प्रत्येक वर्ष आयोजित की जाती है। इस परीक्षा की योग्यता की बात करें तो 12वीं में फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायोलॉजी सब्जेक्ट के साथ मिनिमम 50 परसेंट मार्क होना अनिवार्य है। इसके अलावा आवेदक की कम से कम 17 वर्ष की उम्र होना चाहिए।
जान लें कि अगर आपने 12वीं की पढ़ाई ठीक ढंग से की है, खासकर बायोलॉजी, फिजिक्स व केमिस्ट्री में, तो आप इस परीक्षा में बेहतर अंक प्राप्त कर सकते हैं, किंतु ध्यान रखने वाली बात यह है कि यह राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित की जाने वाली एकमात्र मेडिकल परीक्षा है। अत : कंपटीशन बेहद कठोर होता है। अत : मुश्किल तो होगी, किन्तु यह नामुमकिन कतई नहीं है! परीक्षा के माध्यम की बात करें तो हिंदी और अंग्रेजी में इसके प्रश्न दिए जाते हैं। अगर आप इस परीक्षा में पास हो जाते हैं तो ऑनलाइन इसकी काउंसलिंग होती है और नेशनल लेवल के अलावा स्टेट लेवल पर भी इसकी काउंसलिंग कंडक्ट की जाती है। इसमें अलग-अलग कैटेगरी के हिसाब से सीटों को आवंटित किया जाता है। एनटीए की ऑफिशियल वेबसाइट पर इसकी दूसरी कई जानकारियां आपको मिल जाएंगी। यहां तक कि आप मॉक टेस्ट का पेपर भी यहाँ से डाउनलोड कर सकते हैं और उस हिसाब से अपनी तैयारी को धार दे सकते हैं। कॅरियर एक्सपर्ट्स तैयारी के लिए सलाह देते हैं कि आपको काफी पहले से इस पर ध्यान देना होता है, किंतु जिस स्तर का टफ एग्जामिनेशन होता है, उसे देखते हुए आपको अंतिम के तकरीबन 2 महीने बेहद सटीकता से रिवीजन पर बिताना होगा। इसके लिए आपको न केवल स्ट्रेस से बचना होगा, बल्कि बेहतरीन तैयारी के लिए पूरी शेड्यूलिंग करके अलग-अलग सब्जेक्ट पर ध्यान देना होगा। ध्यान रहे! यह कोई साधारण एग्जामिनेशन नहीं है, इसलिए आप भिन्न एक्सपर्ट्स से मार्गदर्शन लेने में संकोच ना करें। इसमें पिछले वर्ष के टॉपर्स का इंटरव्यू आपको मिल जाएगा, जिसे आपको पढना-सुनना चाहिए। इसी प्रकार से जो दूसरे एक्सपर्ट्स हैं, उनकी राय भी आपको काफी लाभ पहुंचा सकती है। किन्तु अंत में आपका डिसिप्लिन और बेहतरीन रिवीजन के साथ मॉक टेस्ट पेपर अधिक से अधिक बार सॉल्व करना आप के लिए सबसे मददगार साबित हो सकता है। कंप्रिहेंसिव रिवीजन इसमें काफी फायदेमंद साबित होता है। इसके लिए आपको एनसीआरटी बुक्स का गहराई से अध्ययन करना चाहिए। अंत में आपको संपूर्ण सिलेबस पर ध्यान देना होता है और सिलेक्टिव टॉपिक्स को स्टडी करने से बचना है। आपको सम्पूर्ण कोर्स के अधिक से अधिक हिस्सों को, कम से कम समय में कवर करने की कोशिश करनी चाहिए। ध्यान रहे, इसका कोई शॉर्टकट नहीं है, बल्कि कड़ी मेहनत ही आपको इसमें इक्षित परिणाम दे सकती है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

तमिलनाडु में फिर बनेगी डीएमके सरकार, प्री-पोल सर्वे में 180 सीटें जीतने का दावा

सीएम के लिए स्टालिन लोगों की पसंद, टीवीके चीफ विजय पेरम्बूर से हार सकते हैं चुनाव

नई दिल्ली।

तमिलनाडु विधानसभा चुनाव को लेकर एक प्री-पोल सर्वे जारी किया गया है। इसमें डीएमके सरकार फिर से बनने का दावा किया गया है। सर्वे के मुताबिक डीएमके गठबंधन 44.9फीसदी वोट शेयर के साथ 234 में से 180 सीटें जीत सकता है। विपक्षी एआईएडीएमके गठबंधन को 54 सीटें मिलने का अनुमान लगाया गया है। इसका वोट शेयर करीब 38.5फीसदी बताया है। तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) को 9.7फीसदी वोट मिल सकता है। सर्वे में कहा गया है कि टीवीके चीफ अभिनेता विजय पेरम्बूर सीट से चुनाव हार सकते हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मौजूदा सीएम एमके स्टालिन का मुख्यमंत्री पद के लिए सबसे ज्यादा प्रभाव है। सर्वे में शामिल 60फीसदी से ज्यादा महिलाएं 5000 सहायता योजना के कारण डीएमके को समर्थन दे सकती हैं। सर्वे 7 फरवरी से 12 मार्च के बीच किया गया था। इसमें कुल 1,01,643 लोगों ने अपनी राय दी। इससे पहले एआईएडीएमके के नेतृत्व वाले एनडीए ने सोमवार को सीट बंटवारा फाइनल कर दिया। इसके तहत एआईएडीएमके 178 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। बीजेपी को 27 सीटें मिली हैं। पीएमके को 18 और एएमएमके को 11 सीटें दी गई हैं। वहीं पुडुचेरी विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस और डीएमके के बीच सीट बंटवारा हो गया है। कांग्रेस 16 सीटों पर चुनाव लड़ेगी, जबकि डीएमके को बाकी 14 सीटें दी गई हैं। डीएमके अपनी हिस्सेदारी में से इंडी गठबंधन के सहयोगियों को भी सीटें देगी। 2021 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने 14 सीटों पर चुनाव लड़ा था और 2 सीटें जीती थीं। वहीं डीएमके ने 13 सीटों पर चुनाव लड़कर 6 सीटें जीती थीं।

पश्चिम बंगाल की बात करें तो सीपीआई (एम) के नेतृत्व वाले लेफ्ट फ्रंट ने 15 उम्मीदवारों की तीसरी सूची जारी कर दी है। इस सूची में 13 सीटों पर सीपीआई(एम) के उम्मीदवार हैं, जबकि 2 सीटों पर ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक (एआईएफबी) के उम्मीदवार शामिल हैं। असम में बीजेपी-नेतृत्व वाला गठबंधन मंगलवार को से औपचारिक रूप से अपना चुनाव अभियान शुरू करेगा। इसमें पीएम मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और कई बड़े नेता रैलियों और बैठकों का नेतृत्व

करेंगे। सरमा ने कहा कि राज्य में पीएम मोदी की करीब 4 से 6 रैलियां और गृह मंत्री की करीब 8 रैलियां होंगी। मोदी और शाह के अलावा, बीजेपी अध्यक्ष नितिन नबीन और अन्य राष्ट्रीय, क्षेत्रीय नेता भी कई विधानसभा क्षेत्रों में प्रचार करेंगे।

दिल्ली विधानसभा, मेट्रो स्टेशन को बम से उड़ाने की धमकी, सुरक्षाकर्मियों ने ली तलाशी

स्पीकर और दिल्ली सीएम को मिले ई-मेल, धमकियों के बावजूद दिल्ली का बजट पेश

नई दिल्ली । दिल्ली विधानसभा स्पीकर विजेंद्र गुप्ता और विधानसभा मेट्रो स्टेशन को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। सुबह 7:49 बजे स्पीकर विजेंद्र गुप्ता को ईमेल आया और 7:28 बजे विधानसभा को ईमेल आया। ईमेल में एलजी तरनजीत संधू, पीएम मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, विदेश मिनिस्टर जयशंकर और साथ में दिल्ली के सीएम रेखा गुप्ता और कैबिनेट मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा का भी नाम लिखा। धमकी मिलने के बाद सुरक्षाकर्मी विधानसभा स्पीकर के रूम में जांच करने पहुंचे। मिली जानकारी के मुताबिक दिल्ली सीएम रेखा गुप्ता को भी धमकी से भरा ईमेल आया था। दिल्ली असेंबली में बम की धमकी वाले मेल के बाद स्निफर डॉग स्क्वाड वहां पहुंचा और जांच की। बम की धमकी वाला मेल मिलने पर बीजेपी विधायक अनिल गोयल ने कहा कि यह एक धोखा था। सब कुछ सुरक्षित है, हम बैठक के लिए जा रहे हैं। धमकियों के बावजूद दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने विधानसभा में बजट पेश किया। इस बार दिल्ली का बजट तकरीबन 1 लाख 10 हजार करोड़ का है। रेखा गुप्ता ने दूसरी बार दिल्ली का बजट पेश किया। बजट पेश करने के दौरान कई बड़े ऐलान भी किए गए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इंफ्रास्ट्रक्चर पर खर्च के लिए पीडब्ल्यूडी को 5921 करोड़, शहरी विकास के लिए 7887 करोड़, युमनापार के लिए 300 करोड़, झुग्गी के विकास लिए 800 करोड़, ग्रामीण विकास के लिए 787 करोड़, डेवलपमेन्ट डिपार्टमेंट के लिए 914 करोड़ का आवंटन किया गया है। चंद्रावल वाटर ट्रीटमेंट प्लांट के लिए 475 करोड़ का बजट रखा गया। दिल्ली में वाटर लॉगिंग के समाधान के लिए नया ड्रेनेज मास्टर प्लान लाया गया है। 610 करोड़ का बजट वाटर लॉगिंग से निपटारा पाने के लिए इरिगेशन डिपार्टमेंट को दिया गया। इसके अलावा 50 करोड़ की लागत से फ्लड प्रोटेक्शन वाल बनाने का फैसला लिया गया। स्वास्थ्य विभाग को 12746 करोड़ का बजट आवंटित किया है।

देश के कई राज्यों में गुजरते मार्च में होगी बारिश और बर्फबारी

नई दिल्ली। देश के पहाड़ी राज्यों में बारिश-बर्फबारी और मैदानी राज्यों में भी हल्की से तेज बारिश का असर है। राजस्थान में एक हफ्ते से बारिश और तेज हवा का अनुमान है। जो मार्च के अंत तक जारी रह सकता है। मौसम विभाग के मुताबिक 26 से 31 मार्च के बीच राज्य में दो अलग-अलग वेदर सिस्टम सक्रिय होने वाले हैं। मध्यप्रदेश में साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम का असर है। इसके कारण राज्य के उज्जैन, सागर, ग्वालियर-चंबल संभाग में बादल छाए। इसके कारण दिन के तापमान में गिरावट आई। 26-27 मार्च से आंधी-बारिश की संभावना है। उत्तर प्रदेश में नोएडा, गाजियाबाद, मेरठ सहित 10 जिलों में बारिश हुई। यहां तापमान सामान्य से 10 डिग्री सेल्सियस या उससे भी नीचे रहा है। मौसम विभाग के मुताबिक 26 मार्च से एक और वेस्टर्न डिस्टर्बेंस सक्रिय होगा। इससे 3-4 दिन तक पूरे प्रदेश में फिर बारिश हो सकती है। 25 मार्च को अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में बिजली गिरने की आशंका है। कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, बंगाल और सिक्किम में हल्की बारिश की संभावना। वहीं 26 मार्च को मध्य भारत, बिहार, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में हल्की बारिश की संभावना है। राजस्थान में पिछले सप्ताह शुरू हुआ आंधी-बारिश का दौर मार्च के अंत तक जारी रहेगा। मौसम विभाग ने राज्य में 26 से 31 मार्च के बीच दो अलग-अलग वेदर सिस्टम के सक्रिय होने की संभावना जाहिर की है। पिछले 24 घंटे में जयपुर, हनुमानगढ़, झुंझुनूं जिलों में बारिश हुई। दोपहर में कोटा, बारां, अजमेर में बारिश हुई।

तमिलनाडु में भूजल स्तर में गिरावट, गर्मियों में मच सकता है पानी के लिए हाहाकार

दिंडीगुल और तिरुपुर जिलों में भूजल स्तर 2.58 मीटर तक गिर गया

चेन्नई।

तमिलनाडु में भूजल स्तर में उल्लेखनीय गिरावट आई है। सरकारी जल संसाधन विभाग के अंतर्गत राज्य भूजल और सतही जल संसाधन डेटा सेंटर द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक 38 में से 29 जिलों में फरवरी में पिछले साल की इस अवधि की तुलना में भूजल स्तर में गिरावट आई है। आंकड़ों से पता चलता है कि दिंडीगुल और तिरुपुर जिलों में भूजल स्तर में सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज की गई, जहां दोनों जिलों में भूजल स्तर 2.58 मीटर तक गिर गया है। इसके बाद कोयंबटूर में 2.07 मीटर की गिरावट आई, जबकि सलेम 1.68 मीटर, धर्मपुरी 1.62 मीटर, करूर 1.54 मीटर और पेराम्बालुर 1.20 मीटर में भी भूजल स्तर में उल्लेखनीय कमी देखी गई। इन तीव्र गिरावटों से राज्य के पश्चिमी और मध्य क्षेत्रों में भूजल भंडारों पर बढ़ते दबाव का संकेत मिलता है। कई अन्य जिलों में भी मामूली गिरावट देखी गई। मदुरै में 1.27 मीटर की गिरावट दर्ज की गई, जबकि विरुधुनगर और पेरंबालूर में 1.20 मीटर की गिरावट आई। नमक्कल 1.08 मीटर और इरोड 1.10 मीटर में भी उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई। उत्तरी तमिलनाडु में तिरुवल्लूर में 0.99 मीटर और तिरुवनमलाई में 0.85 मीटर की गिरावट दर्ज की गई, जो कई क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर भूस्खलन को

दर्शाती है। इसके विपरीत तटीय और डेल्टा जिलों में अपेक्षाकृत मामूली बदलाव दर्ज किए गए। नागपट्टिनम में सबसे कम गिरावट मात्र 0.03 मीटर दर्ज की गई, इसके बाद नीलगिरि 0.04 मीटर और तिरुवरूर 0.11 मीटर का स्थान रहा, जो इन क्षेत्रों में अपेक्षाकृत स्थिर भूजल स्थिति का संकेत देता है। जल स्तर में कमी की मात्रा विशेष रूप से चिंताजनक है, क्योंकि तमिलनाडु में 2025 में 12 फीसदी ज्यादा वर्षा हुई थी। भारत मौसम विभाग के चेन्नई केंद्र के मुताबिक राज्य में सामान्य 920.9 मिमी के मुकाबले 1,027.7 मिमी बारिश दर्ज की गई। चेंगलपट्टू एकमात्र ऐसा जिला था जहां सामान्य से कम बारिश हुई, जबकि दस जिलों में सामान्य से 20 से 59 फीसदी ज्यादा बारिश हुई और एक जिले में 60 फीसदी से भी ज्यादा बारिश दर्ज की गई।

दिल्लीवासियों को लग सकता हैं करंट का झटका.....गर्मी में बढ़ सकती हैं बिजली की दरें

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली में प्रदेशवासियों के लिए बड़ी खबर आई है। अप्रैल से बिजली की दरों में बढ़ोतरी हो सकती है। दावा है कि ऐसा इसलिए होगा, क्योंकि दिल्ली सरकार तीन बिजली वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) को 38000 करोड़ रुपये से ज़्यादा के बकाया का भुगतान करने की तैयारी कर रही है। रिपोर्ट के मुताबिक दिल्ली की रेखा गुप्ता सरकार बिजली की दरों में बढ़ोतरी पर सब्सिडी देने की भी योजना बना रही है, ताकि उपभोक्ताओं पर इसका असर कम हो। पिछले साल अगस्त में सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली सरकार को निर्देश दिया था। जिसमें कहा गया था कि दिल्ली सरकार तीन निजी डिस्कॉम बीआरपीएल, बीवॉयपीएल और टीपीडीडीएल को 27200 करोड़ रुपये की कैरिंग कॉस्ट (ब्याज) सहित रेगुलेटरी एसेट्स का भुगतान 7 साल के अंदर करे। रेगुलेटरी एसेट्स वे लागतें हैं जिनकी वसूली भविष्य में होने की उम्मीद होती है। आम आदमी पार्टी के शासन के पिछले एक दशक में बिजली की दरों में कोई बढ़ोतरी न होने के कारण तेजी से बढ़ी हैं। दिल्ली बिजली नियामक आयोग (डीईआरसी) ने जनवरी में केंद्रीय एजेंसी, अपीलीय बिजली न्यायाधिकरण (एपीटीईएल) को सूचित किया कि दिल्ली में कुल रेगुलेटरी एसेट्स 38,552 करोड़ रुपये हैं। डीईआरसी की फाइलिंग के मुताबिक बकाया राशि में बीआरपीएल के लिए 19,174 करोड़ रुपये, बीवॉयपीएल के लिए 12,333 करोड़ और टीपीडीडीएल के लिए 7,046 करोड़ शामिल हैं। ये राशि डिस्कॉम द्वारा बिजली की आपूर्ति के लिए किए गए अनुमोदित खर्च है। वसूली में देरी के कारण ब्याज जमा होने से मूल रेगुलेटरी एसेट्स की राशि बढ़ गई है। शीर्ष अदालत ने डीईआरसी को वसूली योजना तैयार करने, कैरिंग कॉस्ट (ब्याज) का हिसाब रखने और लागत वसूली में हुई लंबी देरी की व्याख्या करते हुए विस्तृत ऑडिट करने का भी निर्देश दिया था। यह वसूली 7 साल की अवधि में बिजली के बिलों में रेगुलेटरी एसेट सरचार्ज बढ़ाकर किए जाने की संभावना है।

कोच्चि में हाई-सिक्योरिटी जोन के ऊपर उड़ाया ड्रोन, दो अमेरिकी हिरासत में

कोच्चि । केरल के कोच्चि में हाई-सिक्योरिटी जोन के ऊपर ड्रोन उड़ाने के आरोप में दो अमेरिकी नागरिकों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की गई है। सुरक्षा की दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्र में बिना अनुमति ड्रोन का उपयोग करना एक गंभीर उल्लंघन माना गया है। कैलिफोर्निया (अमेरिका) निवासी केटी मिशेल फेल्प्स (32) और क्रिस्टोफर रॉस हार्वे (35) को फोर्ट कोच्चि में ड्रोन उड़ाते हुए देखा गया। ये दोनों पर्यटक के तौर पर कोच्चि आए थे। पर्यटन पुलिस ने उन्हें कोस्ट गार्ड (तटरक्षक बल) मुख्यालय के पास ड्रोन से वीडियो बनाते हुए पाया, इसके बाद उन्हें तुरंत हिरासत में ले लिया गया। फोर्ट कोच्चि का यह क्षेत्र रेड जोन के अंतर्गत आता है, जहाँ किसी भी प्रकार का ड्रोन ऑपरेशन सख्त वर्जित है। एफआईआर के मुताबिक, आरोपियों ने चिल्ड्रन्स पार्क और चैरियट जंक्शन के पास ड्रोन उड़ाया। इस क्षेत्र की संवेदनशीलता के मुख्य कारण हैं भारतीय नौसेना का एक प्रमुख प्रशिक्षण संस्थान मौजूद है। यहां कोस्ट गार्ड का हेडक्वार्टर है। पुलिस ने पुष्टि की है कि ड्रोन के माध्यम से इन संवेदनशील सैन्य प्रतिष्ठानों के विजुअल भी रिकॉर्ड किए गए थे। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), एयरक्राफ्ट एक्ट और ड्रोन रूल्स की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस ने उनके पास से एक ड्रोन और एक लैपटॉप जब्त कर लिया है ताकि डेटा की जांच की जा सके। हालांकि यह मामला गंभीर है, लेकिन प्रारंभिक पूछताछ के बाद दोनों को जांच में सहयोग करने और पुलिस के सामने पेश होने का नोटिस देकर रिहा किया गया है। फोर्ट कोच्चि लोकप्रिय पर्यटन स्थल है, लेकिन सामरिक रूप से महत्वपूर्ण होने के कारण यहाँ सुरक्षा एजेंसियां हमेशा सतर्क रहती हैं। इस प्रकार की घटनाएं जासूसी या सुरक्षा में सेंध लगाने का जोखिम पैदा करती हैं। पूर्व में भी ऐसी घटनाएं हुई हैं, लेकिन विदेशी नागरिकों की संलिप्तता ने इस मामले को अधिक चर्चा में ला दिया है।

एयरलाइन पश्चिम एशिया क्षेत्र के लिए 24 निर्धारित और गैर-निर्धारित उड़ानें चलाएगा

मिडल ईस्ट में जारी तनाव के बीच यात्रियों की सुविधा के लिए उठाया अहम कदम

नई दिल्ली।

मिडल ईस्ट में जारी तनाव के बीच एयर इंडिया ग्रुप ने अपने यात्रियों की सुविधा के लिए अहम कदम उठाया है। एयरलाइन ने ऐलान किया है कि वह पश्चिम एशिया क्षेत्र के लिए 24 निर्धारित और गैर-निर्धारित उड़ानें चलाएगी। यह फैसला ऐसे समय में लिया गया है जब क्षेत्र में अस्थिरता के कारण कई हवाई मार्ग निलंबित हैं। एक प्रेस विज्ञप्ति में एयरलाइन ने बताया कि सेवाएं संयुक्त रूप से एयर इंडिया और उसकी कम लागत वाली सहायक कंपनी एयर इंडिया एक्सप्रेस द्वारा संचालित की जाएंगी जो मंगलवार को संयुक्त अरब अमीरात के लिए अतिरिक्त गैर-निर्धारित सेवाओं के साथ-साथ जेद्दा और मस्कट के लिए नियमित उड़ानें भरेंगी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दोनों वाहक जेद्दा के लिए और वहां से अपनी तय उड़ानें संचालित करना जारी रखेंगे, जिससे भारत और सऊदी अरब के बीच कुल दस आवागमन होंगे। एयर इंडिया ने कहा कि वह दिल्ली से एक वापसी सेवा और मुंबई से दो सेवाएं संचालित करेगी, जबकि एयर इंडिया एक्सप्रेस हैदराबाद और कोझिकोड से एक-एक उड़ान चलाएगी। यह बजट वाहक दिल्ली और मुंबई से मस्कट के लिए चार तय उड़ानें भी चलाएगी।

रिपोर्ट के मुताबिक समूह ने स्लॉट की उपलब्धता और स्थानीय परिस्थितियों के आधार पर यूएई के मार्गों के लिए दस गैर-निर्धारित उड़ानों की घोषणा की। दुबई में वर्तमान में कोई नियमित निर्धारित उड़ानें नहीं हैं, लेकिन दोनों एयरलाइनों द्वारा दिल्ली के लिए तदर्थ सेवाएं जारी हैं। अबू धाबी में केवल एयर इंडिया एक्सप्रेस द्वारा दिल्ली, कोझिकोड और मुंबई के लिए तदर्थ उड़ानें संचालित की जा रही हैं। विशेष रूप से रास अल खैमाह, शारजाह और अल ऐन के लिए सभी उड़ानें निलंबित हैं।

ओमान में मस्कट में नियमित सेवाएं जारी हैं, जबकि सलालाह के लिए सभी उड़ानें रोक दी गई हैं। सऊदी अरब में, जेद्दा में तय परिचालन सक्रिय है, लेकिन रियाद और दम्मम के लिए सभी उड़ानें निलंबित हैं। बहरीन, दोहा, कुवैत सिटी और तेल अवीव के लिए कोई निर्धारित या तदर्थ सेवाएं नहीं हैं। एयरलाइन ने स्पष्ट किया कि उत्तरी अमेरिका, यूरोप, ऑस्ट्रेलिया और अन्य वैश्विक गंतव्यों के लिए एयर इंडिया द्वारा संचालित सभी लंबी दूरी की उड़ानें जारी हैं।

रिपोर्ट में विवरण के मुताबिक निलंबित मार्गों पर बुक किए गए यात्री बिना किसी अतिरिक्त लागत के अपनी यात्रा को बाद की तारीख के लिए री-बुक कर सकते हैं या पूर्ण रिफंड का विकल्प चुन सकते हैं। एयर इंडिया के ग्राहक आधिकारिक वेबसाइट के जरिए री-बुकिंग या रद्दीकरण के अनुरोध जमा कर सकते हैं या सात दिन 24 घंटे ग्राहक सेवा नंबरों पर संपर्क कर सकते हैं। एयर इंडिया एक्सप्रेस के यात्रियों के लिए, जो लोग यूएई से यात्रा कर रहे हैं, वे बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के भारत के लिए उपलब्ध किसी भी अतिरिक्त वाणिज्यिक उड़ान पर री-बुक कर सकते हैं। बयान के मुताबिक एयर इंडिया ग्रुप ने कहा कि वह नियामक मंजूरी और परिचालन की व्यवहार्यता के अधीन, पश्चिम एशिया के लिए और वहां से ज़्यादा एड-हॉक उड़ानें संचालित करने के अवसरों का आकलन कर रहा है।

हरियाणा में भीषण सड़क दुर्घटना: पिता और तीन मासूम बेटियों की मौत, मां गंभीर घायल

बाइक के परखच्चे उड़ गए और परिवार के सदस्य दूर तक जा गिरे

हिसार । हरियाणा के हिसार जिले में सोमवार देर शाम एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ, जिसमें एक ही परिवार के चार सदस्यों की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, परिवार अपनी मोटरसाइकिल पर सवार होकर किसी रिश्तेदारी जा रहा था। इसी दौरान मुख्य मार्ग पर सामने से आ रही तेज रफ्तार पिकअप ने उन्हें सीधे टक्कर मार दी। स हादसे में पिता और उनकी तीन छोटी बेटियों की मौके पर ही मौत हो गई। बच्चों की मां गंभीर रूप से घायल हुई हैं और उन्हें नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक के परखच्चे उड़ गए और परिवार के सदस्य सड़क पर दूर तक जा गिरे। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुँची और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल भेजा। पुलिस ने अज्ञात पिकअप चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर दिया है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज और चश्मदीदों की मदद से आरोपी की तलाश कर रही है। इस हादसे ने सड़क सुरक्षा के प्रति हमारी लापरवाही को उजागर किया है। एक ही मोटरसाइकिल पर पांच लोगों का सवार होना न केवल नियमों का उल्लंघन है, बल्कि आपातकालीन स्थिति में वाहन का संतुलन बनाए रखना भी असंभव बना देता है। विशेषज्ञों का कहना है कि हेलमेट पहनना, नियमों का पालन और वाहन की क्षमता के अनुसार ही सवारी करना जीवन रक्षा के लिए अनिवार्य है।

अब सेना में डेढ़ साल में बनेंगे जवान से अफसर, चार साल की नहीं होगी ट्रेनिंग

सेना में अधिकारियों के करीब 8000 से ज़्यादा पद खाली

नई दिल्ली।

भारतीय सेना में अब जवान से अफसर बनने का रास्ता आसान हो गया है। खास तौर पर ग्रेजुएट जवानों को इस नए नियम से सीधा फायदा होगा। अब उन्हें अफसर बनने के लिए चार साल की लंबी ट्रेनिंग नहीं करनी होगी, बल्कि सिर्फ डेढ़ साल में ही यह सपना पूरा हो जाएगा। यह बदलाव सेना की नई रणनीति का हिस्सा है, जिसका मकसद अफसरों की कमी को पूरा करना है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सेना में लंबे समय से अफसरों की कमी है। अधिकारियों के करीब 8000 से ज़्यादा पद खाली बताए जाते हैं। इससे यूनिट्स की लीडरशिप प्रभावित होती है। यही कारण है कि अब सेना ने अनुभवी जवानों पर भरोसा जताया है। जो जवान पहले से सेवा में हैं, उन्हें आगे बढ़ने का मौका मिलेगा। आर्मी कैडेट कोर कॉलेज एंट्री में भी बड़ा बदलाव आया है।

आर्मी कैडेट कॉलेज एंट्री स्कीम में भी बड़ा बदलाव किया गया है। अब तक एसीसी के जरिए अफसर बनने के लिए तीन साल की पढ़ाई और एक साल की ट्रेनिंग होती थी यानी कुल चार साल का समय लगता था। अब ग्रेजुएट जवानों के लिए यह नियम बदल गया है। उन्हें 3 साल की पढ़ाई नहीं करनी होगी। अब पूरी प्रक्रिया सिर्फ डेढ़ साल में पूरी होगी।

हालांकि 12वीं पास जवानों के लिए पुराना नियम जारी रहेगा। इस फैसले से जवानों का करियर तेजी से आगे बढ़ेगा। अनुभवी जवान जल्दी नेतृत्व संभाल सकेंगे और यह बदलाव जवानों का मनोबल भी बढ़ाएगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

नेपाल की नदी में दो भारतीय किशोर लापता

पालपा, एजेंसी। नेपाल के पालपा जिले में रविवार को एक नदी में तैरते समय भारत के दो किशोर कथित तौर पर बह गए। उत्तर प्रदेश के संत कबीर नगर के रहने वाले 17 वर्षीय फरान अंसारी और अमन अंसारी तिनाऊ नदी में तैरते समय लापता हो गए। सरकारी दैनिक गोरखापत्र ने पालपा जिला पुलिस सूत्रों के हवाले से यह खबर दी है। ये दोनों किशोर भारत से आए सात युवकों के एक समूह का हिस्सा थे, जो तानसेन नगरपालिका के तिनाऊ नदी तट पर आए थे। जिला पुलिस कार्यालय के सूचना अधिकारी होम प्रकाश चौधरी ने बताया कि उनमें से दो नदी के बहाव में बह गए। तलाशी अभियान शुरू किया गया लेकिन रविवार शाम तक कोई नहीं मिला। यह नदी नेपाल और भारत के तैराकों के बीच प्रसिद्ध है और कई लोग यहां मनोरंजन के लिए आते हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, इस नदी में इस तरह की दुर्घटनाएं अक्सर होती रहती हैं।

इस्तांबुल में गैस विस्फोट के कारण दो इमारतें ढहने से एक शख्स की मौत

फातिह, एजेंसी। इस्तांबुल के मध्य फातिह जिले में प्राकृतिक गैस विस्फोट के कारण रविवार को दो इमारतें ढह गईं, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई। इस्तांबुल के गवर्नर कार्यालय द्वारा जारी एक बयान के अनुसार खोज और बचाव कर्मियों ने 10 घायलों को बाहर निकाला, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया, जिनमें से एक की हालत गंभीर है। राज्यपाल दावुत गुल ने विस्फोट स्थल का दौरा किया और अस्पताल में बचे लोगों का हालचाल पूछा।

वेस्ट बैंक में चार फलस्तीनियों की मौत के बाद गाड़ियां में तोड़फोड़ और आगजनी

वेस्ट बैंक , एजेंसी। इस्राइल के कब्जे वाले वेस्ट बैंक में इस्राइली बस्तियों में रहने वालों ने शनिवार की रात और रविवार की सुबह कई फलस्तीनी गांवों में उत्पात मचाया। इन लोगों ने कारों को तोड़ा, उनमें आग लगाई और कई लोगों को घायल कर दिया। फलस्तीनी आधिकारिक समाचार एजेंसी वाफा ने रविवार को कम से कम छह समुदायों में हुए हमलों की सूचना दी। फलस्तीनी रेड क्रिसेंट सोसाइटी ने बताया कि जलुद गांव में कम से कम तीन फलस्तीनियों को मारपीट से सिर में चोटें आईं और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। उन्होंने बस्तीवासियों का सामना किया, जिनमें से कुछ घायल हो गए। यह हिंसक घटना उस दिन के एक दिन बाद हुई जब दो गांवों के पास के इलाके में एक फलस्तीनी वाहन से टक्कर में 18 वर्षीय इस्राइली निवासी की मौत हो गई थी। पुलिस ने कहा कि वे निवासियों के इस दावे की जांच कर रहे हैं कि टक्कर जानबूझकर की गई थी ।गौरतलब है कि इस्राइली सरकार वेस्ट बैंक में नई बस्तियां बसाने का काम भी आगे बढ़ा रही है। ईरान युद्ध शुरू होने के बाद से हिंसा में व्यापक वृद्धि के साथ-साथ बस्तियों में बसने वालों के हमले भी तेज हो गए हैं। इससे पहले अस्पताल अधिकारियों ने बताया कि रविवार को गाजा पट्टी में इस्राइली हमलों में चार फलस्तीनी मारे गए।

हमलों के बीच ईरान का बयानः होर्मुज स्ट्रेट बंद नहीं, पर सुरक्षा नियम सख्त

तेहरान , एजेंसी। अमेरिका और इजरायल के लगातार हमलों के बीच ईरान के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि होर्मुज स्ट्रेट बंद नहीं है और इस जलमार्ग में नौवहन जारी है। हालांकि, उसने कहा कि युद्ध जैसी परिस्थितियों के कारण जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, ईरानी विदेश मंत्रालय ने कहा कि ईरान ने हमेशा नौवहन की स्वतंत्रता, समुद्री सुरक्षा और बचाव का सम्मान किया है। उसने सालों से इन सिद्धांतों को बनाए रखने के लिए काम किया है। मंत्रालय ने कहा कि ईरान के खिलाफ अमेरिकी और इजरायली सैन्य हमलों के बाद खाड़ी और होर्मुज स्ट्रेट पर एक खतरनाक स्थिति पैदा हो गई है, जिसका सीधा असर क्षेत्रीय समुद्री सेफ्टी और सिक्योरिटी पर पड़ रहा है। आत्मरक्षा के अपने कानूनी अधिकार का दावा करते हुए ईरान ने कहा कि उसने क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य ठिकानों और सुविधाओं को निशाना बनाया है। साथ ही, उसने यह सुनिश्चित करने के लिए कई कदम उठाए हैं कि आक्रमणकारी और उनके समर्थक देश के खिलाफ अपने मकसद को पूरा करने के लिए स्ट्रेट का गलत इस्तेमाल न कर सकें। ईरानी विदेश मंत्रालय ने पुष्टि की कि उसने आक्रमणकारियों से जुड़े या उनके साथ संबद्ध जहाजों के गुजरने को अंतरराष्ट्रीय कानून के स्थापित सिद्धांतों के तहत रोका है। उसने कहा कि दूसरे देशों के या उनसे जुड़े गैर-दुश्मन जहाज, ईरानी अधिकारियों के साथ कोऑर्डिनेशन में स्ट्रेट से सुरक्षित रास्ता बना सकते हैं, बशर्ते उन्होंने ईरान के खिलाफ आक्रामक कार्रवाइयों में हिस्सा न लिया हो या उनका समर्थन न किया हो, साथ ही बताए गए सेफ्टी और सिक्योरिटी रेगुलेशन का पालन किया हो। मंत्रालय ने कहा कि स्ट्रेट में स्थायी सुरक्षा और स्थिरता की बहाली के लिए जरूरी है कि ईरान विरोधी सैन्य हमले और धमकियां बंद हों, अमेरिका और इजरायल की अस्थिर करने वाली गतिविधियां रुकें, और ईरान के वैध हितों का पूरा सम्मान किया जाए।

नाटो प्रमुख ने अमेरिकी हमलों का समर्थन किया,

ईरान के खतरे को लेकर चेतावनी दी

वॉशिंगटन, एजेंसी। नाटो के महासचिव मार्क रुट्टे ने ईरान के खिलाफ अमेरिका की कार्रवाई का समर्थन किया और चेतावनी दी कि ईरान ऐसी मिसाइल क्षमताएं विकसित करने के 'बहुत करीब' है जो यूरोप के लिए खतरा बन सकती हैं। उन्होंने यह बयान उस समय दिया जब नाटो हिंद महासागर में स्थित एक अमेरिका-ब्रिटेन सैन्य अड्डे पर लंबी दूरी के हमले की रिपोर्टों का आकलन कर रहा है। नाटो के महासचिव मार्क रुट्टे ने फेस द नेशन पर बोलते हुए कहा कि नाटो अभी इस दावे की पुष्टि नहीं कर सका है कि ईरान ने डियागो गार्शिया पर मिसाइल दागी है लेकिन यदि यह सच साबित होता है तो इसके गंभीर निहितार्थ होंगे। उन्होंने कहा, 'हम इस समय इसकी पुष्टि नहीं कर सकते, इसलिए हम इसकी जांच कर रहे हैं। लेकिन अगर यह सच हुआ, तो यह इस बात का और सबूत होगा कि राष्ट्रपति ट्रंप जो कर रहे हैं... वह बेहद महत्वपूर्ण है। 'रुट्टे ने कहा कि ईरान प्रमुख यूरोपीय शहरों पर हमला करने की क्षमता के करीब पहुंच रहा है। 'हमें यह निश्चित रूप से पता है कि वे उस क्षमता के बहुत करीब हैं,' उन्होंने ईरानी मिसाइलों की संभावित मारक क्षमता का जिक्र करते हुए कहा।

उन्होंने चेतावनी दी कि यदि ईरान के पास परमाणु और मिसाइल दोनों क्षमताएं हो गईं, तो यह वैश्विक स्तर पर गंभीर खतरा बन जाएगा। 'अगर ईरान के पास परमाणु क्षमता होती है और वह मिसाइल क्षमता के साथ जुड़ जाती है, तो यह इज़राइल, क्षेत्र, यूरोप और वैश्विक स्थिरता के लिए एक सीधा और अस्तित्वगत खतरा होगा,' उन्होंने कहा।

नाटो प्रमुख ने ईरान की सैन्य क्षमताओं को कमजोर करने के अमेरिकी प्रयासों का समर्थन करते हुए कहा कि देरी महंगी साबित हो सकती है। उत्तर कोरिया का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा, 'अगर हम बहुत लंबी बातचीत करते रहे, तो वह समय निकल

सकता है जब इसे रोका जा सकता था।'

उनकी ये टिप्पणियां उस समय आईं जब डोनाल्ड ट्रंप ने नाटो सहयोगियों की आलोचना की थी कि वे अमेरिकी अभियानों, खासकर होर्मुज जलडमरूमध्य में समुद्री मार्गों की सुरक्षा में पर्याप्त योगदान नहीं दे रहे हैं।

रुट्टे ने इस नाराज़गी को स्वीकार किया लेकिन कहा कि अब सहयोगी देशों के बीच समन्वय शुरू हो गया है। उन्होंने बताया कि 22 देशों जिनमें नाटो सदस्य और साझेदार जैसे जापान, दक्षिण कोरिया, आस्ट्रिलया और खाड़ी देश शामिल हैं, ने इस जलडमरूमध्य में सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने की पहल में हिस्सा लिया है।

उन्होंने कहा, 'इन तीन सवालों पर काम हो रहा ह-हमें क्या चाहिए, कब चाहिए और कहां चाहिए ताकि जलडमरूमध्य में स्वतंत्र आवाजाही सुनिश्चित की जा सके।'

रुट्टे ने यह भी बताया कि सैन्य तैनाती की समयसीमा अभी चर्चा में है और योजनाकार इस पर काम कर रहे हैं। 'सबसे महत्वपूर्ण सवालों में से एक है-कब,' उन्होंने कहा।

जब उनसे पूछा गया कि क्या अमेरिकी दबाव नाटो की एकता को प्रभावित कर सकता है, तो रुट्टे ने कहा कि संकट के समय गठबंधन हमेशा एकजुट हुआ है। उन्होंने यूक्रेन के मुद्दे पर सहयोग और रक्षा खर्च बढ़ाने के फैसलों का भी उल्लेख किया।

यूक्रेन के मुद्दे पर, उन्होंने अमेरिकी कूटनीति का बचाव करते हुए कहा कि अमेरिका विभिन्न हितों के बीच संतुलन बनाने की कोशिश कर रहा है और युद्ध के समाधान की दिशा में प्रयास कर रहा है।

'उन्हें इन सभी अलग-अलग हितों के बीच संतुलन बनाना होता है। यूक्रेन युद्ध को सफलतापूर्वक समाप्त करने का उनका प्रयास बेहद महत्वपूर्ण है,' रुट्टे ने कहा।

शहबाज सरकार ने लग्जरी वाहनों में इस्तेमाल होने वाले ईंधन पर टैक्स बढ़ाने को मंजूरी दी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पश्चिम एशिया में छिड़े संघर्ष की वजह से होर्मुज जलडमरूमध्य में ऊर्जा संसाधनों से लदे कई वाणिज्यिक जहाज फंसे हुए हैं। इस बीच पाकिस्तान ने हाई-ऑक्टेन ईंधन की कीमत में भारी बढ़ोतरी करते हुए इसे 100 पाकिस्तानी रुपये से बढ़ाकर 300 रुपये प्रति लीटर कर दिया है। एआरवाई न्यूज के अनुसार, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने लग्जरी वाहनों में इस्तेमाल होने वाले इस ईंधन पर टैक्स बढ़ाने को मंजूरी दे दी है।

यह फैसला रविवार को एक उच्च स्तरीय बैठक में लिया गया, जिसकी अध्यक्षता खुद प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने की। बैठक में ईंधन कीमतों और आर्थिक राहत से जुड़े मुद्दों की समीक्षा की गई। इसमें कानून एवं न्याय मंत्री आजम नजीर तरार, वित्त मंत्री मुहम्मद औरंगजेब, सूचना एवं प्रसारण मंत्री अत्ताउल्लाह तरार और पेट्रोलियम मंत्री अली परवेज मलिक सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

पाकिस्तान में फूटा महंगाई बम : रिपोर्ट के अनुसार, हाई-ऑक्टेन ईंधन की कीमत में इस बढ़ोतरी का असर सार्वजनिक परिवहन और हवाई यात्रा के किराए पर नहीं पड़ेगा। पाकिस्तान सरकार ने इससे पहले 6 मार्च को भी वैश्विक तेल कीमतों में उछाल के चलते पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 55

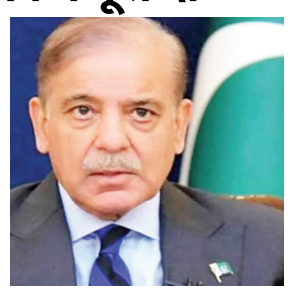

रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की थी।

यह उछाल अमेरिका-इस्राइल और ईरान के बीच जारी युद्ध के कारण घरेलू ऊर्जा लागत पर दबाव बढ़ने से आया था। उस समय पेट्रोल की कीमत 266.17 रुपये से बढ़ाकर 321.17 रुपये प्रति लीटर कर दी गई थी, जबकि डीजल की कीमत 280.86 रुपये से बढ़ाकर 335.86 रुपये प्रति लीटर कर दी गई थी।

सरकार पहले भी बढ़ा चुकी है तेल की कीमतें : इस बढ़ोतरी की घोषणा पेट्रोलियम मंत्री अली परवेज मलिक ने उप प्रधानमंत्री इशाक डार और वित्त मंत्री मुहम्मद औरंगजेब के साथ एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में की थी। वहीं, 10 मार्च को जेट फ्यूल की कीमतों में बढ़ोतरी के बाद पाकिस्तानी एयरलाइंस ने भी किराया बढ़ा दिया था। एयरलाइन सूत्रों के मुताबिक, घरेलू उड़ानों के टिकट में 2800 से 5000 रुपये तक की बढ़ोतरी हुई, जो कराची से लाहौर, इस्लामाबाद और अन्य शहरों के लिए लागू है।

उड़ान के दौरान महिला की मौत, 13 घंटे शव के साथ यात्रा को मजबूर हुए यात्री

लंदन, एजेंसी। हांगकांग से लंदन जा रहे ब्रिटिश एयरवेज की उड़ान में रविवार को एक महिला यात्री की मौत हो गई। उसकी उम्र 60 वर्ष के आसपास थी। महिला के शव को विमान के पीछे हिस्से में रख दिया गया जहां की फर्श गर्म थी। 13 घंटे से अधिक की उड़ान में शव से बदबू आने लगी। इससे यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा लेकिन पायलट ने आपात लैंडिंग कराने के बजाय यात्रा जारी रखी।

ब्रिटिश एयरवेज की फ्लाइट बीए32 के हांगकांग से उड़ान भरने के एक घंटे बाद ही महिला यात्री की मौत हो गई। फॉक्स न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, एयरबस ए350-1000 में चालक दल के सदस्यों के साथ 331 यात्री सवार थे। महिला की मौत के बावजूद पायलटों ने मार्ग बदलने या हांगकांग लौटने के बजाय हीथ्रो हवाईअड्डे तक यात्रा जारी रखने का फैसला किया। चालक दल के सदस्यों ने पहले शव को शौचालय में रखने पर विचार किया। बाद में शव को पीछे रसोई घर में ले जाया गया।

लैंडिंग के बाद 45 मिनट पुलिस ने की विमान की जांच : सूत्र के हवाले से फॉक्स न्यूज ने अपनी रिपोर्ट में बताया, कर्मचारियों ने इस तथ्य को नजरअंदाज कर दिया कि रसोई घर का फर्श गर्म था। आरोप है कि गर्मी के कारण तीखी गंध उत्पन्न हुई और उड़ान के दौरान केबिन के पिछले हिस्से में फैल गई। कई यात्रियों ने विमान के उस हिस्से से दुर्गंध आने की शिकायत की। लैंडिंग के बाद पुलिस विमान में चढ़ी और सभी यात्रियों को अपनी सीटों पर बैठे रहने के लिए कहा। लगभग 45 मिनट तक पुलिस ने विमान की जांच की।

यात्री की मौत को नहीं माना जाता चिकित्सा आपातकाल : यात्री की मृत्यु को आमतौर पर चिकित्सा आपातकाल नहीं माना जाता है। शव को आमतौर पर बॉडी बैग में रखा जाता है या गर्दन तक कंबल से ढक दिया जाता है। यदि संभव हो तो शव को विमान के किसी कम महत्वपूर्ण क्षेत्र में, जैसे कि खाली सीट या किसी अन्य अनुभाग में ले जाने का प्रयास किया जाता है। यदि उड़ान पूरी तरह से भरी हुई है तो शव को उसकी मूल सीट पर वापस रखा जा सकता है।

इमरान खान से बेटे कासिम ने की जेल में मुलाकात

पूर्व पीएम का सुनाया संदेश, कहा जजों को शर्म आनी चाहिए

इस्लामाबाद, एजेंसी। जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के स्वास्थ्य को लेकर तमाम आशंकाओं के बीच उनके बेटे कासिम खान ने जेल में मुलाकात की है। उनकी सेहत बिगड़ने की खबरों के बीच इमरान खाने के बेटे सुलेमान और कासिम खान ने सरकार पर मानवाधिकारों के हनन का आरोप लगाया था। अब जेल में मुलाकात करने के बाद कासिम खान ने एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए अपने पिता का संदेश लोगों के सामने रखा है।

इमरान खान का संदेश

कासिम ने इमरान खान का संदेश बताते हुए लिखा, इस देश में जजों को शर्म आनी चाहिए। हम कई बार न्यायपालिका के पास गए लेकिन वे तो अपनी आत्मा बेच चुके हैं। उन्हें एकता और अखंडता की कोई परवाह नहीं है। उन्हें पता है कि वे मुझे नहीं तोड़ सकते थे और इसलिए मेरी पत्नी को टारगेट करने लगे। इस तरह से आखिर बूशरा बीबी के साथ अमानवीय व्यवहार कैसे किया जा सकता है। यह सब मुझे ब्लैकमेल करने के लिए किया जा रहा है।

इमरान खाने के हवाले से कासिम ने लिखा, मुझसे 30 मिनट की मुलाकात के लिए उन्हें 24 घंटे आइसोलेशन में रहना पड़ता है। किसी भी महिला को नुकसान पहुंचाना इस्लाम के खिलाफ है। लेकिन उन लोगों का उद्देश्य हमें पता है। जिन जजों पर समाज में न्याय की जिम्मेदारी है, वही गद्दारी कर रहे हैं। उन्हें खुद पर शर्म आनी चाहिए।

बता दें कि इमरान खान के दोनों बेटे लंदन में रहते हैं। उन्होंने दावा किया था कि उनके पिता की दाहिनी आंख की रोशनी बेहद कम हो गई है और जेल प्रशासन उनका इलाज भी नहीं करवा रहा है। उन्होंने रॉयटर्स को दिए इंटरव्यू में यहां तक कहा था कि उनका वीजा भी क्लियर नहीं हो रहा है। वह पाकिस्तान जाना चाहते हैं लेकिन सरकार को डर है कि इससे दुनिया का ध्यान इमरान खान की ओर चला जाएगा। हालांकि बाद में कासिम खान को पाकिस्तान का वीजा मिल गया और वह जेल में इमरान खान से मुलाकात कर पाए।

बीते दिनों पाकिस्तान-तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी के वकील लतीफ खोसा ने इस्लामाबाद हाई कोर्ट में खान को रावलपिंडी की अदियाला जेल से इस्लामाबाद के शीफा अंतरराष्ट्रीय अस्पताल में आंखों के उपचार के लिए स्थानांतरित करने की मांग की थी। खान पिछले साल अक्टूबर से दाहिनी आंख की बीमारी से पीड़ित बताए जा रहे हैं और उनका उपचार चल रहा है। सरकार के अनुसार, चिकित्सा उपचार के बाद उनकी आंख और दृष्टि दोनों में सुधार हुआ है। 72 वर्षीय खान अगस्त 2023 से जेल में हैं और अल कादिर ट्रस्ट भ्रष्टाचार मामले में अदियाला जेल में सजा काट रहे हैं।

न्यूयॉर्क के एयरपोर्ट पर विमान और ट्रक की टक्कर

न्यूयॉर्क , एजेंसी। अमेरिका के न्यूयॉर्क में ला गार्डिया एयरपोर्ट पर एक बड़ा हादसा हो गया, जिसके बाद एयरपोर्ट को बंद करना पड़ा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, एयर कनाडा एक्सप्रेस का एक विमान लैंडिंग के समय रनवे पर एक फायर ट्रक से टकरा गया। यह फ्लाइट मॉन्ट्रियल से आ रही थी।

हादसे में कई लोग घायल हुए हैं। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, कुछ फायरफाइटर्स और विमान में सवार यात्री घायल हुए, जिनमें कुछ की हालत गंभीर है। हालांकि अभी पूरी जानकारी साफ नहीं है। हादसे से पहले एयर ट्रैफिक कंट्रोल ने विमान और ग्राउंड वाहन दोनों को रुकने के लिए कहा था, लेकिन फिर भी टक्कर हो गई।

इस घटना के बाद फेडरल

एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन ने एयरपोर्ट पर सभी फ्लाइट्स रोक दीं और जांच शुरू कर दी गई है। जानकारी के मुताबिक सोमवार देर रात विमान ट्रक से टकराया। हादसे के बाद तुरंत लोगों को निकालने का अभियान चलाया गया। नोटिस के मुताबिक यूएस फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन ने एयरपोर्ट पर सभी विमानों के लिए ग्राउंड स्टॉप जारी कर दिया।अब सवाल है कि आखिर इतने सुरक्षित एयरपोर्ट पर इस तरह का हादसा कैसे हो गया। एएफपी की रिपोर्ट के मुताबिक इस घटना की जानकारी भी फायर फाइटर्स ने ही सबसे पहले दी थी। इस घटना के बाद सोशल मीडिया पर कई वीडियो वायरल हो रहे हैं।

लैंडिंग के वक्त हुआ हादसा : शुरुआती जानकारी के मुताबिक एयर कनाडा का विमान एयरपोर्ट पर उतर रहा था। तभी रनवे पर खड़े एक ग्राउंड वाहन से उसकी टक्कर हो गई। हादसे के बाद ही ग्राउंड स्टाफ और एयरपोर्ट पर अफरा-तफीर मच गई। तुरंत राहल बचाव दल मौके पर पहुंचा और घायलों को अस्पताल ले जाया गया।

आखिर कैसे हुआ हादसा? : अब जांच अधिकारी पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि आखिर इस तरह का हादसा कैसे हो गया। जाहिर सी बात है कि रनवे पर फायर ट्रक की मौजूदगी और उधर विमान का लैंड करना एक असामान्य घटना है। अधिकारियों का कहना है कि पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि किसी चूक की वजह से ऐसा हुआ या फिर किसी की लापरवाही की वजह से।एयर कनाडा, एफएए और न्यूयॉर्क फायर डिपार्टमेंट ने फिलहाल इस हादसे पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। बता दें कि ला गार्डिया एयरपोर्ट न्यूयॉर्क का एक बड़ा एयरपोर्ट है जहां से बड़ी संख्या में घरेलू विमानों का संचालन होता है। इस एयरपोर्ट के कुछ समय के लिए बंद होने से भी हवाई यातायात पर बड़ा फर्क पड़ेगा।

यूएस ने दी ग्लोबल वॉर्निंग, ईरान समर्थक बना सकते हैं अमेरिकियों को निशाना

वाशिंगटन , एजेंसी। ईरान के साथ जारी युद्ध के बीच अमेरिका ने अपने नागरिकों के लिए चेतावनी जारी की है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने आगाह किया है कि ईरान समर्थक अमेरिका के नागरिकों पर हमला कर सकते हैं। यह बयान ऐसे समय पर आया है, जब अमेरिका ने संकेत दिए हैं कि वह युद्ध से पीछे नहीं हटेगा। वहीं, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को लेकर ईरान को 48 घंटे का अल्टीमेटम दिया है।

क्या है चेतावनी : अमेरिका के विदेश मंत्रालय ने लिखा, 'विदेश मंत्रालय दुनिया भर में, और विशेष रूप से मिडल ईस्ट में रहने वाले अमेरिकियों को अत्यधिक सावधानी बरतने की सलाह देता है। विदेश में रह रहे अमेरिकियों को पास के अमेरिकी दूतावास या वाणिज्य दूतावास द्वारा जारी सुरक्षा चेतावनियों का पालन करना चाहिए। हवाई क्षेत्र के समय-समय पर बंद होने के कारण यात्रा में बाधाएं आ सकती हैं।' आगे कहा गया, 'मिडल ईस्ट के बाहर स्थित अमेरिकी राजनयिक केंद्रों को भी निशाना बनाया गया है। ईरान समर्थक समूह दुनिया भर में अन्य अमेरिकी हितों, ठिकानों या अमेरिकियों को निशाना बना सकते हैं।'

युद्ध चलते रहने के संकेत : अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट के बयान से संकेत मिलते हैं कि अमेरिका इस युद्ध से पीछे नहीं हटेगा। उन्होंने रविवार को कहा कि ईरान पर अमेरिका-इजरायल के हमले स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर उसकी किलेबंदी को तबाह करना है। ट्रंप अमेरिका के लक्ष्यों को हासिल करने के लिए जो भी कदम उठाने जरूरी होंगे, उठाएंगे।

बेसेंट ने रविवार को एनबीसी के

'मीट द प्रेस' कार्यक्रम में कहा कि इन लक्ष्यों में ईरान की वायुसेना और नौसेना को नष्ट करना, उसे परमाणु हथियार बनाने से रोकना और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शक्ति प्रदर्शन करने की उसकी क्षमता को खत्म करना शामिल है।

बेसेंट ने कहा, होर्मुज के किनारे ईरानी किलेबंदी को कमजोर करने के लिए सैन्य संपत्तियों का उपयोग करने का अभियान तब तक जारी रहेगा जब तक वे पूरी तरह से ध्वस्त नहीं हो जाते। कभी-कभी आपको तनाव कम करने के लिए तनाव बढ़ाना पड़ता है।

तेल की कीमतें बढ़ेंगी : युद्ध के चौथे सप्ताह में कच्चे तेल की ऊंची कीमतें अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर रही हैं। अमेरिका में नियमित गैसोलीन की औसत कीमत एक महीने पहले की तुलना में 34% अधिक है। यूनाइटेड एयरलाइंस के सीईओ ने चेतावनी दी है कि तेल की कीमतें 175 डॉलर प्रति बैरल तक जा सकती हैं।

बेसेंट ने कहा कि चलिए मान लेते हैं कि 50 दिनों तक कीमतें अस्थायी रूप से बढ़ी रहेंगी। लेकिन इसके बदले में 50 वर्षों तक परमाणु हथियार वाले ईरानी शासन का खतरा नहीं रहेगा। कीमतें फिर कम हो जाएंगी। तेल की कीमतें कब तक कम होंगी, इस बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि, मुझे नहीं पता कि इसमें 50 दिन लगेंगे या सौ दिन लगेंगे?

युद्ध के बीच ट्रंप-नेतन्याहू से बोले पहलवी: ईरान इस्लामी गणराज्य नहीं, मौजूदा शासन को उखाड़ फेंके

तेहरान, एजेंसी। ईरान के निर्वासित राजकुमार रजा पहलवी ने शनिवार को एक बड़ा बयान दिया। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि ईरान इस्लामिक गणराज्य नहीं हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि ईरान में मौजूदा शासन को पूरी तरह खत्म किया जाना चाहिए। पहलवी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से एक खास अपील की। उन्होंने कहा कि वे केवल शासन और दमन करने वाले तंत्र को ही निशाना बनाएं। उन्होंने अनुरोध किया कि आम जनता की सुविधाओं और बुनियादी ढांचे को कोई नुकसान न पहुंचाया जाए।

क्या बोले रजा पहलवी ?

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी पोस्ट में पहलवी ने लिखा कि ईरान का बुनियादी ढांचा वहां के लोगों का है। यह आजाद ईरान के भविष्य के लिए बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा इस्लामी गणराज्य का ढांचा दमन और आतंक का वह तंत्र है जिसका इस्तेमाल उस भविष्य को साकार होने से रोकने के लिए किया जाता है। ईरान की रक्षा की जानी चाहिए। इस शासन को उखाड़ फेंकना होगा।

पहलवी ने आगे कहा मैं राष्ट्रपति ट्रम्प और प्रधानमंत्री नेतन्याहू से आग्रह करता हूं कि वे शासन और उसके दमनकारी तंत्र को निशाना बनाना जारी रखें, जबकि ईरानियों को अपने देश के पुनर्निर्माण के लिए आवश्यक नागरिक ढांचे को बख्श दें। अमेरिका और इस्राइल के समर्थन से, और सबसे बढ़कर ईरानी

देशभक्तों के बलिदान से, ईरान की स्वतंत्रता का समय निकट है। ईरान जिंदाबाद!

कुवैत पर मिसाइल और ड्रोन से हमले

इसी बीच, खाड़ी देश कुवैत ने भी मिसाइल और ड्रोन हमलों पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। अल जजीरा के अनुसार, कुवैत की सेना ने एक बयान जारी कर बताया कि वहां सुनाई दे रहे धमाकों की आवाजें मिसाइलों को हवा में नष्ट करने की वजह से आ रही हैं। सेना ने आम लोगों से अपील की है कि वे अधिकारियों के निर्देशों का पालन करें।

इस्राइली सेना ने बरामद किए टैंक रोधी मिसाइल

दूसरी तरफ, इस्राइली सेना ने दक्षिणी लेबनान में बड़ी कार्रवाई की जानकारी दी है। इस्राइली सेना ने बताया कि उनके सैनिकों ने वहां एक टैंक रोधी मिसाइल पोस्ट और भारी मात्रा में हथियार बरामद किए हैं। सेना ने सोशल मीडिया पर इन हथियारों की तस्वीरें भी साझा की हैं।

यूएई पर भी जारी हैं हमले

ईरान की तरफ से हुए मिसाइल हमलों के बाद इस्राइल के दक्षिणी और मध्य इलाकों में मिसाइलों के टुकड़े गिरने की खबरें मिली हैं। अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक, कई जगहों पर यह मलबा गिरा है। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) का रक्षा मंत्रालय भी ईरान की तरफ से आने वाली मिसाइलों और ड्रोनों का सामना कर रहा है। मंत्रालय ने पुष्टि की है कि देश के अलग-अलग हिस्सों में सुनाई देने वाली आवाजें मिसाइलों को रोकने की वजह से हैं। उनके लड़ाकू विमान और रक्षा प्रणालियां इन खतरों को लगातार नाकाम कर रही हैं।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

विधानसभा में बजट चर्चा के दौरान सीएम सुक्खू ने कहा, राज्य में कोई आर्थिक संकट नहीं

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश विधानसभा में बजट चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने स्पष्ट किया कि राज्य में कोई आर्थिक संकट नहीं है और सरकार 2032 तक सभी कर्मचारियों को ओल्ड पेंशन स्कीम (ओपीएस) का लाभ देगी। उन्होंने कहा कि सरकार उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग कर आत्मनिर्भरता की दिशा में काम कर रही है। नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर द्वारा प्रदेश की वित्तीय स्थिति को कमजोर बताने के दावे को सीएम सुक्खू ने खारिज किया। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों के वेतन में कटौती नहीं की गई है, बल्कि इस केवल छह महीने के लिए स्थगित किया है। साथ ही उन्होंने जयराम ठाकुर पर गलत आंकड़े प्रस्तुत करने का आरोप लगाकर कहा कि यदि सही आंकड़े दिखाते, तब स्थिति को लेकर भ्रम नहीं फैलता। मुख्यमंत्री सुक्खू ने कहा कि यदि विपक्ष सरकार के फैसलों का विरोध नहीं कर रहा और कोर्ट नहीं जा रहा, तो इसका मतलब है कि वे भी वास्तविक स्थिति को समझते हैं। इसके अलावा, उन्होंने सोलन और कुल्लू जिलों के अस्पतालों में रोबोटिक सर्जरी शुरू करने की योजना की जानकारी दी, जिसके लिए लगभग 28 करोड़ रुपये की लागत से आधुनिक मशीनें खरीदी जाएगी। अंत में सुक्खू ने सवाल उठाया कि कौन सी सरकार बेहतर है—वह जो 17 हजार करोड़ की आरडीजी से चल रही है या वह जिसने 76 हजार करोड़ के कर्ज का दुरुपयोग किया।

वजन घटाने वाली दवा को लेकर सतर्क ड्रग्स कंट्रोलर... दवा की बिना अनुमति बिक्री और प्रचार पर सख्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। वजन घटाने वाली दवा (जीएलपी-1) की सप्लाई चेन में नैतिक फार्मास्युटिकल तरीकों को सुनिश्चित करने भारत के ड्रग्स कंट्रोलर ने दवा की बिना अनुमति बिक्री और प्रचार के खिलाफ जांच तेज कर दी है। भारतीय बाजार में जीएलपी-1 आधारित वजन घटाने वाली दवाओं के कई जैनेरिक वेरिएंट के आने के साथ रिटेल फार्मेसियों, ऑनलाइन, थोक विक्रेताओं और वेलनेस क्लीनिकों के माध्यम से इसकी मांग को लेकर चिंता सामने आई हैं। जब इन दवाओं का उपयोग उचित चिकित्सकीय देखरेख के बिना किया जाता है, तब इनके गंभीर दुष्प्रभाव और संबंधित स्वास्थ्य जोखिम हो सकते हैं। स्थिति का संज्ञान लेकर भारत के ड्रग्स कंट्रोलर ने राज्य रेगुलेटरों के सहयोग से फार्मास्युटिकल सप्लाई चेन में संभावित गलत तरीकों को रोकने और बिना अनुमति बिक्री तथा उपयोग को रोकने के लिए कई लक्षित कार्रवाइयां शुरू की हैं। 10 मार्च 2026 को सभी निर्माताओं को विस्तृत एडवाइजरी जारी की गई थी, जिसमें स्पष्ट रूप से सरोगेट विज्ञापनों (अप्रत्यक्ष विज्ञापनों) और किसी भी प्रकार के अप्रत्यक्ष प्रचार पर रोक लगाई गई थी, जो उपभोक्ताओं को गुमराह कर सकता है। हाल के हफ्तों में प्रवर्तन गतिविधियों को काफी बढ़ाया गया है। 49 संस्थाओं पर ऑडिट और निरीक्षण किए गए, जिसमें शामिल हैं ऑनलाइन फार्मेसी के गोदाम, दवा के थोक विक्रेता, खुदरा विक्रेता, और वेलनेस तथा स्लिमिंग क्लीनिक प्रमुख हैं। ये निरीक्षण देश भर के कई क्षेत्रों में किए गए और इनका मुख्य उद्देश्य बिना अनुमति बिक्री, गलत प्रिस्क्रिप्शन (दवा लिखने) के तरीके, और गुमराह करने वाले मार्केटिंग से संबंधित उल्लंघनों की पहचान करना था। रेगुलेटर इस बात पर ज़ोर देता है कि मरीजों की सुरक्षा सर्वोपरि है। चिकित्सकीय देखरेख के बिना वजन घटाने वाली दवाओं का गलत उपयोग गंभीर स्वास्थ्य जटिलताओं का कारण बन सकता है। नागरिकों को सलाह दी गई है कि वे ऐसी दवाओं का उपयोग केवल योग्य चिकित्सकों के मार्गदर्शन में ही करें।

देश के कई राज्यों में गुजरते मार्च में होगी बारिश और बर्फबारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के पहाड़ी राज्यों में बारिश-बर्फबारी और मैदानी राज्यों में भी हल्की से तेज बारिश का असर है। राजस्थान में एक हफ्ते से बारिश और तेज हवा का अनुमान है। जो मार्च के अंत तक जारी रह सकता है। मौसम विभाग के मुताबिक 26 से 31 मार्च के बीच राज्य में दो अलग-अलग ?वेदर सिस्टम सक्रिय होने वाले हैं। मध्यप्रदेश में साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम का असर है। इसके कारण राज्य के उज्जैन, सागर, ग्वालियर-चंबल संभाग में बादल छाए। इसके कारण दिन के तापमान में गिरावट आई। 26-27 मार्च से आंधी-बारिश की संभावना है। उत्तर प्रदेश में नोएडा, गाजियाबाद, मेरठ सहित 10 जिलों में बारिश हुई। यहां तापमान सामान्य से 10 डिग्री सेल्सियस या उससे भी नीचे रहा है। मौसम विभाग के मुताबिक 26 मार्च से एक और वेस्टर्न डिस्टर्बेंस सक्रिय होगा। इससे 3-4 दिन तक पूरे प्रदेश में फिर बारिश हो सकती है। 25 मार्च को अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में बिजली गिरने की आशंका है। कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, बंगाल और सिक्किम में हल्की बारिश की संभावना। वहीं 26 मार्च को मध्य भारत, बिहार, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में हल्की बारिश की संभावना है। राजस्थान में पिछले सप्ताह शुरू हुआ आंधी-बारिश का दौर मार्च के अंत तक जारी रहेगा। मौसम विभाग ने राज्य में 26 से 31 मार्च के बीच दो अलग-अलग ?वेदर सिस्टम के सक्रिय होने की संभावना जाहिर की है। पिछले 24 घंटे में जयपुर, हनुमानगढ़, झुंझुनूं जिलों में बारिश हुई। दोपहर में कोटा, बारां, अजमेर में बारिश हुई।

लालू को फिर झटका, दिल्ली हाई कोर्ट ने याचिका में कोई दम नहीं... ये कहकर खारिज की

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली में स्थित दिल्ली हाई कोर्ट ने आरजेडी प्रमुख और पूर्व सीएम लालू प्रसाद यादव को लैंड-फॉर-जॉब्स मामले में बड़ा झटका देकर उनकी याचिका खारिज कर दी। याचिका में उन्होंने केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो द्वारा दर्ज एफआईआर को रद्द करने की मांग की थी। अदालत ने साफ कहा कि याचिका में कोई दम नहीं है। इस फैसले से लालू यादव को फिलहाल कोई राहत नहीं मिली है और उनकी कानूनी मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। सुनवाई के दौरान लालू यादव के वकील ने दलील दी कि यह जांच 卐गैर-कानूनी और दुर्भावनापूर्ण卐 है और उनके मुवक्किल के निष्पक्ष जांच के मौलिक अधिकार का उल्लंघन करती है। उन्होंने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 17ए का हवाला देकर कहा कि बिना पूर्व मंजूरी के शुरू की गई जांच अवैध मानी जानी चाहिए। साथ ही यह भी तर्क दिया गया कि राजनीतिक प्रतिशोध के तहत कार्रवाई की जा रही है। हालांकि अदालत ने इन दलीलों को स्वीकार नहीं किया। यह मामला 2004 से 2009 के बीच का है, जब लालू प्रसाद यादव केंद्र सरकार में रेल मंत्री थे। आरोप है कि उस दौरान रेलवे में ग्रुप-डी की नौकरियां देने के बदले लोगों से जमीन ली गई।

कपिल सिब्बल को फटकराते हुए सुप्रीम कोट... केवल 'ईडी,ईडी,ईडी' की रट मत लगाइये

सिब्बल से पूछा... क्या किसी सरकारी अधिकारी के मौलिक अधिकार नहीं होते

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को अहम सुनवाई करते हुए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बीच चल रहे विवाद में महत्वपूर्ण सवाल उठाकर पूछा है कि क्या किसी सरकारी अधिकारी के मौलिक अधिकार नहीं होते हैं या केवल सरकारी अधिकारी होने के कारण वे अपने मौलिक अधिकार खो देते हैं? जस्टिस पी.के.मिश्रा और जस्टिस एन.वी.अंजारिया की पीठ ने कहा कि ईडी के कुछ अधिकारियों ने मामले में व्यक्तिगत रूप से याचिका दायर की है। इसके बाद यह तर्क देना कि प्रवर्तन निदेशालय अनुच्छेद 32 के तहत याचिका नहीं दायर कर सकती। यह याचिका ममता बनर्जी पर राजनीतिक कंसल्टेंसी फर्म आई-पैक के खिलाफ की गई तलाशी अभियानों में कथित हस्तक्षेप के आरोप में दायर की गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने दो टूक कहा, ÷क्या ईडी के अधिकारी हो जाने की वजह से देश के नागरिक नहीं रह जाते? उनके मौलिक अधिकारों का क्या?÷ पीठ ने कहा कि ईडी के कुछ अधिकारियों ने अपनी व्यक्तिगत क्षमता में अदालत में याचिका दायर की है। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने चेताया कि केवल ईडी,ईडी,ईडी÷ कहकर मामले को नहीं देखा जा सकता, बल्कि उन अधिकारियों के अधिकारों पर ध्यान देना जरूरी है जो इस पूरे घटनाक्रम में कथित रूप से प्रभावित हुए हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, जस्टिस मिश्रा ने सुनवाई के दौरान टिप्पणी कर कहा, कृपया ईडी के उन अधिकारियों के मौलिक अधिकारों पर ध्यान केंद्रित करें, जिनके संबंध में अपराध किया गया है। अन्यथा, आप मुख्य मुद्दे से भटक जाएंगे। आप उस दूसरी याचिका को नहीं भूल सकते, जिस याचिका को उन व्यक्तिगत अधिकारियों ने दायर किया है, जो इस अपराध के पीड़ित हैं। मैं आपको बता रहा हूं, आप मुश्किल में पड़ जाएंगे। सिर्फ ईडी, ईडी, ईडी की रट न लगाएं।

वहीं पश्चिम बंगाल सरकार की ओर से वरिष्ठ

वकील कपिल सिब्बल ने दलील दी कि जांच करना कोई मौलिक अधिकार नहीं, बल्कि एक वैधानिक अधिकार है। उन्होंने कहा कि अगर जांच में बाधा आती है, तब उसका समाधान कानून के तहत है, न कि अनुच्छेद 32 के जरिए होना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि हम किसी कानून की व्याख्या किसी विशेष परिस्थिति के संदर्भ में करके, आपराधिक कानून की मूल विशेषताओं के विपरीत जाकर मुसीबतों का नहीं खोल सकते।

सुप्रीम कोर्ट ने चुनावी समय का हवाला देकर सुनवाई टालने की मांग भी खारिज की। जस्टिस मिश्रा ने कहा, ÷हम न चुनाव का हिस्सा बनना चाहते हैं, न किसी अपराध का। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने यह टिप्पणी इस बात का संकेत है कि कोर्ट इस मामले को गंभीरता से देख रहा है और टालने के पक्ष में नहीं है।

पूरा मामला क्या है?

यह विवाद जनवरी में तब शुरू हुआ, जब ईडी ने पॉलिटिकल कंसल्टेंसी फर्म आई-पैक के ठिकानों पर छापेमारी की। आरोप है कि तब सीएम ममता बनर्जी मौके पर पहुंचीं थी और उन्होंने कुछ दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण वहां से हटा लिए थे। ईडी का दावा है कि इससे उनकी जांच प्रभावित हुई। यह जांच कथित कोयला तस्करी मामले से जुड़ी है, जिसमें कारोबारी अनूप माजी पर आरोप हैं।

अमेरिका और ईरान का तनाव कम करने के लिए भारत समेत 4 मुस्लिम देश हुए सक्रिय

नई दिल्ली (एजेंसी)। मध्य पूर्व में जारी भीषण संघर्ष को रोकने और इसे महायुद्ध में बदलने से बचाने के लिए दुनिया की बड़ी ताकतें पर्दे के पीछे से सक्रिय हो गई हैं। ताजा रणनीतिक घटनाक्रम और वरिष्ठ राजनयिकों से मिली जानकारी के अनुसार, अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कम करने के लिए ओमान और तुर्की के माध्यम से अत्यंत गोपनीय बैकचैनल वार्ताएं आयोजित की जा रही हैं। ऐतिहासिक रूप से मध्यस्थ की भूमिका निभाने वाले ओमान ने एक बार फिर दोनों कट्टर प्रतिद्वंद्वियों को संवाद की मेज पर लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। राजनयिक हलकों में हो रही इन चर्चाओं से यह भी स्पष्ट हुआ है कि इस शांति प्रक्रिया में केवल तुर्की और ओमान ही नहीं, बल्कि भारत, सऊदी अरब और मिस्र जैसे देश भी लगातार कूटनीतिक संदेशों के आदान-प्रदान का जरिया बने हुए हैं। भारत के संबंध ईरान और अमेरिका दोनों के साथ संतुलित और बेहतर हैं, जिसे देखते हुए नई दिल्ली ने क्षेत्रीय स्थिरता बनाए रखने के लिए संवाद के रास्ते खुले रखने में मदद की है। विशेषज्ञों का मानना है कि इन देशों की मध्यस्थता और कूटनीतिक दबाव ने युद्ध को अनियंत्रित होने से रोकने में एक सिक्योरिटी वाल्व की तरह काम किया है। हालांकि, यह अभी पूरी तरह स्पष्ट नहीं है कि इन गुप्त वार्ताओं का हालिया घोषित 5-दिवसीय युद्ध विराम के फैसले पर कितना सीधा प्रभाव पड़ा है, लेकिन इसके सकारात्मक संकेत जरूर मिले हैं। युद्ध के चौथे सप्ताह में प्रवेश करने के साथ ही यह पहली बार देखा जा रहा है कि इतने सारे प्रभावशाली राष्ट्र एक साथ मिलकर वाशिंगटन और तेहरान के बीच की खाई को पाटने की कोशिश कर रहे हैं। चर्चा है कि आने वाले समय में कूटनीतिक समाधान की कोशिशें और तेज हो सकती हैं। कूटनीतिक गलियारों में यह दावा भी किया जा रहा है कि पाकिस्तान, तुर्की और मिस्र की कोशिशों के बाद भविष्य में होने वाली उच्च स्तरीय बैठकों में अमेरिका की ओर से उपराष्ट्रपति जेडी वेंस शामिल हो सकते हैं। फिलहाल, सैन्य तनाव के बीच इन गुप्त वार्ताओं ने वैश्विक स्तर पर शांति की नई उम्मीद जगाई है।

कश्मीर की अलगाववादी नेता आसिया अंद्राबी को उम्रकैद की सजा

-दो सहयोगियों को भी 30-30 साल की जेल

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की कड़कड़डूमा अदालत ने कश्मीर की अलगाववादी नेता आसिया अंद्राबी को उम्रकैद की सजा सुनाई है। वहीं उसकी दो सहयोगियों सोफी फहमीदा और नाहिदा

नसरीन को 30-30 साल की जेल की सजा दी गई। तीनों को इससे पहले जनवरी में गैरकानूनी गतिविधियां (निवारण) अधिनियम (यूएपीए) के तहत दोषी ठहराया गया था। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश चंदर जीत सिंह की अदालत ने सजा पर दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद यह फैसला सुनाया। अदालत ने अपने पूर्व निर्णय में कहा था कि आसिया अंद्राबी और उसकी सहयोगियों ने कश्मीर को भारत से अलग करने की साजिश रची और देश विरोधी गतिविधियों में शामिल रहीं। 14 जनवरी को अदालत ने तीनों आरोपियों को यूएपीए की विभिन्न धाराओं—धारा 20 (आतंकवादी संगठन का सदस्य होना), धारा 38 (आतंकवादी संगठन से जुड़ाव) और धारा 39 (आतंकवादी संगठन का समर्थन) के तहत दोषी ठहराया था। इसके अलावा, भारतीय दंड संहिता की धारा 153ए, 153बी, 120बी, 505 और 121ए के तहत भी इन्हें अपराधी पाया गया। इस मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की ओर से वरिष्ठ सरकारी वकील ने कड़ी सजा की मांग की थी। एजेंसी का कहना था कि आरोपी देश के खिलाफ गंभीर साजिशों और गतिविधियों में शामिल रही हैं, इसलिए उन्हें ऐसी सजा दी जानी चाहिए जो समाज में एक कड़ा संदेश दे और भविष्य में इस तरह के अपराधों पर रोक लगे। गौरतलब है कि तीनों आरोपियों को जुलाई 2018 में गिरफ्तार किया गया था। लंबे समय तक चली सुनवाई और साक्ष्यों के आधार पर अदालत ने यह फैसला सुनाया, जिसे देश विरोधी गतिविधियों के खिलाफ एक सख्त कानूनी कार्रवाई के रूप में देखा जा रहा है।

राहुल गांधी एक अबोध बालक, वे एक नासमझ बच्चे की तरह हैं

-गिरिराज ने विपक्ष के नेता पर कसा तंज, बोले- मोदी के नेतृत्व पर सबको भरोसा

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने मंगलवार को विपक्ष के नेता राहुल गांधी को अबोध बालक बताया और उन पर कोविड-19 महामारी के दौरान भ्रम फैलाने का आरोप लगाया। गिरिराज ने कहा कि राहुल गांधी एक अबोध बालक हैं, वे एक नासमझ बच्चे की तरह हैं। मैंने जिक्र किया था कि कोविड काल में भी उनकी गतिविधियां देश में भ्रम फैलाने और लोगों को भड़काने से जुड़ी थीं। आज भारत के नेतृत्व और जनता को नरेंद्र मोदी के नेतृत्व पर पूरा भरोसा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक गिरिराज सिंह ने कहा कि हमने कोविड-19 के खिलाफ सफलतापूर्वक लड़ाई लड़ी। इस देश में अभी तक ईंधन की कीमतें नहीं बढ़ी हैं। मैंने देखा कि हिमाचल प्रदेश सरकार ने ईंधन की कीमतें बढ़ा दी हैं। अब राहुल गांधी की आवाज कहां है? वे दूसरी जगहों पर इस बारे में शोर मचाते रहते हैं, वे यह क्यों नहीं पूछते कि वहां कीमतें क्यों बढ़ाई गईं? भले ही देश के पीएम मोदी ने कीमतें नहीं बढ़ाई हैं, जबकि अमेरिका, जापान और जर्मनी जैसे देशों ने बढ़ा दी हैं, प्रबंधन का

मतलब ही यही है। इसीलिए मैं कह सकता हूं कि भारत को किसी भी चीज से कोई समस्या नहीं है, क्योंकि भारत की जनता में अपार आत्मविश्वास है। हम किसी भी आपदा को अवसर में बदल सकते हैं और चुनौतियों का डटकर सामना कर सकते हैं। इस देश की एकमात्र समस्या विपक्ष का नेता (एलओपी) है।

गिरिराज यह टिप्पणी विपक्षी नेता राहुल गांधी द्वारा पश्चिम एशिया की स्थिति के संबंध में पीएम मोदी के लोकसभा भाषण की आलोचना के बाद आई है, जिसमें राहुल गांधी ने पीएम मोदी पर अमेरिका का नाम न लेने का आरोप लगाया और कहा कि वह ट्रम्प के 100फीसदी नियंत्रण में हैं। राहुल ने कहा कि मैंने सुना है कि पीएम मोदी ने 25 मिनट का भाषण दिया, लेकिन मैं गारंटी देता हूं कि वे संसद में किसी बहस में भाग नहीं ले सकते क्योंकि वे समझौता कर चुके हैं। मोदी ने 25 मिनट तक भाषण दिया लेकिन अमेरिका के खिलाफ एक शब्द भी नहीं कहा। पीएम मोदी पूरी तरह से ट्रंप के नियंत्रण में हैं।

राहुल गांधी ने दावा किया कि पीएम मोदी ने व्यापार समझौते के जरिए भारत के कृषि क्षेत्र को अमेरिका के लिए खोल दिया है और चेतावनी देते हुए कहा कि यहां हमारे पास छोटे खेत हैं, जबकि अमेरिका में हजारों एकड़ में फैले बड़े-बड़े खेत हैं। यहां लोग हाथों से काम करते हैं, और वहां बड़े-बड़े मशीनों से काम होता है। अगर अमेरिकी सामान भारत आने लगे, तो हमारे किसान बर्बाद हो जाएंगे। ये टिप्पणियां पीएम मोदी के लोकसभा में अमेरिका-इजराइल-ईरान संघर्ष पर दिए गए भाषण के बाद आईं।

मोदी की पॉपुलैरिटी आज पाताल लोक पहुंच चुकी है, उनका साम्राज्य जाने वाला है

केजरीवाल बोले- आज चुनाव बेईमानी से जीते जा रहे, सबसे बड़ा उदाहरण मैं हूं

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के पूर्व सीएम और आम आदमी पार्टी प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने कहा है कि नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री के तौर पर 2026 पूरा नहीं कर पाएंगे। मेरा दिल और राजनीतिक समझ कहती है कि मोदी और अमित शाह जाने वाले है। केजरीवाल ने कहा कि मोदी की पॉपुलैरिटी आज पाताल लोक पहुंच चुकी है। उनका साम्राज्य जाने वाला है। केजरीवाल ने यह बात शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत की किताब लॉन्चिग के मौके पर दिल्ली में कही। इस दौरान दिग्विजय सिंह, कपिल सिब्बल और संजय सिंह समेत कई विपक्षी नेता मौजूद थे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबक केजरीवाल ने कहा कि एक समय ऐसा होता था जब एक भी नेगेटिव कमेंट आता था तो इनकी पूरी मशीनरी मिलकर उसको डिलीट या म्यूट कर देती थी, लेकिन अब तो मोदी एक पोस्ट करते हैं तो नीचे कमेंट बॉक्स में सिर्फ गालियां मिलती हैं। उन्होंने कहा कि पहले जब मोदीजी के खिलाफ कोई मीम बना देता था तो उसको जेल हो जाती थी, लेकिन

अब इतने मीम बन रहे हैं कि किस-किस को जेल में डालेंगे। सोशल मीडिया का पूरा माहौल और इको-सिस्टम ही बदल चुका है। वही आपको बताता है कि मोदी की पॉपुलैरिटी आज पाताल लोक पहुंच चुकी है।

बीजेपी के चुनाव जीतने पर केजरीवाल ने कहा कि चुनाव बेईमानी से जीते जा रहे हैं। उसका सबसे बड़ा जीता जागता उदाहरण मैं हूं। मैं नई दिल्ली विधानसभा से चुनाव लड़ा। मेरे जेल जाने से पहले मेरी विधानसभा में जब मैं पिछली बार लड़ा था तो 1 लाख 48 हजार वोट थे। जब मैं जेल से लौटकर आया तो 1 लाख 6 हजार वोट बचे थे। 42 हजार वोट इन्होंने पीछे से कटवा दिए। उन्होंने कहा कि ये इसी तरह से जीत रहे हैं। वोट जोड़ते हैं, डिलीट करवाते हैं और फर्जी वोट डलवाते हैं। जब देश को इन दोनों से मुक्ति मिलेगी तो एक संतुष्टि यह होगी कि इस लड़ाई में हमने भी योगदान दिया और हम भी जेल गए थे।

इससे पहले केजरीवाल ने एक्स पर पोस्ट कर मिडिल ईस्ट में जारी युद्ध से पैदा हालात को लेकर भी केंद्र सरकार पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि शेयर बाजार में गिरावट है, एलपीजी की कमी से कई कारोबार प्रभावित हुए हैं और लोग गर्मी में सिलेंडर के लिए कतारों में खड़े हैं। साथ ही प्रवासी मजदूरों के सामने रोजगार का संकट है और रुपया भी निचले स्तर पर पहुंच गया है। जब दुनिया को पहले से अंदेशा था, तो सरकार ने पहले से तैयारी क्यों नहीं की और हर संकट का बोझ आम लोगों पर ही क्यों डाला जाता है।

अलवर: घीलोठ औद्योगिक क्षेत्र की एसी फैक्ट्री में भीषण आग, करोड़ों का हुआ नुकसान

अलवर (एजेंसी)। राजस्थान के अलवर जिले में स्थित नीमराणा के घीलोठ औद्योगिक क्षेत्र से एक हृदयविदारक घटना सामने आई है। यहाँ स्थित ट्रांस एचसीआर नामक एयर कंडीशनर (एसी) बनाने वाली कंपनी में मंगलवार तड़के करीब 3 बजे अचानक भीषण आग लग गई। आग इतनी भयावह थी कि देखते ही देखते उसने पूरी फैक्ट्री को अपनी आगोश में ले लिया। रात के सन्नाटे में उठती आग की गगनचुंबी लपटें और काले धुएं का गुबार कई किलोमीटर दूर से साफ देखा जा सकता था, जिससे आसपास के ग्रामीणों और अन्य औद्योगिक इकाइयों में भारी दहशत फैल गई।

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन सक्रिय हो गया। नीमराणा, बहरोड़, घीलोठ और सोतानाला से दमकल की गाड़ियां तुरंत मौके पर भेजी गईं। दमकल कर्मियों को आग बुझाने में कड़ी मशक्कत का सामना करना पड़ा क्योंकि फैक्ट्री के भीतर एसी निर्माण में प्रयुक्त होने वाला ज्वलनशील सामान,

प्लास्टिक पार्ट्स, पैकिंग सामग्री और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का भारी भंडार था। इस सामग्री ने ईंधन का काम किया, जिससे आग तेजी से फैलती चली गई। गनीमत यह रही कि हादसा देर रात हुआ जब फैक्ट्री में श्रमिक मौजूद नहीं थे, जिसके कारण एक बड़ा जानी नुकसान टल गया।

मौके पर मौजूद पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आग की लपटें इतनी तीव्र थीं कि फैक्ट्री की छत धधक उठी और परिसर के भीतर से रुक-रुक कर धमाकों की आवाजें सुनाई देती रहीं। आशंका जताई जा रही है कि फैक्ट्री के अंदर रखे गैस सिलेंडर, कंप्रेसर या केमिकल कंटेनर अत्यधिक गर्मी के कारण फट गए, जिसने आग को और अधिक विकराल बना दिया। हालांकि, आग लगने के सटीक कारणों का अभी तक खुलासा नहीं हो पाया है। शुरुआती अनुमानों के मुताबिक, इस अग्निकांड में करोड़ों रुपये का कच्चा माल और कीमती मशीनरी जलकर राख हो गई है, जिससे कंपनी को भारी आर्थिक क्षति पहुंची है।

प्रशासन ने घटना की गंभीरता को देखते हुए मामले की उच्च स्तरीय जांच के आदेश दे दिए हैं। आग के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए तकनीकी विशेषज्ञों की टीम बुलाई जा रही है, जो शॉर्ट सर्किट, मशीनरी में तकनीकी खराबी या सुरक्षा मानकों की अनदेखी जैसे बिंदुओं पर जांच करेगी। स्थानीय निवासियों और औद्योगिक संगठनों ने इस घटना पर चिंता व्यक्त करते हुए औद्योगिक क्षेत्रों में अग्नि सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक पुख्ता करने की मांग की है। फिलहाल, सुरक्षा के लिहाज से पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी गई है और स्थिति पर पैनी नजर रखी जा रही है।

ईरान की रणनीति देख भारत ने भी पिनाका रॉकेट लॉन्चर रेजिमेंट को ऑपरेशनल किया

-इस 'देसी ब्रह्मास्त्र' में है कम समय में भारी तबाही मचाने की क्षमता

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान की अमेरिका-इजराइल के खिलाफ चल रहे महायुद्ध ने इस चिंता को बढ़ा दिया है। इस वैश्विक तनाव और पाकिस्तान-चीन सीमा पर बढ़ते खतरे के बीच भारतीय सेना ने अपनी रक्षा क्षमता को और मजबूत करने की तैयारी तेज कर दी है। सूत्रों के मुताबिक भारतीय सेना ने एक और पिनाका रॉकेट लॉन्चर रेजिमेंट को ऑपरेशनल कर लिया है और इस साल के अंत तक एक और रेजिमेंट को शामिल करने की तैयारी में है। इससे सेना के पास अब 7 पिनाका रेजिमेंट हो गए हैं, जो पाकिस्तान और चीन सीमा पर तैनात हैं।

मीडिया रिपोर्ट में रक्षा सूत्रों ने हवाले से बताया गया है कि पिनाका के आठवें रेजिमेंट के लिए अब आधे से ज्यादा उपकरण प्राप्त किए चुके हैं और 2026 के अंत तक पूरी तरह ऑपरेशनल हो जाएगा। अगले साल दो और रेजिमेंट को शामिल करने की योजना है, जिससे कुल संख्या 10 हो जाएगी। भारतीय सेना का लक्ष्य 22 पिनाका रेजिमेंट बनाने का है, जिसमें नई लंबी दूरी वाली गाइडेड मिसाइलों से लैस संस्करण शामिल होंगे। ये पुरानी सिस्टम की जगह लेंगे और छोटे मिसाइल-ड्रोन के हमलों का मुंहतोड़ जवाब देंगे।

भारत की पाकिस्तान से सटी पश्चिमी सीमा और चीन से सटी उत्तरी सीमा पर हालात लंबे समय से संवेदनशील रहे हैं। खासतौर पर 2020 में गलवान घाटी में हुई झड़प के बाद सेना ने अपनी आर्टिलरी ताकत को तेजी से मजबूत करने का फैसला लिया। भारतीय सेना ने तब भारत अर्थ मूवर्स लिमिटेड, टाटा पॉवर और लार्सन एंड टुब्रो के साथ करीब 2,580 करोड़ रुपए के छह पिनाका रेजिमेंट के लिए समझौता किया था। अब इनका तेजी से उत्पादन और तैनाती की जा रही है। ईरान-अमेरिका जंग में ड्रोन और मिसाइल स्वार्म अटैक की रणनीति देखते हुए सेना ने पिनाका को और अहम हथियार माना है। इस जंग में बड़े पैमाने पर रॉकेट, ड्रोन और प्रिसिजन स्ट्राइक सिस्टम का इस्तेमाल हो रहा है। यही वजह है कि भारत भी अपनी सेना को ऐसे हथियारों से लैस कर रहा है जो एक साथ कई लक्ष्यों को तेजी से निशाना बना सकें।

रिपोर्ट के मुताबिक पिनाका भारत का स्वदेशी मल्टी-बारेल रॉकेट लॉन्चर सिस्टम है, जिसे डीआरडीओ ने विकसित किया है। इस भारतीय सेना का 'देसी ब्रह्मास्त्र' कहा जाता है, क्योंकि यह कम समय में भारी तबाही मचाने की क्षमता रखता है। यह 122 मिमी रॉकेटों की तुलना में ज्यादा शक्तिशाली और सटीक है। पिनाका 12 रॉकेट एक साथ दाग सकता है और कुछ ही सेकंड में दुश्मन के बड़े इलाके को निशाना बना सकता है। इसकी रेंज 40 से 75 किलोमीटर तक है, जबकि इसके नए गाइडेड वर्जन 120 किमी तक सटीक हमला करने में सक्षम हैं।

आधुनिक युद्ध में छोटे ड्रोन और लो-कॉस्ट मिसाइलें बड़ा खतरा बनकर उभरी हैं। पिनाका का अपग्रेडेड वर्जन ऐसे लक्ष्यों के खिलाफ भी प्रभावी माना जा रहा है। इसकी एक रेजिमेंट में 18-24 लॉन्चर होते हैं, जो मिनटों में सैकड़ों रॉकेट दाग सकते हैं। यह छोटे ड्रोन और क्रूज मिसाइलों के स्वार्म अटैक का मुंहतोड़ जवाब देने में सक्षम है। ईरान की तरह दुश्मन अगर सस्ते ड्रोन और

मिसाइलों से हमला करे तो पिनाका का सैल्वो दुश्मन के लॉन्चर और कमांड सेंटर को पहले ही नष्ट कर सकता है। इसका एक रॉकेट महज कुछ लाख रुपए में आ जाता है, जबकि दुश्मन की महंगी मिसाइल को रोकने वाले सिस्टम करोड़ों में होते हैं।

बता दें ईरान-इजरायल संघर्ष ने यह साफ कर दिया है कि भविष्य के युद्ध पारंपरिक नहीं होंगे, बल्कि टेक्नोलॉजी आधारित होंगे, जहां मिसाइल, ड्रोन और रॉकेट सिस्टम अहम भूमिका निभाएंगे। भारत इसी दिशा में अपनी सेना को तैयार कर रहा है, ताकि किसी भी संभावित खतरे का मुकाबला किया जा सके। रक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि ईरान की रणनीति देखते हुए भारत ने सही समय पर कदम उठाया है।